हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

Koylanchal samvad news

रांची, शनिवार, 19 जुलाई, 2025 वर्ष : 13 अंक : 60 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

भारत में रूसी महिला बच्चे के साथ लापता:सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को... | भगवान भोलेनाथका जलाभिषेक, कांवड़ यात्रा, गंगाजल का... | रिलायंस-रिटेल ने 1963 के मशहूर फ्रिज ब्रांड को खरीदा

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के 45,बेंगलुरु के 50 स्कूलों में बम की धमकी:लिखा- पेरेंट्स कटे-फटे शव देखेंगे तो खुशी होगी

नई दिल्ली: दिल्ली और बेंगलुरु में शुक्रवार सुबह 80 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। दिल्ली के 45 से ज्यादा स्कूलों को धमकी भरा ईमेल भेजा गया। इनमें पीतमपुरा, द्वारका, पश्चिम विहार, रोहिणी, संगम विहार, समेत दूसरे इलाकों के स्कूल शामिल हैं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची हैं। सावधानी के तौर पर स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। इनके अलावा, दिल्ली यूनिवर्सिटी के 3 कॉलेजों को भी बम की धमकी मिली है। राजधानी दिल्ली में 5 दिन के भीतर बम धमकी का यह चौथा मामला है। इससे पहले 14 जुलाई को दो, 15 जुलाई को तीन, 16 जुलाई को करीब 10 स्कूलों और दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफन्स कॉलेज को धमकी मिली थी। वहीं बेंगलुरु के भी 50 स्कूलों को बम की धमकी दी गई है। पुलिस ने बताया कि 'roadkill333' नाम के यूजर ने सुबह 7.24 बजे 50 स्कूलों की ईमेल आईडी पर स्कूल के अंदर बम होने का मेल भेजा। सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ता अलग-अलग स्कूलों में जाकर जांच में जुट गया है। धमकी भरे मेल में लिखा है, 'मैं आप में से हर एक को इस दुनिया से मिटा दूंगा। मुझे खुशी होगी जब मां-बाप अपने बच्चों के कटे-फटे शव देखने के लिए स्कूल पहुंचेंगे' चिट्ठी में लिखा है कि मैं विस्फोट के बाद आत्महत्या कर लूंगा। मैं अपनी जिंदगी से नफरत करता हूं। मुझे कभी मदद नहीं मिली। साइकैट्रिस्ट, साइकोलॉजिस्ट किसी ने कभी परवाह नहीं की। आप केवल असहाय इंसानों को दवा देते हैं। यह कभी नहीं बताते कि वे दवाएं आपके अंगों को बर्बाद करती हैं।

ईडी की कार्रवाई पर बघेल.. जन्मदिन के दिन इन तोहफों का धन्यवाद, ताउम्र याद रहेगा

रायपुर (ईएमएस)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी पर बड़ा बयान दिया है। पूर्व सीएम बघेल ने कहा कि विपक्ष के नेताओं को डराने और उनकी आवाज दबाने के लिए ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा कि ये कितना भी जोर लगा लें, बघेल न टूटेगा और न झुकेगा। ईडी ने शुक्रवार को कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के परिसरों पर नए सिरे से छापेमारी की। इस पर कांग्रेस नेता बघेल ने कहा कि वे एजेंसी को पूरा सहयोग कर रहे है। उन्होंने आरोप लगाए, एक ओर बिहार में चुनाव आयोग के जरिए वोटों को काटकर लोकतंत्र का चीर हरण हो रहा है। दूसरी ओर विपक्ष के नेताओं को डराने और दबाने के लिए ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल हो रहा है। देश की जनता जान चुकी है। ईडी की छापेमारी पर बघेल ने पोस्ट किया, जन्मदिन का जैसा तोहफा पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह देते हैं वैसा दुनिया के किसी लोकतंत्र में और कोई नहीं दे सकता। मेरे जन्मदिन पर दोनों नेताओं ने मेरे सलाहकार और दो ओएसडी के घरों पर ईडी भेजी थी। अब मेरे बेटे चैतन्य के जन्मदिन पर मेरे घर पर ईडी की टीम छापेमारी कर रही है। इन तोहफों का धन्यवाद। ताउम्र याद रहेगा। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भी छत्तीसगढ़ में ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा, पूर्व सीएम बघेल के घर पर ईडी की टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके बाद सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या जनप्रतिनिधियों की आवाज दबाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग हो रहा है? पायलट ने लिखा, विपक्ष का कर्तव्य है सरकार से जवाब मांगना।

निमिषा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई टाली

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को यमन में मौत की सज़ा काट रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के मामले की सुनवाई 14 अगस्त तक के लिए स्थगित की है। यह निर्णय भारतीय अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद आया, इसके चलते 16 जुलाई को होने वाली उसकी निर्धारित फांसी को स्थगित किया गया था। निमिषा प्रिया को यमन में एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में मौत की सज़ा सुनाई गई थी, जो उसे परेशान कर रहा था। उसकी किस्मत का फैसला अब पीड़ित तलाल अब्दो महदी के परिवार पर निर्भर करता है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया हैं कि निमिषा प्रिया की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और विदेश मंत्रालय (एमईए) सक्रिय रूप से उसकी सहायता कर रहा है, जिसमें शरिया कानून के तहत क्षमादान या माफी के विकल्प तलाशना भी शामिल है। भारत के हूती विद्रोहियों के साथ कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं, जिससे मामला और जटिल हो जाता है।

मोतिहारी से पीएम मोदी ने कनेक्टिविटी, रेलवे, आइटी और स्टार्टअप से जुड़ी कई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया

पीएम मोदी की बिहार को 7200 करोड़ की सौगात, आईटी पार्क समेत चार अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी

पटना: पीएम मोदी फिर एकबार बिहार आए हैं. शुक्रवार को मोतिहारी से पीएम मोदी ने बिहार को कई सौगात दिए. मोतिहारी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने शिरकत की. इस दौरान बिहार को करीब 7200 करोड़ रुपए की योजनाओं की उन्होंने सौगात दी. कनेक्टिविटी, आइटी और स्टार्टअप से जुड़े राज्य के कई प्रोजेक्ट का उन्होंने शिलान्यास और उद्घाटन किया. 4 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को पीएम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. पीएम मोदी तय कार्यक्रम के तहत पहले दरभंगा एयरपोर्ट आए और उसके बाद हेलीकॉप्टर से मोतिहारी पहुंचे. गांधी मैदान में उनका भव्य स्वागत हुआ. बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व राज्य के दोनों डिप्टी सीएम की मौजूदगी में पीएम मोदी ने बिहार को अनेकों सौगात दिए. इस दौरान कई मंत्री, सांसद आदि भी मंच पर मौजूद रहे.

दरभंगा में आइटी पार्क का लोकार्पण

मोतिहारी से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दरभंगा में लगभग 10 करोड़ की लागत से बनकर तैयार बिहार के दूसरे आइटी पार्क का वर्चुअल माध्यम से ही लोकार्पण किया. 5398 करोड़ की लागत वाली रेलवे की परियोजनाओं की शुरुआत की गयी. पीएम मोदी ने पटना-दिल्ली समेत अन्य रूटों के लिए चार अमृत भारत की भी सौगात बिहार को दी है.

रेलवे के इन प्रोजेक्टों की दी सौगात...

▪ 4079 करोड़ से दरभंगा-नरकटियागंज रेल ट्रैक के दोहरीकरण प्रोजेक्ट का शिलान्यास भी किया. ▪ पाटलिपुत्र कोचिंग कॉम्प्लेक्स में 283 करोड़ से वंदे भारत ट्रेनों के मेंटनेंस के लिए रख-रखाव ढांचे का भी शिलान्यास किया. ▪ दरभंगा-थलवारा और समस्तीपुर-रामभद्रपुर के बीच 26 किलोमीटर की रेललाइन के दोहरीकरण प्रोजेक्ट का उद्घाटन हुआ. ▪ भटनी-छपरा ग्रामीण रेलखंड (114 KM) में 153 करोड़ से ऑटोमेटिक सिग्नलिंग कार्य का शिलान्यास ▪ भटनी-छपरा रेलखंड में ट्रैक्शन सिस्टम उन्नयन कार्य का उद्घाटन, कुल लागत 232 करोड़ ▪ समस्तीपुर-बछवाड़ा रेलखंड (34KM) में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग का उद्घाटन , कुल लागत 53 करोड़ ▪ 4 अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात ▪ पटना के राजेंद्र नगर टर्मिनल से नयी दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस ▪ बापूधाम मोतिहारी से आनंद विहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस ▪ दरभंगा-लखनऊ (गोमतीनगर) अमृत भारत एक्सप्रेस ▪ मालदा टाउन-लखनऊ (गोमतीनगर) अमृत भारत एक्सप्रेस

सड़क योजना की शुरुआत की, लाभुकों को पैसे ट्रांसफर किए

पीएम मोदी ने 1173 करोड़ की सड़क की योजना की भी शुरुआत की. जबकि 63 करोड़ की लागत वाली इलेक्ट्रॉनिक्स और आइटी से जुड़ी योजनाओं की आधारशिला रखी. पीएम ग्रामीण आवास योजना के लिए 162 करोड़ और स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को 400 करोड़ रूपए ट्रांसफर किए गए.

दुर्गापुर में मोदी बोले- बंगाल बदलाव चाहता है:राज्य में उद्योग कभी भारत को गति देते थे, आज यहां कारखानों में ताले लग रहे

दुर्गापुर: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में कहा- बंगाल में रेल कनेक्टिविटी सुधारने के लिए बहुत काम हुआ है। यह देश के उन राज्यों में से एक है जहां सबसे ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। कोलकाता मेट्रो का विस्तार हो रहा। रेलवे स्टेशनों को मॉडर्न बनाया जा रहा है। आज बंगाल को दो नए रेलवे ओवरब्रिज भी मिले हैं। पीएम ने आगे कहा- दुर्गापुर एक स्टील सिटी होने के साथ-साथ भारत की श्रम शक्ति का केंद्र भी है। यह शहर देश के विकास में बड़ी भूमिका निभाता है। ये विकास परियोजनाएं दुर्गापुर को दूसरे हिस्सों से बेहतर जोड़ेंगी और इसकी पहचान को और मजबूत करेंगी।

पीएम मोदी ने दुर्गापुर में 5000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसमें ऑयल, गैस, बिजली, सड़क और रेल से जुड़ी कई अन्य विकास परियोजनाएं शामिल हैं।

पीएम मोदी इन 5 प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की-

बीपीसीएल सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन परियोजना, लागत- 1,950 करोड़
प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल के बांकुरा और पुरुलिया जिले में लगभग 1,950 करोड़ रुपए की लागत वाली भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की शहरी गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। यह परियोजना के तहत घरों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और इंडस्ट्रीयल कस्टमर्स को पीएनजी और सीएनजी कनेक्शन मुहैया कराई जाएगी। इससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

दुर्गापुर-कोलकाता नेचुरल गैस पाइपलाइन, लागत - 1,190 करोड़
प्रधानमंत्री दुर्गापुर-हल्दिया नेचुरल गैस पाइपलाइन के दुर्गापुर से कोलकाता खंड (132 किलोमीटर) की शुरुआत करेंगे। इसे जगदीशपुर-हल्दिया और बोकारो-धामरा पाइपलाइन के एक हिस्से के रूप में बिछाया गया है। शेष पेज 3 पर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गृहमंत्री अमित शाह को लिखा पत्र, 13299 करोड़ रुपये माफ करने का किया आग्रह

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने झारखंड में प्रतिनियुक्त अर्द्ध सैनिक बलों के विरुद्ध झारखंड सरकार के यहां बकाया 13299 करोड़ रुपये की राशि को माफ करने का आग्रह किया है.

नक्सल विरोधी अभियान में झारखंड की भूमिका: मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि झारखंड सरकार नक्सल विरोधी अभियान में पूरी तत्परता से काम कर रही है और अब तक राज्य में 400 लोग शहीद हो चुके हैं. उन्होंने कहा कि नक्सलियों के सफाये के लिए केंद्र सरकार की भी जिम्मेदारी है और सहकारी संघवाद के सिद्धांत के तहत इस राशि को माफ किया जाना चाहिए.

वित्तीय बोझ और जन कल्याणकारी योजनाएं: मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी राशि की अदायगी करने से झारखंड पर वित्तीय बोझ काफी बढ़ जाएगा और इससे जन कल्याणकारी योजनाएं प्रभावित होंगी. उन्होंने कहा कि झारखंड के विकास और जन कल्याणकारी योजना के सफल संचालन की जिम्मेवारी केंद्र सरकार की भी बनती है.

केंद्र सरकार से सहयोग की अपील: मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह झारखंड के विकास और जन कल्याणकारी योजनाओं को गति देने में सहयोग करे और इस राशि को माफ करे. उन्होंने कहा कि इससे झारखंड की वित्तीय स्थिति में सुधार होगा और राज्य सरकार को जन कल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक संचालित करने में मदद मिलेगी।

एसआरइ फंड की कमी के प्रभाव: एसआरइ फंड की कमी के कारण नक्सल प्रभावित इलाकों में पुलिस की गश्त तक प्रभावित हो रही है. इस फंड का उपयोग नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस कार्रवाई और विकास कार्यों के लिए किया जाता था. अब केंद्र से राशि न मिलने के कारण पुलिस के पास वाहन, पेट्रोल और डीजल की कमी हो गई है, जिससे नक्सल प्रभावित इलाकों में पुलिस का मूवमेंट लगभग बंद हो गया है.

निकाय चुनाव न होने पर झारखंड हाईकोर्ट की टिप्पणी, रुल ऑफ लॉ का गला घोंट रही सरकार

मुख्य सचिव को पेश होने का आदेश

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने आदेश के बावजूद स्थानीय नगर निकाय चुनाव नहीं होने पर दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के रवैये पर कड़ी नाराजगी जतायी है. जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि न्यायालय के आदेश को सरकार बाइपास कर रुल ऑफ लॉ का गला घोंट रही है. कोर्ट ने 25 जुलाई यानी अगले शुक्रवार को राज्य के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है. यह जानकारी झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने दी है.

याचिकाकर्ता रोशनी खलखो के अधिवक्ता विनोद कुमार ने ईटीवी भारत को बताया कि 4 जनवरी 2024 को ही हाईकोर्ट ने तीन सप्ताह के भीतर स्थानीय नगर निकाय चुनाव कराने के लिए अधिसूचना जारी करने का आदेश दिया था. जनवरी 2025 में मुख्य सचिव की ओर से हाईकोर्ट को अंडरटेकिंग दिया गया था कि चार माह के भीतर राज्य में स्थानीय नगर निकाय का चुनाव करा लिया जाएगा. अब कोर्ट ने अगले शुक्रवार को मुख्य सचिव को सशरीर पेश होने को कहा है. इस दिन अवमानना से जुड़े आरोप पत्र का भी गठन होगा.

कहां-कहां होना है नगर निकाय चुनाव

नगर निगम- 09: रांची, हजारीबाग, मेदिनीनगर, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, चास, आदित्यपुर और मानगो.
नगर परिषद- 21: गढ़वा, विश्रामपुर, चाईबासा, झुमरी तिलैया, चक्रधरपुर, चतरा, चिरकुंडा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, गुमला, जुगसलाई, कपाली, लोहरदगा, सिमडेगा, मधुपुर, रामगढ़, साहिबगंज, फुसरो और मिहिजाम.
नगर पंचायत-19: बंशीधर नगर, मझिआंव, हुसैनाबाद, हरिहरगंज, छतरपुर,लातेहार, कोडरमा, डोमचांच, बड़की सरैया, धनवार, महगामा, राजमहल, बरहरवा, बासुकीनाथ, जामताड़ा, बुंडू, खूंटी, सरायकेला और चाकुलिया.

दरअसल, राज्य सरकार की ओर से चुनाव में विलंब के लिए बार-बार ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया का हवाला दिया जाता रहा है. अभी तक ट्रिपल टेस्ट की भी फाइनल रिपोर्ट तैयार नहीं हुई है. लिहाजा, चुनाव नहीं होने की वजह से राज्य में 09 नगर निगम, 21 नगर परिषद और 19 नगर पंचायत का कामकाज अधिकारियों के भरोसे चल रहा है.

लालू प्रसाद के खिलाफ ट्रायल रोकने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

रांची: सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के खिलाफ जमीन के बदले नौकरी के मामले में ट्रायल रोकने से इनकार कर दिय है. न्यायाधीश एमएस सुंदरेश और न्यायाधीश एन कोटेश्वर सिंह की पीठ ने लालू की ओर या दायर याचिका पर सुनवाई के बाद ट्रायल रोकने से इनकार कर दिया. लालू प्रसाद की ओर से इस मामले में पहले दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी. दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा ट्रायल रोकने से इनकार करने के बाद लालू प्रसाद की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अपील याचिका दायर की गयी थी.

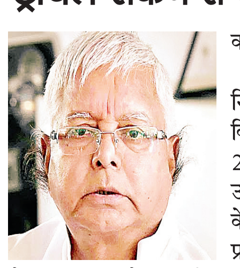

लालू प्रसाद की ओर से कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में उनका पक्ष पेश किया. इसमें कहा गया कि लालू प्रसाद 2005 से 2009 तक मंत्री थे. लेकिन उनके खिलाफ जमीन लेकर नौकरी देने के मामले में 2021 में सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की. लालू प्रसाद की ओर से यह भी कहा गया कि इस मामले में ट्रायल के लिए सरकार की अनुमति जरूरी है. लेकिन बिना अनुमति के ही ट्रायल चल रहा है.

अंबा प्रसाद से जुड़े मामले में माइनिंग ऑफिस में ईडी का सर्वे

रांची: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व विधायक अंबा प्रसाद से जुड़े मामले में हजारीबाग के जिला खनन कार्यालय का सर्वे किया. साथ ही बालू खनन से संबंधित कुछ महतपवपूर्ण दस्तावेज जब्त किया. ईडी ने अंबा प्रसाद व पारिवारिक सदस्यों के खिलाफ दर्ज इसीआईआर की जांच के दौरान चार जुलाई को छापेमारी की थी. छापेमारी के दायरे में अंबा प्रसाद के कार्यालय, सीए, सहित बालू कारोबार से जुड़े लोगों को शामिल किया था.

अंबा प्रसाद व पारिवारिक सदस्यों के ठिकानों पर ईडी द्वारा की जानेवाली यह दूसरी छापेमारी थी. चार जुलाई को छापेमारी के दौरान बालू के अवैध कारोबार से संबंधित दस्तावेज जब्त किये गये थे. छापेमारी के दौरान जब्त बालू के अवैध खनन से संबंधित जब्त किये गये दस्तावेज के आलोक में आगे की जांच के लिए ईडी ने 18 जुलाई को जिला खनन कार्यालय में सर्वे किया. बालू के लीज और खनन से संबंधित दस्तावेज की जांच की और कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किये.

बांग्ला सावन की हुई शुरुआत, संक्रांति को लेकर देवघर बाबा धाम में उमड़े भक्त, बेलपत्र का प्रदर्शनी आयोजित

देवघर: संक्रांति की शुरुआत होने के बाद शुक्रवार को देवघर के बैद्यनाथ धाम मंदिर में भक्तों की भीड़ देखी गई. बांग्ला पंचांग के अनुसार गुरुवार को ही संक्रांति की शुरुआत हो चुकी है. संक्रांति की शुरुआत होते ही देवघर के बाबा धाम मंदिर में बेलपत्र का प्रदर्शनी आयोजित की गयी. इसके बाद से पंडा समाज का सावन महीना भी शुरू हो गया.

बैद्यनाथ धाम मंदिर के वरिष्ठ पांडा केदारनाथ झा बताते हैं कि पूर्णिमा के बाद 11 जुलाई से आम श्रद्धालुओं के लिए सावन की शुरुआत हुई. लेकिन पंडा समाज के लिए संक्रांति के बाद यानी 18 जुलाई से सावन की शुरुआत होती है. बता दें कि मंदिर में पंडा समाज को भगवान भोलेनाथ के सेवा करने की जिम्मेदारी दी गई है. ऐसे में पंडा समाज का सावन महीना बेहद खास होता है. 17 जुलाई से पंडा समाज के लिए सावन की शुरुआत हो गई है. ऐसे में जो अन्य क्षेत्रों में रहने वाले ब्राह्मण और पंडा समाज के लोग हैं उनके लिए भी आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण होता है और वह भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर आज जलाभिषेक भी करते हैं. इसीलिए शुक्रवार को देवघर के बाबा धाम मंदिर में भक्तों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली.

समस्तीपुर से आए कन्हैया ने कहा कि और रविवार और सोमवार की तुलना में भीड़ तो कम है. लेकिन बांग्ला पंचांग के अनुसार हुई संक्रांति के बाद शुक्रवार की भीड़ में आम दिनों की तुलना में इजाफा जरूर हुआ है. वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि शुक्रवार को बहुत लोग इसलिए भी पहुंचते हैं ताकि वह शनिवार, रविवार और सोमवार की भीड़ से बच सके. इसलिए भी शुक्रवार को आम दिनों की तुलना में भीड़ होने की संभावना बढ़ जाती है.

जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की देर शाम तक लगभग एक लाख तीस हजार श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर भगवान भोलेनाथ के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक किया है. शुक्रवार की शाम तक यह उम्मीद जताई जा रही है कि लगभग डेढ़ लाख लोग जलाभिषेक करेंगे. सुबह 4:30 बजे मंदिर का पट खोला गया और तभी से श्रद्धालु लगातार जलाभिषेक करने के लिए मंदिर प्रांगण में प्रवेश कर रहे हैं. वहीं सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए मंदिर में अतिरिक्त सुरक्षा बल लगाए गए हैं. कंट्रोल रूम में बैठे कर्मचारी और पदाधिकारी मंदिर के चप्पे चप्पे पर निगरानी बनाए हुए हैं.

शुक्रवार को भीड़ की संभावना को देखते हुए देवघर के एसडीओ रवि कुमार खुद सुबह से ही मंदिर प्रांगण के कार्यालय में बैठकर लोगों के आवागमन और आवाजाही पर नजर रख रहे हैं. मंदिर प्रबंधन के लोगों से समन्वय में बनाकर श्रद्धालुओं को हर सुविधा मुहैया कराने में लगे हुए हैं. बता दें कि कांवरिया पथ पर जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन निरीक्षण किए जाते हैं ताकि कांवरियों को किसी भी तरह की कोई परेशानियों का सामना न करना पड़े. विभिन्न चौक चौराहों पर जिला प्रशासन राज सरकार के आदेश से मजिस्ट्रेट की नियुक्ति भी की गई है ताकि श्रद्धालुओं को सही तरीके से जानकारी दी जा सके.

रांची में सरकारी स्कूल का भवन गिरा: अंदर सो रहे एक व्यक्ति की मौत, 4 घायल

उपायुक्त ने मुआवजा देने का दिया निर्देश

रांची: झारखंड के रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र स्थित पिस्का मोड़ के पास शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। टंगरा टोली में स्थित एक पुराने और लंबे समय से बंद पड़े स्कूल भवन की छत अचानक गिर गई, जिसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति की मलबे में दबकर मौत हो गई, जबकि तीन नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज देव कमल अस्पताल में चल रहा है। उपायुक्त ने मृतक के परिजन और घायलों को मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

बताया जा रहा है कि घटना के समय स्कूल भवन के पास कुछ लोग खड़े थे। जबकि कुछ लोग इमारत के अंदर मौजूद थे। तभी अचानक स्कूल की छत भरभराकर गिर पड़ी, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और तीन लोग घायल हो गए, मृतक की पहचान बुजुर्ग सुरेश बैठा के रूप में हुई है, जो बारिश के चलते अपने घर की बजाय स्कूल भवन में सो रहे थे। वहीं घायलों में प्रीतम तिर्की, रोहित लकड़ा और मनीष शामिल हैं।

जिला प्रशासन के अनुसार जिस स्कूल की छत गिरी है वह सरकारी स्कूल था, जो लंबे समय से बंद पड़ा था। भवन की हालत काफी जर्जर हो चुकी थी, जिस कारण सरकार ने स्कूल को 2018 में मर्जर नीति के तहत बंद कर दिया था और बच्चों को नजदीकी स्कूलों में शिफ्ट कर दिया गया था। तब से यह भवन खाली और जर्जर हालत में पड़ा था। हालांकि स्कूल के खाली भवन में कुछ लोग रात में सोते थे। इसी दौरान शुक्रवार सुबह यह हादसा हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने अंचल अधिकारी को निर्देश दिया है कि मृतक के परिवार और घायलों को सरकारी नियमों के तहत मुआवजा दिया जाए।

संक्षिप्त खबरें...

कजरी तीज का आयोजन साकची रामगढ़िया क्लब में 20 जुलाई को

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच सुरभि शाखा एवं लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर प्रीमियम के संयुक्त तत्वाधान में 20 जुलाई 2025 रविवार को राजस्थानी संस्कृति और भाषा को समर्पित कार्यक्रम कजरी तीज व सिंधारा का आयोजन होगा। कार्यक्रम में महिलाओं के लिये झूला लगाया जाएगा, मेहंदी, चूड़ी, चूरन और कैंडी के स्टॉल लगाए जाएंगे। राजस्थानी संस्कृति परिधान पहनी लगभग 500 महिला शामिल होंगी। लोकगीत, नृत्य, मेहंदी, झूले व पारंपरिक खेलों के साथ मनोरंजन का भरपूर संगम रहेगा। म्यूजिकल तम्बोला खेल, सावन क्वीन, देवरानी-जेठानी, ग्रुप डांस, हॉउसी समेत महिलाओं और बच्चों के लिये नृत्य प्रतियोगिता एवं अन्य कई छोटे छोटे खेलों का आयोजन होगा। सावन क्वीन को मिलेगा मोबाइल फ़ोन, और भी कई तरह के पुरस्कार बाटने की है योजना। प्रवेश पत्र से ही मिलेगा कार्यक्रम में प्रवेश। कार्यक्रम को सफल बनाने में ज्योति अग्रवाल, ममता मुनका, वर्षा चौधरी, मुस्कान अग्रवाल, श्रीजी गर्ग, मनीषा संघी, रेखा अग्रवाल, संजना अग्रवाल, निधि मोदी, कृतिका गोयल, सपना भाऊका, अंजू चेतानी, कविता अग्रवाल, निशा अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, नेहा चौधरी पायल अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, समेत कई सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान है।

हाथियों के झुंड के द्वारा ध्वस्त किए गए घर के लिए मुआवजे की मांग

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। सीकरी गांव में 16 जुलाई को हाथियों के झुंड ने काफी उत्पात मचाया था। जिसमें कई किसानों के फसलों को तो रौंद दिया बल्कि घरों को भी नहीं छोड़ा और उसे पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया। जिसे लेकर पीड़ित लोगों ने वन विभाग से मुआवजे की मांग की है। कंडबेरवा स्थित सिकरी निवासी मसोमात तारा देवी पति स्वर्गीय धनेश्वर महतो तथा तुलसी महतो के घरों को पूरी तरह से तोड़कर ध्वस्त कर दिया। साथ ही घर में रखे धान, मकई, मडुवा, चावल, गेहूं, गुड़ वगैरह सभी सामानों को खा गए। जिससे उक्त परिवार को रहने एवं खाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अंचलाधिकारी व वन विभाग से घर की मरम्मती एवं खाने-पीने की सामग्रियों की मांग की है। जिससे उसके परिवार का भरण पोषण एवं रहने की उचित व्यवस्था हो सके।

मौर्य पब्लिक स्कूल में ग्रीन डे पर कार्यक्रम का आयोजन

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। कांडतरी पंचायत स्थित अंग्रेजी माध्यम से संचालित मौर्य पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को नर्सरी से यूकेजी के बच्चों द्वारा ग्रीन डे का आयोजन बड़े ही उत्साह के साथ किया गया। इस विशेष दिन का उद्देश्य बच्चों को हरे रंग के महत्व प्रकृति से जुड़ाव और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। स्कूल परिसर को हरे रंग की सजावट से सजाया गया था। जिससे वातावरण में हरियाली और ताजगी महसूस हो रही थी। इस अवसर पर नर्सरी से यूकेजी के बच्चों ने स्क्रैपबुक में पत्तियों की पेस्टिंग की। बच्चों ने विभिन्न प्रकार की हरी पत्तियों को चिपकाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। वहीं अन्य बच्चों ने पौधा रोपण की गतिविधि में भाग लिया। उन्होंने छोटे-छोटे गमले में पौधे लगाए और पानी से सींचा।

पंदनवाटांड़ में नहीं पहुंची है बिजली, डीसी को दिया आवेदन

बड़कागांव(हज़ारीबाग): बड़कागांव प्रखंड के चेपाकला पंचायत अंतर्गत पण्दनवाटांड टोला में अब तक बिजली नहीं पहुंचने को लेकर चेपाकला पंसस सह बड़कागांव विधानसभा सांसद सह प्रतिनिधि कृष्णा राम ने हजारीबाग डीसी को आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया है।आवेदन में लिखा गया है,कि चारों तरफ जंगल पहाड़ों से घीरा जंगल में बसा 40 घरो आबादी के अनुसूचित जनजाति गंझू समाज के लोग रहते हैं ।जो आज तक बिजली की रोशनी को नहीं देख पाए हैं। यहां तक की मोबाइल चार्ज करने के लिए 5 किलोमीटर की दूरी पर जाकर चार्ज करवाते हैं ।कृष्ण राम ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई लिखाई एवं बिजली से मिलने वाला सुविधाएं से वंचित रहना पड़ता है।एक वर्ष पूर्व सिर्फ पोल गिरा हुआ है । ग्रामीण तार, मीटर,पोल, ट्रांसफार्मर लगने का राह देख रहे हैं। अंधेरा में कई बार हाथियो द्वारा फसल रौंद दिया गया, मिट्टी का घर तोड़ दिया । साथ ही बरसात के मौसम रात में सांप बिच्छू जहरीले कीड़े का भय हमेशा बना रहता है । वही ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में इसके पूर्व भी ग्रामीण, जनप्रतिनिधियों ने विभाग को आवेदन दिया गया था। परंतु किसी पदाधिकारी ने ध्यान नहीं दिए जाने से हमलोग निराश हैं।

जर्जर सड़क बनाने की मांग को लेकर उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शिलाडीह को जोड़ने वाली मुख्य जर्जर सड़क को बनाने की मांग दिनों दिन जोर पकड़ने लगी है। शुक्रवार को बरकट्ठा जिप सदस्य प्रतिनिधि सीके पांडेय, समाजसेवी सुनील कुमार पांडेय, पंसस प्रतिनिधि समीम अंसारी ने हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से मिलकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें शिलाडीह पंचायत को जोड़ने वाली मुख्य सड़क गोरहर थाना जीटी रोड़ से लेकर लेवडा गांव तक पथ बनाने की मांग किया गया है।समीम अंसारी ने बताया कि उपायुक्त ने मामले में संज्ञान लेते हुए तत्काल विभागीय जेई को जांच कर आगे की कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।मौके पर पूर्व पंसस लोकनाथ राणा, पंसस प्रतिनिधि राजकुमार गिरी,अजय कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

अलग-अलग स्थानों पर ठनका गिरने से दो लोग की हुई मौत

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर ठनका के गिरने से दो लोग की मौत हो गई।जबकि चार लोगों की स्थिति गंभीर है।शुक्रवार की शाम को हुई जोरदार बारिश के दरम्यान पेड़ नीचे खड़े ग्राम केन्दुआ महुआटांड बेडोकला निवासी प्रयाग यादव 50 वर्ष पिता चमन यादव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि मृतक की पत्नी डोमनी देवी 45 वर्ष पति प्रयाग यादव, सुंदरी देवी 40 वर्ष पति बैजनाथ महतो, उमा देवी 28 वर्ष पति नारायण महतो गंभीर रूप से घायल हो गईं।सभी लोग अपने-अपने खेतों में मकई लगाकर घर वापस लौट रहे थे। इसी बीच अचानक मूसलाधार बारिश होने पर सभी लोग पेड़ के नीचे बचने के लिए खड़े हो गये। दूसरी घटना में ग्राम चेचकप्पी निवासी पूर्व चौकीदार इसाक अंसारी की पत्नी जसीमा खातून 62 वर्ष की मौत हो गई।जबकि बेबी खातून 41 वर्ष पति कासिम अंसारी झुलसकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा में किया गया।मामले की सूचना मिलने पर उपप्रमुख प्रतिनिधि उत्तीम महतो, मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव ने मृतक के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया।घटना के बाद दोनों गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

एनजीटी रोक के बावजूद चलकुशा एवं गोरहर थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन व परिवहन जारी

हर रात करीब दो दर्जन से अधिक टीपर और सैकड़ों बालू लदे ट्रेक्टर एनएच दो जीटी रोड़ को पार कर निकलते हैं अपने गंतव्य की ओर

बरकट्ठा(हज़ारीबाग): राज्य में एनजीटी रोक के बावजूद हज़ारीबाग जिले के चलकुशा एवं गोरहर थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन व परिवहन का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। एनजीटी के रोक के बाद भी हर रात करीब दो दर्जन से अधिक टीपर और सैकड़ों ट्रेक्टर बालू से लदे एनएच दो जीटी रोड़ को पार कर अपने गंतव्य की ओर निकलते हैं। जिनका संचालन दो-तीन संगठित नेटवर्क द्वारा किया जा रहा है।यह पूरा कारोबार रात के अंधेरे में बेखौफ तरीके से चलता है। जो रात दस बजे से शुरू होकर सुबह 5-6 बजे तक निरंतर जारी रहता है। जिसपर विभागीय और प्रशासनिक अधिकारी की चुप्पी और निष्क्रियता को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

क्या यह चुप्पी अनभिज्ञता की है

या कहीं मिलीभगत का है संकेत

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस अवैध धंधे से न केवल ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ी हैं, बल्कि सरकार को भी लाखों रुपये राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा है।एक पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कभी कभार उच्च अधिकारियों को दिखाने के लिए ट्रैक्टर तो पकड़ लिए जाते हैं। लेकिन बड़े वाहनों को कोई रोक टोक नहीं करता है. गरीबों को बालू अब काफी महंगे दामों में खरीदना पड़ रहा है।मनमानी वसूली ने आम लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चलकुशा प्रखंड क्षेत्र स्थित बराकर नदी घाट से रात दिन हो रही बालू खनन की जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों को होने के बाद भी अवैध बालू से लदे वाहन बेरोकटोक चल रहा है. सभी गाडियां भौगोलिक दृष्टिकोण से सुरक्षित कहे जाने वाले गोरहर थाना क्षेत्र के बंडासिंघा मोड़ जीटी रोड़ को पार करते हुए खैरा-इचाक होकर हजारीबाग की ओर जाना लोगों के बीच असंतोष और शंका का कारण बना हुआ है।स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब आम राहगीरों से पूछताछ होती है। तो ये भारी वाहन कैसे आसानी से गुजर जाते हैं ? क्या यह विभागीय लापरवाही है, या फिर पूरे सिस्टम की मिलीभगत ?

क्या कहते हैं कारोबारी:-

बालू तस्करी के कार्य में शामिल एक कारोबारी ने अपनी पहचान उजागर नहीं होने के शर्त पर बताया कि एनजीटी की रोक के बाद प्रति टीपर गाड़ी पुलिस प्रशासन को छह हजार से बढ़ाकर अब आठ हजार रुपये तथा प्रति ट्रेक्टर दो हजार रुपये से बढ़ाकर तीन हजार रुपये महीने का देना पड़ रहा है. साथ ही रात्रि गश्ती दल के द्वारा प्रति गाड़ी दो सौ रुपए और कारोबार को चलाने में शामिल नेटवर्क टीम को अलग से खर्च देना पड़ता है।जब यह कारोबार इतने बड़े पैमाने पर फल फूल रहा है, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि संबंधित विभाग और निगरानी एजेंसियों की आंखें इस पर कैसे बंद हैं।कहीं यह चुप्पी मौन स्वीकृति तो नहीं है।

क्या कहते हैं अधिकारी:-

इस संबंध में पूछे जाने पर बरकट्ठा सीओ श्रवण कुमार झा ने कहा अवैध बालू खनन व परिवहन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कारोबारियों के विरुद्ध अब ठोस कार्रवाई कर इसमें शामिल लोगों के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम व अन्य धाराओं के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं गोरहर थाना प्रभारी सोनू कुमार से पूछे जाने पर बताया कि मेरे थाना क्षेत्र से अवैध बालू लदे वाहन गुजरते हैं इसकी मुझे कोई सूचना नहीं है।इस बात की मैं छानबीन कर कार्रवाई करूंगा।

उपायुक्त ने सम्प्रेक्षण गृह, हजारीबाग का किया निरीक्षण, बच्चों से की बातचीत,अन्य सुविधाओं की ली जानकारी

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शुक्रवार को सम्प्रेक्षण गृह, हजारीबाग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सम्पूर्ण परिसर का विस्तारपूर्वक अवलोकन किया और विभिन्न व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की।निरीक्षण की शुरुआत मुख्य द्वार से की गई, जहां आगंतुकों के आगमन-प्रस्थान पंजी की जांच की गई। साथ ही, परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का अवलोकन कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई।उपायुक्त ने अध्ययनरत बच्चों की कक्षा में जाकर उनसे सीधा संवाद किया और पढ़ाई से संबंधित प्रश्न पूछे। उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति एवं उपलब्धता की जानकारी ली।गौरतलब है कि सम्प्रेक्षण गृह में स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध है और बच्चे आधुनिक तकनीक के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।बच्चों से बातचीत के क्रम में उपायुक्त ने उनकी खेलकूद, योगा एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में रुचि की जानकारी ली। इसके अलावा, उन्होंने रसोईघर का निरीक्षण कर बच्चों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण किया।छात्रावास कक्षों का भी निरीक्षण कर उपायुक्त ने साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान पेयजल की उपलब्धता एवं छतों की मरम्मती जैसे बिंदुओं पर भी उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई कर समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिए।मौके पर मौजूद सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी श्रीमति निवेदिता राय ने उपायुक्त को बताया कि आवासित बच्चों के स्वास्थ्य जांच तथा नेत्र जांच के लिए आज शिविर भी लगाया गया है।

साकची बाजार शिव मंदिर कमिटी की कांवड यात्रा 3 अगस्त को निकलेगी

श्री श्याम परिवार की महिलाएं 26 जुलाई को मनाएगी सिंधारा उत्सव

जमशेदपुर। साकची बाजार श्री श्री शिव मंदिर कमिटी एवं श्री श्याम परिवार साकची द्धारा सावन माह में आगामी 26 जुलाई शनिवार को सिंधारा उत्सव और 03 अगस्त रविवार को विशाल कांवड यात्रा निकाली जायेगी। सुबह 06 बजे स्वर्णरेखा नदी मानगो से साकची शिव मंदिर तक निकलने वाली भव्य कांवड यात्रा में 800 से अधिक कांवरियां शामिल होगें, जो भोले बाबा का जलाभिषेक करेंगें। सिंधारा उत्सव में भोले बाबा के साथ ही बाबा श्याम का भी भव्य दरबार सजेगा। श्री श्याम परिवार साकची की महिलाओं द्धारा रंग-बिरंगी परिधानों में शामिल होकर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इस दोनो कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मंदिर कमिटी की एक बैठक मंदिर परिसर में उमेश शाह की अध्यक्षता में संपन्न हुई।
अध्यक्ष गिरधारी लाल खेमका ने बताया कि पहले आओ-पहले पाओं की तर्ज पर कांवड यात्रा हेतु कूपन का वितरण रविवार से शुरू हो जायेगा। इस अवसर पर बैड-बाजा, शिव झांकी और भूत-प्रेत भी शामिल रहेंगें। मंदिर कमिटी का विस्तर:- बैठक में अध्यक्ष गिरधारी लाल खेमका ने मंदिर कमिटी का विस्तर करते हुए कमलेश कुमार चौधरी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मोहित शाह को महामंत्री और आशीष खन्ना को कोषाध्यक्ष बनाया हैं। मार्गदर्शक सलाहकार समिति में नरेश अग्रवाल और उमेश शाह शामिल हैं। साथ ही नौ लोगों को संरक्षक बनाया गया हैं। इसी प्रकार आठ उपाध्यक्ष क्रमशः मनोज कुमार अग्रवाल, प्रमोद खन्ना, शंकर लाल अग्रवाल, नरेश कुमार सिंघानिया, छेदी लाल अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण बंसल, पवन खेमका, मनोज अग्रवाल पप्पू, तथा छह मंत्री क्रमशः अंकित अग्रवाल, अमन नरेड़ी, टोनी अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, योगेश मोदी, बंटी अग्रवाल बनाया गया है। बैठक में प्रमुख रूप से सुरेश अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, बजरंग लाल अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, बबलू अग्रवाल मिनी, मोहित शाह, अमर डंगबाजिया, सीताराम देबूका, तुषार जिंदल, अमन नरेड़ी, कमल चौधरी, शिवम चेतानी, प्रमोद खन्ना, नरेश सिंघानिया सहित श्री श्याम परिवार की महिलाएं आदि उपस्थित थी।

उपायुक्त के निर्देश पर विभिन्न प्रखंडों में पीवीटीजी परिवारों का लिया जा रहा जायजा

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न प्रखंडों में विशेष पिछड़ी जनजातियों (पीवीटीजी) के बीच उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और आवश्यक सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया जा रहा है। इसी क्रम में डाडी प्रखंड के बलसगरा पंचायत अंतर्गत झूमरी महुवा टोला, बड़कागांव के सतबहिया, चलकुशा के बनगांवा, जसमती बिरहोर टोला, एवं सीझुवा, तिरला में बिरहोर परिवारों की स्थिति की जानकारी के लिए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान बिरहोर समुदाय की समस्याओं और उनकी आवश्यकताओं की समीक्षा की गई। इस दौरान बलसागरा में आपूर्ति विभाग द्वारा बिरहोर परिवारों को राशन का वितरण किया गया। साथ ही कृषि विभाग (आत्मा) की ओर से उड़द एवं अरहर के बीज भी वितरित किए गए।प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी ने लंबित आवास योजनाओं को शीघ्र पूरा करने, बिजली आपूर्ति में सुधार तथा आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि"विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवनस्तर में सुधार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन परिवारों तक सरकार की सभी योजनाओं का त्वरित लाभ पहुँचाना जिला प्रशासन का लक्ष्य है। इसके लिए सभी प्रखंडों में संबंधित पदाधिकारियों को नियमित निरीक्षण और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

युवा विस्थापित संघर्ष समिति एवं जिला प्रशासन के बीच वार्ता विफल

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव 13 माइल के पास पकरी बरवाडीह कोल परियोजना एनटीपीसी कट अप डेट 2016 के खिलाफ युवा विस्थापित संघर्ष समिति के द्वारा विगत 40 दिनों से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। गुरुवार को लोगों ने 8 घंटे तक कोयला हाईवा ट्रांसपोर्टिंग और एनटीपीसी अधिकारियों के वाहनों को रोक कर विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को एसडीओ बैद्यनाथ कामति, डीएलओ निर्भय कुमार , बड़कागांव बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल एवं सीओ मनोज कुमार एनटीपीसी के अधिकारी के साथ बड़कागांव अंचल कार्यालय मैं युवा विस्थापित संघर्ष समिति के ग्रामीणों के साथ वार्ता हुई , यहां बात नहीं बनने के पश्चात जिला प्रशासन की टीम 13 माइल स्थित अनिश्चितकालीन धरना स्थल पर आंदोलनकारी के साथ पुनः वार्ता हुई और यहां भी बात नहीं बनी। और संघर्ष मोर्चा के लोग अपनी मांगों को लेकर अपनी जीद में अड़े रहे। जिसके कारण वार्ता विफल हो गई। हालांकि एसडीओ ने जिला स्तरीय त्रिपक्षीय वार्ता के लिए 15 दिनों की मोहलत मांगी गई थी, जिसे संघर्ष समिति ने नकार दिया दिया। इसके अलावा संघर्ष समिति ने दूसरा उपाय भी सुझाया परंतु जिला प्रशासन ने स्वीकार नहीं किया। बताते चलें कि एनटीपीसी की 2016 कट अप डेट के खिलाफ युवा विस्थापित संघर्ष समिति के द्वारा 40 दिनों से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। और अपनी मांगों पर डटे हुए हैं युवाओं का कहना है कि हम लोगों को जिस दिन से घर छोड़कर विस्थापित होंगे उसी दिन से कट अप डेट मान्य होना चाहिए। ताकि सभी 18 वर्ष से ऊपर सभी युवा को विस्थापन का लाभ मिलना चाहिए।

शराब तस्करी की एक बड़ी कोशिश नाकाम, कारों से भारी मात्रा में अवैध शराब और बीयर जब्त

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिला अंतर्गत चौपारण में शराब तस्करी की एक बड़ी कोशिश को चोरदाहा चेकपोस्ट पर शुक्रवार को उत्पाद विभाग एवं पुलिस के संयुक्त कार्रवाई ने नाकाम कर दिया है।सहायक आयुक्त उत्पाद को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में दो महंगी कारों से भारी मात्रा में अवैध शराब और बीयर जब्त हुआ है।छापामारी दल ने मौके से एक चालक को धर दबोचा है.दूसरा चकमा देकर भागने में सफल हो गया.गिफ्तार चालक ने अपना नाम निर्भय कुमार सिंह पिता राधे सिंह टोनाटांड़ इटखोरी चतरा बताया है.तलासी के दौरान दोनों गाड़ियां से करीबन दो लाख का विदेशी शराब एवं 20 पेटी बियर मिला है।गुप्त सूचना पर हुई करवाई।उत्पाद अवर निरीक्षक सुमितेश कुमार ने बताया यह करवाई गुप्ता सूचना पर हुआ है.सूचना था कार संख्या जेएच 14 ई 4545 एवं जेएच02 बिभी 1884 वाहनों में अवैध शराब लादकर चौपारण के रास्ते बिहार में शराब तस्करी के लिए जा रहे है. चोरदाहा चेकपोस्ट पर पुलिस बल के सहयोग से नाकेबंदी कर दी गई.इसी दौरान, झारखंड नंबर की आगे पीछे आ रहे उक्त दोनों गाड़ियां एक हुंडई क्रेटा और एक टाटा पंच को रुकने का इशारा किया गया।पुलिस को देख एक चालक अपनी गाड़ी मौके पर ही छोड़कर जंगल की ओर भाग निकला।दूसरे चालक को पुलिस के जवानों ने पीछा कर दबोच लिया।गिरफ्तार चालक को जेल भेज दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा के द्वारा बरसाती बीमारियो से बचाव को लेकर लोगों को दी गई जानकारी

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा साव टोला बरकट्ठा में बरसाती बीमारियो से बचाव को लेकर अभियान चलाया गया।स्वास्थ्य कर्मियों एवं सहिया दीदी के द्वारा बरसात के मौसम में होने वाले मौसमी बीमारी मलेरिया, फाइलेरिया, डायरिया, डेंगू इत्यादि रोगों से बचाव संबंधित जानकारी दी गई। अभियान मुखिया प्रमिला देवी की उपस्थिति में चलाया गया। लोगों को बताया गया कि किस तरह इन रोगों से सावधानी बरत कर बचा जा सकता है। इसको लेकर स्वास्थ्य कर्मियों एवं मुखिया के द्वारा घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया. साथ ही जिन लोगों के घर में पानी जमा करके रखा गया था सभी को तत्काल हटवाया एवं उनसे निवेदन किया गया कि अपने घर के आसपास या घर के अंदर पानी को जमा करके न रखें। क्योंकि इस पानी में डेंगू एवं मलेरिया के मच्छर पनपते हैं और बीमारी फैलती है।जागरूकता अभियान में एमपीडब्ल्यू किशन राम, बीटीटी प्रकाश पंडित, सहिया साथी सुनीता देवी, सहिया दीदी सायरा खातून, पार्वती देवी, सोनाली देवी, रेणु देवी, खुशबू देवी, मंजू देवी, शिवानी देवी समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–महिमा होरो,
उम्र करीब–14 वर्ष,
रंग–गोरा,
ऊँचाई–04 फीट 08 ईंच,
पहनावा–काला–सफेद रंग का हाफ फॉक पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता लड़की महिमा होरो, पिता–आशिश होरो, ग्राम–शांति नगर गढा टोली, थाना–सदर, जिला–राँची जो दिनांक–26.06.2025 को अपने घर बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में सदर थाना काण्ड संख्या–313/2025, दिनांक–28.06.2025, धारा–137(2)/140(3) बी0एन0एस0 दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता लड़की कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, सदर, रॉची। –9431102090
थाना प्रभारी सदर, रॉची। –9431706160

पुलिस उप–महानिरीक्षक–सह–
वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 357648 (Police)25-26*D

झारखण्ड सरकार
कारा एवं सुधारात्मक सेवाएँ निरीक्षणालय
गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग

ई०–निविदा सूचना

1.	कार्यालय का नाम	कारा एवं सुधारात्मक सेवाएँ निरीक्षणालय, झारखण्ड, राँची।
2.	विषय	झारखण्ड राज्य के विभिन्न काराओं में अधिष्ठापित निर्माणषाला (प्रिंटिंग प्रेस, स्टील/काष्ठ/ फर्निचर/ आलमीरा, कपड़ा, कम्बल, जूट मैट, PPE Kit, साबुन/ फिनाईल, अल्यूमिनियम बर्तन, मच्छरदानी, सिल्क कपड़ा निर्माण आदि) के संचालन हेतु कच्चे सामग्रियों के क्रय के निमित्त ई०निविदा का आमंत्रण।
3.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable)	`10,000.00 (दस हजार) मात्र।
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के प्रकाशन की तिथि एवं समय	29.07.2025 (मंगलवार) को पूर्वाह्न 11:00 बजे से।
5.	Pre-bid की तिथि, समय एवं स्थान	04.08.2025 (सोमवार) को पूर्वाह्न 11:30 बजे, अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में।
6.	निविदा online upload आरम्भ करने की तिथि	07.08.2025 (गुरूवार) के पूर्वाह्न 11:00 बजे से।
7.	निविदा online upload करने की अंतिम तिथि	16.08.2025 (षनिवार) को अपराह्न 05:00 बजे तक।
8.	निविदा के खुलने की तिथि/ समय/स्थान	20.08.2025 (बुधवार) को अपराह्न 11:30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में।

नोट:–
1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट https://jharkhand tenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु कारा एवं सुधारात्मक सेवाएँ निरीक्षणालय, नगर प्रशासन भवन, एच०ई०सी० कैम्पस, धुर्वा, राँची में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

(सुदर्शन प्रसाद मंडल)
महानिरीक्षक,
कारा एवं सुधारात्मक सेवाएँ,झारखण्ड

PR 357681 Prison(25-26).D

संक्षिप्त खबरें

रिम्स परिसर में हुआ मॉक ड्रिल का आयोजन

संवाददाता रांची: रिम्स परिसर में अग्निशमन का मॉक ड्रिल एवं प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में अग्निशमन यत्रों का संचालन का Demonstration किया गया तथा आग लगने पर Assembly Point में तुरंत ही इकट्ठा होने के बारे में भी बताया गया। अग्निशमालय विभाग से अग्निशमन स्टेशन पदाधिकारी रबीन्द्र ठाकुर एवं उनके साथ सब ऑफिसर जीतराम उरांव, फायर मैन-सुनेश्वर उरांव एवं लखन मार्डी उपस्थित रहे। उनके द्वारा अग्निशमन यंत्रों, आग के प्रकार तथा अग्निरोधक यंत्रों के प्रयोग के बारे में बताया गया। इस दौरान अग्निशमन पदाधिकारी द्वारा अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर FIRE AUDIT भी किया गया। इस अग्निशमन मॉक ड्रिल में अपर चिकित्सा अधीक्षक, रिम्स के चिकित्सक/चिकित्सा पदाधिकारी, छात्र-छात्रायें (SR, PG, MBBS, PG-MHA etc.), मातृका, प्रभारी परिचारिका, परिचारिकाओं, पारामेडिकल्स, सुरक्षा पदाधिकारी एवं जवान (पुलिस, सैप एवं गृह रक्षक), कक्ष-सेवक, सफाई कर्मी, आउटसोर्स कर्मी तथा अस्पताल में आये मरीज एवं उनके परिजन सहित लगभग 400 व्यक्ति उपस्थित रहे। यह मॉक ड्रिल एवं प्रशिक्षण हर तीमाही कराया जाता है तथा पूर्व में दिनांक- 03.05.2025 को किया गया था।

संथाल में आजसू के संगठन विस्तार को गति देने हेतु जिला प्रभारी नियुक्त

संवाददाता रांची: आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो के निर्देश पर पार्टी के प्रधान महासचिव एवं पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने संगठन विस्तार अभियान को गति देने हेतु विभिन्न नियुक्तियों की घोषणा की है। संथाल परगना प्रमंडल के छात्र–युवा आजसू प्रभारी के रूप में केंद्रीय महासचिव अजय कुमार की प्रभारी तथा दिलीप किस्कू को सहप्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा दुमका में अरुण महतो एवं विक्रम सिंह को, साहिबगंज में आलोक जॉय पाल एवं मनोज मरांडी, गोड्डा में सचिन कुशवाहा एवं ध्रुव साह, देवघर में संजीव महतो एवं देवेंद्र महतो, जामताड़ा में मनोज सिंह मेलर एवं विनोद प्रसाद और पाकुड़ में चतुरानन पांडे एवं केदार महतो को जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस ने सभी नवनियुक्त प्रभारियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि उनके नेतृत्व में पार्टी के संगठन को संथाल परगना में नई दिशा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने जिला प्रभारियों को निर्देश दिया कि जिलों में बैठक कर शीघ्र प्रखंड प्रभारियों की नियुक्ति करें और ग्राम स्तर तथा संगठन विस्तार अभियान को गति प्रदान करें। रांची महानगर अनुसूचित जनजाति प्रभारी निर्मल उरांव को बनाया गया है, जबकि महादेव टोप्पो और सुरेन्द्र लिंडा को पार्टी की रांची महानगर संयोजक मंडली का सदस्य बनाया गया है। इनलोगों को रांची महानगर में आदिवासी जनता के बीच पार्टी के संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया गया है।

डीपीएस रांची में कक्षा 12वीं के मेधावी छात्र सम्मानित

संवाददाता रांची: दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची के विवेकानंद ऑडिटोरियम में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (एसएससीई) 2025 में विज्ञान संकाय के छात्रों द्वारा प्राप्त शानदार प्रदर्शन के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मनीष रंजन (आईएएस), डायरेक्टर जनरल, कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, रांची, और विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री प्रभात कुमार (आईपीएस), आई.जी., स्पेशल ब्रांच, झारखंड उपस्थित रहे। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह में प्रेरणा का संचार किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मधुर स्वागत गीत से हुई, जिसने पूरे सभागार को भावनाओं और ऊर्जा से भर दिया। इसके पश्चात माननीय प्राचार्या डॉ. जया चौहान द्वारा अतिथियों को सैंपलिंग और स्मृति चिन्ह से सम्मानित कर औपचारिक स्वागत किया गया। इसके बाद अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और छात्रों द्वारा स्वागत नृत्य की प्रस्तुति हुई।

अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ ने संलेख पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

संवाददाता रांची: झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ की राज्य कमिटी ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन झारखंड सरकार को महासंघ द्वारा समर्पित 21 सूत्री मांगो से संबंधित संलेख पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए उन्हें कोटि कोटि आभार महासंघ व्यक्त करता है। महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह का स्पष्ट मानना है कि वर्तमान माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन झारखंड सरकार ही राज्यकर्मियों, संविदा कर्मियों, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों, कंप्यूटर ऑपरेटर, आउट सोर्सिंग कर्मियों के सच्चे हितैषी हैं, मुख्यमंत्री महोदय के द्वारा ही जल्द से जल्द सभी लंबित मांगे को पूरा किया जाएगा ऐसा महासंघ को विश्वास है।

पूर्व विधायक कामरेड ओमी लाल आजाद का निधन

संवाददाता रांची : गिरिडीह के भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व विधायक साथी ओमी लाल आजाद जो लंबे समय तक गिरिडीह में मजदूरों का नेतृत्व करते हुए कोयला कामगार यूनियन के केंद्रीय सचिव, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रखंड सचिव एवं गिरिडीह जिला के भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव लंबे समय तक रहे है। कॉम आजाद बहुत ही योग्य कर्मठ एवं इमानदार नेता के रूप में लंबे समय तक जनता के सेवा एवं संघर्ष में बिताए।

रांची के 16 थाना प्रभारियों का तबादला

एसएसपी ने 34 इंस्पेक्टर व एसआई का किया तबादला

रांची: राजधानी में पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) चंदन कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को 16 थाना प्रभारियों समेत कुल 34 पुलिस अधिकारियों का तबादला किया है, इसमें इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर और ओपी प्रभारी शामिल हैं. इससे संबंधित आदेश एसएसपी कार्यालय से जारी कर दिया गया है.

जिन थाना के प्रभारियों के तबादला किए गए हैं, उसमें लोअर बाजार, अरगोड़ा, डेली मार्केट, सुखदेवनगर, ट्रैफिक थाना गोंदा, पुंदाग ओपी, सोनाहातू, ठाकुरगांव, लापुंग, दलादली टीओपी, तमाड़, खेलगांव, मुरी ओपी, सिकदरी, विधानसभा और नगड़ी थाना शामिल है.

अन्य प्रमुख स्थानांतरण

मनोज कुमार : सीसीआर प्रभारी
जयप्रकाश राणा : सर्किल इंस्पेक्टर, सदर पश्चिमी अंचल
सतीश गोराई : सर्किल इंस्पेक्टर, सोनाहातू अंचल
दयानंद कुमार, आलोक सिंह, तुलेश्वर कुशवाहा, महेश्वर रंजन : साइबर थाना
रविंद नाथ सिंह, कृष्ण तिवारी, दीपक सिन्हा, कुंदन कुमार, चंद्रशेखर कुमार, रोशन कुमार, विकास सिंह, संतोष यादव, विनीत कुमार, चंदन कुमार : पुलिस लाइन
विश्वजीत सिंह : प्रभारी, डीसीबी शाखा

तबादला किए गए थाना प्रभारी

रणविजय शर्मा : लोअर बाजार थाना प्रभारी
ब्रह्मदेव प्रसाद : अरगोड़ा थाना प्रभारी
रवि कुमार सिंह : डेली मार्केट थाना प्रभारी
कृष्ण कुमार साहू : सुखदेवनगर थाना प्रभारी
रेनू गुप्ता : ट्रैफिक थाना गोंदा प्रभारी
अभिषेक राय : खेलगांव थाना प्रभारी
अभिषेक कुमार 2 : लापुंग थाना प्रभारी
प्रवीण कुमार 2 : नगड़ी थाना प्रभारी
प्रवीण मोदी : तमाड़ थाना प्रभारी
सिद्धांत : ठाकुरगांव थाना प्रभारी
गणेश यादव : विधानसभा थाना प्रभारी
प्रेम प्रदीप कुमार : सोनाहातू थाना प्रभारी
सचिन मिश्रा : सिकदरी थाना प्रभारी
गगन ठाकुर : मुरी ओपी प्रभारी
दीपक नारायण सिंह : पुंदाग ओपी प्रभारी
सुजीत उरांव : दलादली टीओपी प्रभारी

लोजपा रामविलास के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान ने शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली

संवाददाता रांची : लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान ने आज दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल जाकर पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली। प्रधान ने कहा कि दिशोम गुरु का स्वास्थ्य अभी स्थिर है। शिबू सोरेन झारखंड की आत्मा हैं। उन्होंने पूरे जीवनकाल में आदिवासी, वंचित और आम जनमानस के अधिकारों के लिए संघर्ष किया है। आज भी वे झारखंड की राजनीति और सामाजिक चेतना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। प्रधान ने कहा कि वह ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि शिबू सोरेन जी शीघ्र स्वस्थ हों और पुनः झारखंड की जनता का मार्गदर्शन करें। उनका प्यार और स्नेह हमलोगों को मिलता रहे। इस समय राज्य को उनके अनुभवी सोच और नेतृत्व की आवश्यकता है। प्रधान के साथ सर गंगाराम अस्पताल नई दिल्ली जाने वालों में धीरज कुमार सहित पार्टी के कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे।

ऐसी व्यवस्था बनाएं कि ग्रामीणों को जिला में नहीं लगानी पड़े दौड : मंत्री

रांची: ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका सिंह पाण्डेय ने शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन में ग्रामीण, पंचायती राज विभाग की कार्य योजनाओं की प्रगति और कार्यान्वयन की समीक्षा की। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास की बुनियाद पंचायत स्तर पर मजबूत होनी चाहिए। इसे मजबूत बनाने की जरूरत है। इसी उद्देश्य से उन्होंने पंचायत सचिवालयों को और अधिक क्रियाशील और जवाबदेह बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। मंत्री ने अधिकारियों से इसका पालन करने का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि ऐसी व्यवस्था बनाएं कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही जाए और उन्हें जिला मुख्यालय की दौड़ नहीं लगानी पड़े। बैठक के दौरान मंत्री ने विभाग की ओर से चलाए जा रही विभिन्न योजनाओं की प्रगति, क्रियान्वयन की गति, पारदर्शिता और गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी योजनाएं लक्षित वर्गों तक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचे। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार की मंशा है कि पंचायती व्यवस्था को मजबूत कर गांव की सरकार को धरातल पर उतारा जाए और इसमें हर नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित हो।

बैठक में राज्यभर में संचालित योजनाओं की स्थिति, रिव्यू रिपोर्ट और आगामी कार्ययोजनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। मंत्री ने अधिकारियों से निरंतर फील्ड विजिट करने और समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करने की बात कही। बैठक में विभागीय सचिव मनोज कुमार और निदेशक बी राजेश्वरी सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने किया प्रखंड सह अंचल कार्यालय रातू का औचक निरीक्षण

कहा- ऐसे अधिकारी जो नहीं करते काम, न आएं कार्यालय

रांची: उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने शुक्रवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय, रातू का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में सभी पदाधिकारियों और कर्मियों की उपस्थिति की जांच की। उपायुक्त ने प्रखंड और अंचल का लॉग बुक, आगत निर्गत पंजी, सेवा पुस्तिका, रोकड़ पंजी, संचिका, जनशिकायत, पेंशन और अन्य की जांच की। उपायुक्त ने कार्यालय परिसर का भ्रमण करते हुए साफ-सफाई को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी करने को कहा।

बिचौलियों पर सख्ती के निर्देश: उपायुक्त ने कहा कि प्रखंड और अंचल कार्यालयों में बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पदाधिकारियों और कर्मियों को निर्देश दिया कि ऐसे अधिकारी और कर्मचारी जो काम नहीं करते वे कार्यालय नहीं आएं। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की बिचौलिया गतिविधि पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान कार्यालय में मौजूद लोगों से उपायुक्त ने व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और उनकी समस्याओं व कार्यों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उनकी ओर से संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान करने का निर्देश भी दिया गया।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुंच पर विशेष बल: उपायुक्त ने कहा कि सभी पात्र व्यक्तियों को वृद्धा, विधवा, दिव्यांग पेंशन सहित सभी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ हर हाल में मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रखंड में यदि कोई पात्र व्यक्ति योजना से वंचित हो तो ऐसे मामलों की पहचान कर शीघ्र निवारण करें। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में पंचायतों में रात्रि चौपाल का भी आयोजन किया जायेगा, अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोई पात्र व्यक्ति पेंशन योजना से वंचित न रहे।

बेहतर व्यवस्था के लिए दिया निर्देश: उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रातू का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों, दवा वितरण केंद्र और आपातकालीन सेवाओं की बारीकी से समीक्षा की।

उपायुक्त ने दवा वितरण केंद्र में उपलब्ध दवाओं की जानकारी ली और दवाओं की समय पर आपूर्ति एवं वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने विभिन्न वार्डों में मरीजों की सुविधाओं, साफ-सफाई, बिजली-पानी की व्यवस्था तथा स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति की भी जांच की।

मंत्री दीपिका पांडे से मिला जिला परिषद सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल

मंत्री ने संज्ञान में लेते हुए समस्या का समाधान के आदेश दिए

संवाददाता रांची: रांची जिला परिषद सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल आज दिनांक 18 जुलाई 2025 ग्रामीण विकास सह पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडे से मिल कर एक मांग पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में जिला परिषद सदस्य आदिल अज़ीम, परमेश्वर भगत, सरस्वती देवी, रीता होरो है। ग्रामीण विकास कार्य से संबंधित योजनाओ को सभी ने अपने-अपने क्षेत्र से चयनित कर मंत्री के समझ रखा। जिस पर मंत्री ने तुरंत कार्रवाई करते हुए योजना को धरातल पर उतरने का आदेश दिया और जो रुकावट आ रही थी उसे दूर किया। पत्र में लिखा है कि राज्य निर्माण के 24 वर्षों में भी झारखण्ड राज्य के ग्रामीणों क्षेत्रों के विकास की अहम कड़ी पंचायती राज संस्थाओं को आज तक अधिकार प्रदत्त नहीं की गई है। राज्य गठन के पश्चात् 2001 में पंचायतों को अधिकार देने हेतु नियमावली बनायी गई थी जिसके तहत् 11वीं अनुसूची में सुची बद्ध 29 विषयों का अधिकार पंचायतों को देने की बात कही गई थी। वर्ष 2011 में राज्य में प्रथम पंचायत चुनाव विभाग के पश्चात् 2012 से 2014 तक शिक्षा विभाग, वन, स्वास्थ्य, खनन, कृषि, समाज कल्याण, जल संसाधन सहित अन्य विभागों में अधिकार देने हेतु सकल्प भी जारी कर दिया था। जिसमें कई विभागों के द्वारा वित्तीय अधिकार भी जारी कर दिया था जिसमें कई विभागों के वित्तीय अधिकार भी प्रदत्त भी की गई थी पर आज तक संकल्प मात्र ही रह गया, इसे अभी तक लागू नहीं किया गया। राज्य में तीन पंचायत चुनाव के बाद आज भी चुने हुए जन प्रतिनिधियों को सुविधा एवं अधिकार से वंचित है। इस गंभीर विषय पर सरकार के उदासीनता के कारण चुने हुए जनप्रतिनिधी जनता के आशाओं एवं उम्मीदों पर खरा उतरने में सक्षम नहीं हो पा रहे है। उपर्युक्त तथ्यों एवं राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के संपूर्ण विकास हेतु पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त एवं मजबूत बनाने के प्रति प्रतिबद्ध सरकार के माननीय मंत्री महोदय से आग्रह है कि 11वीं अनुसूची में सुची बद्ध 29 विभागों का अधिकार पंचायती राज संस्थाओं को प्रदत्त करने एवं जिला परिषद सदस्यों सहित सभी पंचायत, पंचायत प्रतिनिधियों को सम्मानजनक मानदेय एवं भत्ता प्रदान करने हेतु शीघ्र उचित कार्रवाई करने की कृपा की जाय। मंत्री ने कहा कि इस विषय पर अध्ययन करके जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

झमाझम बारिश के बीच पानी से भरे खेत में धान रोपनी के लिए उतरी कृषि मंत्री

संवाददाता रांची: झारखंड में ये वक्त धान रोपनी का है। हर तरफ पानी से भरे खेत में महिला - पुरुष की टोली धान रोपनी करते दिख जाएगी। राज्य भर में लगातार हो रही झमाझम बारिश के बीच राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी चान्हो प्रखंड के रघुनाथपुर गांव में महिलाओं के साथ धान रोपनी करने उतरी। अपने साथ राज्य की मंत्री को धान रोपनी करते देख गांव की महिलाएं काफी उत्साहित नजर आई। आपको बता दें की झारखंड में धान रोपनी का एक अलग महत्व है। पारंपरिक रीति - रिवाज के साथ महिलाएं गीत गाती हुई अपने खेत में धान रोपनी करती है। धान रोपनी के वक्त गांव में उत्सव जैसा माहौल रहता है। किसान ईश्वर से अच्छी फसल होने का प्रार्थना कर धान की फसल की रोपाई करते है। चान्हो प्रखंड के रघुनाथपुर गांव में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के खेत में रोपा की सूचना पा कर बारिश के बावजूद महिलाओं ने खेत का रुख किया . रघुनाथपुर गांव की जॉनी उरांव ने कहा कि मंत्री को अपने साथ देख कर अच्छा लगा . वो हम लोगों के लिए परिवार की एक सदस्य की तरह है . पहले भी वो धान रोपनी और धान की कटाई के वक्त आती रहीं है।

अजय राय ने झारखंड ऊर्जा विकास निगम के जी.एम. से की महत्वपूर्ण मुलाकात

संवाददाता रांची: झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक (कार्मिक सह सामान्य प्रशासन) सुनील दत्त खाखा से शिष्टाचार भेंट की। इस महत्वपूर्ण मुलाकात के दौरान निगम से जुड़े कई ज्वलंत और श्रमिकों से संबंधित मुद्दों पर गंभीर चर्चा की गई। यह बैठक मुख्य रूप से संगठन और निगम के बीच संवाद को मजबूत करने तथा ज़मीनी स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों के अधिकारों और हितों को रेखांकित करने के उद्देश्य से की गई थी।

रांची में ऑनलाइन जुआ गिरोह का खुलासा, 14 गिरफ्तार

रांची: झारखंड की रांची पुलिस ने ऑनलाइन जुआ और अवैध गेमिंग रैकेट का खुलासा करते हुए 14 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने पांच लैपटॉप, 17 मोबाइल फोन और विभिन्न बैंकों के 90 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि 17 जुलाई की रात गुप्त सूचना मिली थी कि बरियातू हाउसिंग कॉलोनी में कुछ लोग ऑनलाइन गेमिंग और अन्य अवैध गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। इसके बाद एक टीम का गठन किया गया। इस टीम ने इलाके में छापेमारी की और एक मकान से 14 लड़कों को पकड़ा। उन्होंने बताया कि ये सभी आरोपित पिछले एक महीने से बरियातू हाउसिंग कॉलोनी के रोड नंबर-2 स्थित एक किराए के मकान में रहकर ऑनलाइन गेमिंग का संचालन कर रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ लोग बाहर से उन्हें गाइड करते थे और कभी-कभी उनसे मिलने आते थे। गिरफ्तार लड़कों को इस काम के लिए प्रति माह 15 से 20 हजार रुपये मिलते थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में केशव कुमार, आलोक बलजीत, समीत कुमार, दिलीप कुमार, लव कुमार, नीतीश कुमार, अंजन कुमार, सुबोध कुमार, कृष्ण कुमार, साजन कुमार, अरुष यादव, पंकज कुमार, विवेक कुमार, रौशन कुमार शामिल है। सभी आरोपित बिहार के अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं।

एनएसएस के 75वें स्थापना वर्ष पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

रांची की छात्रा शुभी प्रियंका को मिला पहला पुरस्कार

रांची: देशभर में सांख्यिकी विभाग द्वारा मनाए जा रहे राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (NSS) के 75वें स्थापना वर्ष के तहत आज कन्वेंशन भवन, सीआईपी रांची में एक विशेष प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ. इस प्रतियोगिता का मकसद आम लोगों में सांख्यिकी आंकड़ों की अहमियत के बारे में जागरूकता फैलाना था.

कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रांची द्वारा किया गया, जिसमें राजधानी रांची के कई कॉलेजों के छात्र-छात्राएं शामिल हुए. सवाल मुख्य रूप से जनगणना, सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महंगाई आदि से जुड़े हुए थे.

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ विनीत कुमार, उप महानिदेशक, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रांची ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सांख्यिकी आंकड़े सिर्फ सरकारी योजनाओं के लिए नहीं, बल्कि आम जनता के लिए भी बहुत जरूरी हैं, क्योंकि इन्हीं से यह पता चलता है कि कहां कितनी तरक्की हुई है.

विजेताओं को मिला नकद पुरस्कार–

-पहला पुरस्कार (10,000/-): रामलखन सिंह यादव कॉलेज, कोकर रांची की छात्रा शुभी प्रियंका को मिला.

-दूसरा पुरस्कार (3,000/-): XISS, रांची के विष्णु कुमार को मिला.

-तीसरा पुरस्कार (2,000/-): झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्राची और पुष्पीनी को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला.

कार्यक्रम के अंत में सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र, मेडल और नकद पुरस्कार दिए गए. कार्यक्रम का संचालन अद्वैत केतकेलु, सहायक सांख्यिकी अधिकारी ने किया.

पीजी मास कम्युनिकेशन विभाग के छात्रवृत्ति भुगतान में हो रही समस्या के खिलाफ अबुआ अधिकार मंच का विरोध

रांची: रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित . पी. जी. मास कम्युनिकेशन विभाग (सत्र 2024–26) के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति भुगतान में हो रही समस्या को लेकर अबुआ अधिकार मंच, झारखंड ने नाराजगी जाहिर की है। मंच के राँची विश्वविद्यालय के संयोजक अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व मे छात्र छात्राओं ने विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की है।

अभिषेक शुक्ला ने कहा कि पिछले एक सप्ताह से छात्र छात्राये परेशान है छात्र छात्राओं को विभाग द्वारा कहा जा रहा है की छात्रवृत्ति संबंधित सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर कल्याण विभाग, झारखंड को अग्रेषित कर दी गई हैं, जबकि जब छात्र-छात्राएं मोराबादी स्थित कल्याण विभाग से संपर्क करते हैं तो छात्रवृत्ति पोर्टल पर "Status: Pending at DNO" तथा "Pending Reason: Course Detail Not Correct" जैसी त्रुटियाँ प्रदर्शित हो रही हैं।

छात्रों छात्राओं ने छात्र कल्याण संकाये से कहा के मास कम्युनिकेशन विभाग और कल्याण विभाग के बीच समन्वय की भारी कमी के कारण छात्रवृत्ति प्रक्रिया ठप पड़ी है, जिससे उन्हें मानसिक तनाव और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। शुक्ला ने विश्वविद्यालय प्रशासन से इस विषय में त्वरित और ठोस कदम उठाने की अपील की है ताकि विद्यार्थियों को उनका हक समय पर मिल सके और वे अपनी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रख सकें।

अबुआ अधिकार मंच के दिवेश कुमार भारती ने मांग की है कि इस समस्या का समाधान एक सप्ताह के भीतर किया जाए, अन्यथा मंच चरणबद्ध आंदोलन के लिए विवश होगा

संक्षिप्त खबरें...

चतरा पहुंचे झामुमो के वरीय नेता जानकी यादव, जिला अध्यक्ष निलेश ज्ञानसेन ने किया भव्य स्वागत

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरीय नेता एवं झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष, पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव का गुरुवार को चतरा आगमन पर चतरा परिसदन में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर झामुमो चतरा जिला अध्यक्ष निलेश ज्ञानसेन के नेतृत्व में जिला संगठन की ओर से शिष्टाचार भेंट कर पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान जिला कोषाध्यक्ष नितेश कुमार राणा, नगर अध्यक्ष बिट्टू कुमार, सदर प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र राम, सचिव बबलू पासवान, मोनू सिंदुरिया, गोल्डन, युवा नेता राहुल यादव, रूपेश यादव, मो. अजहर, इटखोरी प्रखंड अध्यक्ष बबलू केशरी, झामुमो नेता बंटी कुमार समेत दर्जनों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष निलेश ज्ञानसेन ने कहा कि जानकी प्रसाद यादव का राजनीतिक अनुभव, सामाजिक समर्पण और संघर्षशील नेतृत्व झारखंड के पिछड़े वर्ग के अधिकारों की रक्षा एवं सामाजिक न्याय की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि श्री यादव के मार्गदर्शन में संगठन को नई ऊर्जा प्राप्त होगी और चतरा सहित पूरे जिले में सामाजिक समरसता एवं संगठन को मजबूत करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने श्री यादव को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए सामाजिक न्याय और संगठन विस्तार के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर श्री यादव ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को सशक्त करने और पिछड़े वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत रहने का आह्वान किया।

समेकित सतत व्यावसायिक प्रशिक्षण 22जुलाई को, नसीम अहमद शामिल होंगे

ओरमांझी(मोहसीन): राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास की बात कही गई है.इसी को ध्यान में रखते हुए झारखंड में सभी शिक्षकों को समेकित सतत व्यावसायिक प्रशिक्षण करना अनिवार्य कर दिया गया है। यह प्रशिक्षण ऑनलाइन चौबीस घंटा,डायट में 6 घंटा एवं जे.सी.ई.आर.टी. में बीस घंटे का आवासीय प्रशिक्षण राज्य के सभी शिक्षक प्राप्त कर रहे हैं।झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद,रांची के विद्यालय नेतृत्व अकादमी द्वारा आगामी 22 जुलाई 2025 को अपराह्न 2 बजे से नेतृत्व संवाद कार्यक्रम अंतर्गत शिक्षकों के लिए प्रति वर्ष पचास घंटे का समेकित सतत व्यावसायिक प्रशिक्षण का विद्यालयी वातावरण एवं शिक्षकों पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा होगी। एस एल ए सदस्य जया प्रभा महतो द्वारा साक्षात्कार लिया जाएगा एवं कार्यक्रम का संयोजन बिहार गौरव संकाय सदस्य जे सी ई आर टी द्वारा किया जाएगा। इस विषय पर ओरमांझी प्रखंड में पदस्थापित सह निकासी व्ययन पदाधिकारी डॉ नसीम अहमद अतिथि के रूप में इस चर्चा में भाग लेंगे।ओरमांझी प्रखंड के लिए गर्व की बात है कि हमारे प्रखंड में पदस्थापित डीडीओ डॉ नसीम अहमद को बधाई देते हुए,अजप्टा के प्रखंड अध्यक्ष सतीश बड़ाइक,मध्य विद्यालय चकला के प्रधानाध्यापक बिमलेश मिश्रा एवं ओरमांझी प्रखंड के शिक्षकों ने इसके लिए शुभकामनाएं व्यक्त की है।साथ ही निर्धारित तिथि व समय को सभी को इस चर्चा को विद्यालय में बच्चों के साथ लाइव देखने की अपील की है।

दनुआ घाटी में टायर लदा ट्रक दुर्घटनाग्रस्त, पुलिस की तत्परता से टला बड़ा जाम

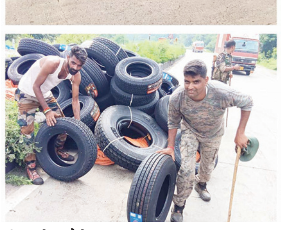

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग) चौपारण की कुख्यात दनुआ घाटी एक बार फिर सड़क हादसे का गवाह बनी, जहां शुक्रवार को टायर लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद सड़क पर टायर बिखर जाने से यातायात पूरी तरह अवरुद्ध हो गया और जाम की आशंका बन गई।घटना की सूचना मिलते ही चौपारण थाना की पुलिस त्वरित कार्रवाई में जुट गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और तत्परता दिखाते हुए सड़क पर बिखरे टायरों को हटवाया। साथ ही ट्रक पर दोबारा टायर लोड करने में भी मदद की, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका टल गई।इस हादसे में ट्रक चालक घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक सड़क के दूसरी ओर पहुंच गया था।पुलिस की सक्रियता और सतर्कता से घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद सड़क को साफ किया गया और यातायात व्यवस्था पुनः बहाल की गई। साथ ही, पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी के पास गलती से घटनास्थल से टायर चला गया हो,तो वे बिना भय के उसे लौटा दें।

चौपारण के जगदीशपुर में वज्रपात से एक महिला की मौत

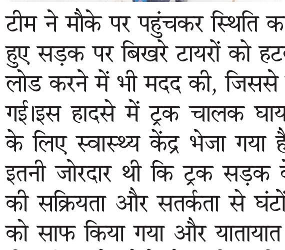

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग) प्रखंड अंतर्गत जगदीशपुर पंचायत में शुक्रवार को एक बार फिर कुदरत का कहर देखने को मिला, जब खेत में काम कर रही एक महिला की आकाशीय बिजली (वज्रपात) की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई।मृतका की पहचान करिश्मा देवी पति राकेश प्रजापति के रूप में हुई है। घटना उस वक्त घटी जब करिश्मा देवी खेत में कृषि कार्य कर रही थी। अचानक मौसम बदला और तेज गर्जना के साथ बिजली गिरी,जिसकी चपेट में आकर वह बुरी तरह झुलस गई।स्थानीय ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया,लेकिन वहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वरिष्ठ समाजसेवी व झारखंड आंदोलनकारी नेता आस्तिक दा ने अपने 63वें जन्मदिन पर योग अपनाने व युवाओं को नशा से दूर रहने की सलाह दी

जमशेदपुर। सोनारी कागलनगर स्थित निर्मल भवन में जमशेदपुर के प्रमुख समाजसेवी सह झारखंड आंदोलनकारी नेता आस्तिक महतो जी का 63वें जन्म उत्सव एक भव्य कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। उपस्थित शुभचिंतकों व पूर्व सांसद सुमन महतो सहित कई गणमान्य महानुभावों की मौजूदगी में आस्तिक महतो (बाबू भाई) ने केक काटा। वहीं दूसरी ओर शुभचिंतकों ने पुष्प-गुलदस्ता के साथ-साथ अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर जन्मदिन की बधाइयां दी एवं उनके लंबी उम्र की मंगलकामना भी की।

134वें डुरंड कप का भव्य उद्घाटन समारोह 24 जुलाई को जमशेदपुर में, खेल, संस्कृति और सैन्य शौर्य का होगा संगम

जमशेदपुर । देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट डुरंड कप के 134वें संस्करण का भव्य उद्घाटन समारोह 24 जुलाई 2025 को जमशेदपुर स्थित जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन स्थानीय संस्कृति, सैन्य अनुशासन और फुटबॉल उत्साह का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगा। समारोह में शानदार फ्लाई पास्ट, स्काई डाइविंग, माइक्रोलाइट डेमो के साथ-साथ पाईका, खुकरी नृत्य, झूमर और कलरिपयट्टु जैसे पारंपरिक कला का प्रदर्शन किया जाएगा, जो दर्शकों को रोमांचित करेगा। इस आयोजन में राज्य एवं सैन्य क्षेत्र के अनेक विशिष्ट अतिथि एवं पदाधिकारी शामिल होंगे। यह उत्सवपूर्ण उद्घाटन कार्यक्रम शहर में फुटबॉल के इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट की शुरुआत को यादगार बनाएगा । डूरंड कप का उद्घाटन जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स

कॉम्प्लेक्स, जमशेदपुर में समयः अपराह्न 4:00 बजे किया जाएगा।

डूरंड कप की पुरस्कार राशि तीन गुना बढ़कर हुई 3 करोड़

134 वें इंडियन ऑयल डूरंड कप आयोजन समिति ने घोषणा की है कि इस वर्ष टूर्नामेंट की कुल नकद पुरस्कार राशि तीन गुना बढ़ाकर 3 करोड़ कर दी गई है। यह घोषणा कोलकाता में ट्रॉफी अनावरण समारोह के दौरान की गई । फुटबॉल टूर्नर्नामेंट में विजेता और उपविजेता टीमों के साथ-साथ सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को भी पुरस्कार मिलेगा, साथ ही तीन व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए भी इनाम रखा गया है। लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा ने अपने बयान में कहा कि "इस साल टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 1.2 करोड़ से बढ़कर 3 करोड़ हो गई है। इसके साथ ही, तीन व्यक्तिगत पुरस्कार विजेताओं को तीन नए एसयूवी वाहन भी दिए जाएंगे। यह हमारे देशभर से श्रेष्ठ प्रतिभा को आकर्षित करने और उत्कृष्टता को पुरस्कृत करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

डूरंड कप आयोजन समिति ने

जमशेदपुर में मुफ्त टिकट का किया ऐलान

134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप की आयोजन समिति (डीसीओसी) ने आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि जमशेदपुर में होने वाले सभी मैचों में दर्शकों के लिए मुफ्त प्रवेश रहेगा। इसकी शुरुआत जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले उद्घाटन मैच से होगी, जिसे पूर्ण क्षमता के साथ आयोजित किया जाएगा। सभी 22,500 सीटें निःशुल्क पास के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरुआत समावेशी और उत्सवपूर्ण माहौल में हो। यह पहल शहर के खेल के प्रति जुनून और फुटबॉल को जन-जन तक पहुंचाने की आयोजकों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पहला मैच के लिए मुफ्त टिकट 23 और 24 जुलाई से मिलेगा

पहला मैच के लिए मुफ्त टिकटों का वितरण 23 और 24 जुलाई को स्टेडियम बॉक्स ऑफिस से किया जाएगा। यह वितरण पूरी तरह से पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगा और टिकट उपलब्ध रहने तक जारी रहेगा। निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित करने के लिए प्रति व्यक्ति अधिकतम चार टिकट जारी किए जाएंगे। जैसे ही एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट इस फुटबॉल प्रेमी शहर में लौटता है, आयोजक जमशेदपुर और आसपास के सभी लोगों को इस ऐतिहासिक फुटबॉल महोत्सव का हिस्सा बनने के लिए हार्दिक आमंत्रण देते हैं। मैदान पर रोमांचक मुकाबले और मैदान के बाहर जबरदस्त माहौल के साथ, डूरंड कप 2025 हर उम्र के प्रशंसकों के लिए अविस्मरणीय अनुभव बनने का वादा करता है।

जनता दरबार के माध्यम से उपायुक्त ने सुनी जन समस्याएं निष्पादन के दिए निर्देश

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : जिला उपायुक्त के द्वारा समाहरणालय सभा कक्ष में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया और इस जनता दरबार में लोगों की समस्याओं को सुना गया और उसके त्वरित निष्पादन के लिए निर्देश दिया गया। जनता दरबार आम लोगों से सीधे संवाद का एक माध्यम है। इसका उद्देश्य लोगों की वास्तविक समस्याओं को सुनना और उनका त्वरित समाधान करना है। हमारा प्रयास है कि जिला प्रशासन प्रत्येक नागरिक तक प्रभावी ढंग से पहुँचे और जनता के बीच विश्वास का माहौल बनाए। आम लोगों से अनुरोध है कि वे प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित जनता दरबार में भाग लें और शासन-प्रशासन से संवाद कर समाधान की दिशा में आगे बढ़ें। ये बातें डीसी कीर्तिश्री ने अपने निर्धारित जनता दरबार के दौरान कहीं। ज्ञात हो कि उपायुक्त कीर्तिश्री ने जिला मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आम लोगों की समस्याओं और शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना। प्राप्त आवेदनों पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। मौके पर उपस्थित अधिकारियों को लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया ताकि आम आदमी को राहत मिल सके। ज्ञात हो कि शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, मैंया समाना योजना से संबंधित समस्याएं, दिव्यांगों के लिए ट्राई-साइकिल की मांग, अबुआ आवास योजना, शिक्षा विभाग और स्कूल संचालन से संबंधित मुद्दे, स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता और अन्य व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याएं शामिल हैं।

चाडू और नगड़ू में आज सांसद आदित्य प्रसाद साहू के सौजन्य से तड़ित चालक यंत्र लगेगा

ओरमांझी(मोहसीन आलम): ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के सुदूरवर्ती गांव चाड़ू नगड़ू में आज दिन के एक बजे राज्य सभा सांसद सह भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य प्रसाद साहू के सौजन्य से तड़ीक चालक यंत्र मशीन लगाया जायेगा,बरसात के मौसम में हो रहे बज्रपात कि घटना को देखते हुए सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने इस और ध्यान देते हुए तड़ित चालक यंत्र का लगाने का फैसला लिया है,इस संबंध में सांसद साहू ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र का चाड़ू नगड़ू गांव में वज्रपात से कई घटनाएं घट चुकी है,जिसमें आर्थिक व शारीरिक नुकसान हुआ है,जिसको देखते हुए यह कदम उठाया गया है,निश्चित तौर से इस मशीन के लगने से वज्रपात रोधक मशीन लोगों की जान बचाने में काफ़ी वरदान साबित होगा,इस वर्ष वज्रपात की चपेट में कई जानवर सहित लोगों की मौत हुई है.तड़ीक चालक यंत्र लगने की सूचना के बाद चाड़ू गांव के लोगों में काफी उत्साह है,आज के इस कार्यक्रम के संबंध में सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने ग्रामीणों से अपील किया है कि तड़ित चालक यंत्र के रखरखाव एवं बच बचाओ की जानकारी लेनी जरूरी है.जिसके लिए ग्रामीण बीना वजह गांव से बाहर ना जाये।

ओरमांझी के इरबा और पालु स्कुल में हुई चोरी, एफएसएल टीम पहुँची, घटनास्थल से फिंगरप्रिंट के नमूने मिले

ओरमांझी(मोहसीन): ओरमांझी थाना क्षेत्र में बुधवार की रात चोरों ने दो सरकारी स्कूलों को निशाना बनाया,और स्कुल में रखें सामानो को तोड़ फोड़ कर तबाही मचाया,पहला इरबा स्थितअब्दुल क्यूम अंसारी उर्दू मिडिल स्कुल को जहाँ पर चोरो ने स्कुल के ऑफिस के खिड़की का ग्रिल काटकर अंदर घुस कर ऑफिस में रखे सामानों को तीतर बितर कर भाग निकले.स्कूल के टीचरों ने बताया कि इस तरह की घटना कई बार हो चुका है, स्कूल में लगाया गया रेलिंग काटकर चोर ले गये है,चोरी करने वाला चोर छत के रास्ते से आता है और घटना को अंजाम देकर भाग निकलता है,एक महीना के अंदर ये दूसरी बार चोरी हुईं है, इससे पहले चोरों ने स्कूल के पंख को चोरी करके चले गए थे,यह स्कूल ग्नजड़ियों का अड्डा बन गया है,हमेशा डर सताए रहता है की कहीं मध्यान भोजन को चोरी करके कर ना ले जाए, घटना की सूचना पुलिस को दी गई पुलिस ने एफ एस एल जाँच टीम को इसकी जानकारी दी,इसके बाद पुलिस ने स्कूल प्रबंधन को सूचना दी की चोरी के स्थान पर किसी सामान पर हाथ ना लगे,एफ एस एल टीम स्कूल पहुंचकर घटनास्थल से फिंगर सैंपल लेकर गई है, वही स्कूल प्रबंधक द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, दूसरी घटना पालु मध्य विद्यालय में घाटी जहाँ चोरों ने स्कूल के ऑफिस के वेंटीलेटर तोड़कर ऑफिस में घुसकर स्कूल का लाउडस्पीकर बॉक्स, पंचिंग मशीन,सहित अन्य सामानों को ईट से पीट पीट कर कबाड़ करके भाग निकले,स्कुल के प्रधान अध्यापक उमेश कुमार ने बताया कि स्कूल से नगद पैसा की चोरी नहीं हुई है इससे पूर्व में चोरों द्वारा अलमारी से पैसा की चोरी हुई थी लेकिन इस बार सिर्फ समान ही बर्बाद हुई है,प्रधान अध्यापक ने मुखिया व स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष को बुलाकर घटना की जानकारी दी,और ओरमांझी थाने में चोरी का प्राथमिकी दर्ज कराया.पुलिस को मामले की जानकारी के बाद घटनास्थल का निरीक्षण करके चोरी करने वाले आरोपियों की खोज में कर रही है।

तंबाकू नियंत्रण को लेकर छात्र-छात्राओं के बीच चलाया गया जागरूकता अभियान

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एनटीसीपी के तहत शुक्रवार को नाज़रेथ विद्या निकेतन विद्यालय चतरा एवं इंदुमती तिवड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर, दिभा चतरा में छात्र-छात्राओं के बीच तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा बच्चों को तंबाकू से होने वाले घातक प्रभावों, जैसे कि ओरल कैंसर, फेफड़ों से जुड़ी गंभीर बीमारियाँ, हृदय रोग आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि तंबाकू एक स्लो पॉइज़न की तरह शरीर को अंदर से क्षतिग्रस्त करता है और इसके सेवन से व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्थिति पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।इस अवसर पर ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे 2019 के आंकड़ों को साझा करते हुए बताया गया कि झारखंड राज्य में प्रति दिन लगभग 146 बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन प्रारंभ कर रहे हैं, जो कि अत्यंत चिंता का विषय है। युवाओं को इस घातक लत से रोकना समय की मांग है, क्योंकि यही युवा हमारे राष्ट्र का भविष्य हैं।कार्यक्रम में सदर अस्पताल, चतरा में संचालित डेंटल ओपीडी स्थित तंबाकू मुक्ति केंद्र की जानकारी भी दी गई, जहाँ तंबाकू छोड़ने के इच्छुक लोगों को निःशुल्क काउंसलिंग और औषधीय उपचार की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त सीओटीपीए सिगरेट और दूसरे तम्बाकू उत्पाद एक्ट संशोधन अधिनियम, 2021 की जानकारी भी दी गई वहीं स्कूल परिसर को "तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान" घोषित करने हेतु सूचनात्मक साइनबोर्ड लगाए गए।छात्रों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं उपस्थित लोगों को "तंबाकू सेवन न करने" की शपथ दिलाई गई और राष्ट्रीय तंबाकू क्यूट हेल्पलाइन नंबर 1800-11-2356 के माध्यम से सहायता प्राप्त करने की जानकारी दी गई।जिला प्रशासन, चतरा लोगों से अपील करता है कि तंबाकू के सेवन से स्वयं भी बचें और अपने आस-पास के लोगों को भी जागरूक करें।

विधायक राजेश कच्छप औचक निरीक्षण करने नामकुम अंचल कार्यालय पहुंचे

नामकुम(मोहसिन आलम): खिजरी के लोकप्रिय विधायक राजेश कच्छप अपने निर्वाचन क्षेत्र के नामकुम प्रखंड स्थित अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। मौके पर उन्होंने बताया की लगातार जमीन सम्बंधित समस्या की सुचना मिल रही थी, जिस संबंध में जानकारी लेने पहुंचा हूं, विधायक ने औचक निरिक्षण के दौरान विभिन्न योजनाओं की प्रगति,लंबित मामलों एवं जनशिकायत निवारण की स्थिति की गहन समीक्षा की। कार्य में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सम्बंधित अधिकारी को निर्देश किया।अंचल अधिकारी बिजय कुमार को सख्त आदेश दिया की जनता का काम किसी भी हाल मे रुकना नहीं चाहिए,बार बार लोगों को अंचल दफ़्तर आना ना पड़े,और कोइ भी अंचल से सम्बंधित अधिकारी या कर्मचारी अपने कामों के प्रति लापरवाही करेंगे,तो बर्दाश्त नहीं की जाएगी,और उनके ऊपर कड़ी करवाई की जाएगी,औचक जांच आगे भी जारी रहेंगी।

माँ भद्रकाली सेवा संस्था के स्वयंसेवकों ने इटखोरी गोवंशीय मृत गाय का किया अंतिम संस्कार

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) मां भद्रकाली सेवा संस्था निरंतर जनहित में अपनी गतिविधियों को मूर्त रूप प्रदान कर रही है। एक और जहां इटखोरी के प्रसिद्ध ऐतिहासिक मां भद्रकाली मंदिर परिसर में कांवरियों के लिए शिविर लगाकर सेवा के संकल्प के साथ कांवरियों की सेवा में जुटी हुई है वहीं दूसरी ओर सामाजिक सरोकारों के प्रति भी सजग है।

गुरुवार की रात्रि में अज्ञात वाहन के द्वारा भद्रकाली महाविद्यालय के पास एक गोवंश की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। इसकी सूचना जैसे ही मां भद्रकाली सेवा संस्था के स्वयंसेवकों को मिली सभी स्वयंसेवकों ने एक संकल्प के साथ मृत गोवंश के अंतिम संस्कार का प्रबंध ही नहीं किया बल्कि मृत गोवंश के अंतिम संस्कार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वयंसेवकों के द्वारा पूरे विधि विधान के साथ मृत गोवंश का अंतिम संस्कार किया गया। पूर्वांचल सूर्य संवाददाता से बातचीत करते हुए मां भद्रकाली सेवा संस्था के कार्यकारी समिति के अध्यक्ष सूरज सिंह ने बताया कि सेवा विकल्पहीन होती है इसका कोई विकल्प है ही नहीं बस अंतरात्मा में एक संकल्प होना चाहिए। हम सभी इसी संकल्प के साथ जनहित की भावनाओं से अभिप्रेरित होकर जनहित से जुड़ी हर प्रकार की सेवा के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि मेरे सेवा का मंच भले ही छोटा है परंतु इसका उद्देश्य बहुत बड़ा है। मन में जो सेवा का संकल्प है वह निरंतर ज्योतित होता रहे और हम सभी मिलकर मानव सेवा के साथ-साथ पृथ्वी के अन्य प्राणियों की सेवा के प्रति समर्पित भाव से निरंतर अपने सेवा पथ पर अविचल भाव से चलते रहें।

मां भद्रकाली सेवा संस्था के द्वारा किए जा रहे लोक कल्याणकारी सेवा भाव से किए जा रहे पुनीत कार्यों की समाज के सभी वर्गों ने सराहना की है। गोवंश का अंतिम संस्कार करने वालों में मुख्य रूप से कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष सुरज सिंह, उपाध्यक्ष आदित्य पासवान, कोषाध्यक्ष धीरज चंद्रवंशी, मुख्य सलाहकार संतोष केशरी, सचिव निर्भय पाण्डेय, संरक्षक कुंदन पासवान,शिवम सिंह, पारस शर्मा मुख्य सदस्य सुजीत सिंह, अभिषेक सिंह की सहभागिता रही।

रेंजर ने भुक्तभोगी को सौंपा 50 हजार का चेक

कोयलांचल संवाद संवाददाता

टंडवा (चतरा) वन्यजीवों से सर्वाधिक प्रभावित मारंगलोइया गांव की भुक्तभोगी महिला सरिता देवी को रेंजर मुक्ति प्रकाश पन्ना ने गुरुवार को आपदा राहत कोष से 50 हजार रुपए का चेक सौंप दिया। बताया गया कि जून 2024 में जंगली हाथियों ने भुक्तभोगी के दो पालतू पशुओं को कुचलकर मार दिया था। विभागीय स्वीकृति मिलते हीं रेंज आफिस में बुलाकर प्रभावित महिला को चेक प्रदान किया गया। इस मौके पर वनपाल सुनील कुमार उरांव , वनरक्षी सत्यनारायण रविदास, रौशन नायक समेत अन्य मौजूद थे।

शहीद चौक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया , शीघ्र बनेगा शहीद स्मारक : विधायक सरयू राय

जमशेदपुर । बसंत टॉकीज गोल चक्कर परिसर में शहीद स्मारक निर्माण समिति जमशेदपुर, जेपी युवा छात्र संघर्ष मोर्चा भारत एवं झारखंड क्रांति सेवा के संयुक्त तत्वाधान में मोर्चा के संयोजक संजीव आचार्य के नेतृत्व एवं अध्यक्षता में शहीद दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में जमशेदपुर पश्चिम के विधायक एवं जीपी आंदोलनकारी नेता सरयू राज उपस्थित हुए , जबकि विशिष्ट अतिथि में पूर्व छात्र नेता वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश दत्त पांडेय , पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष एवं आंदोलनकारी नेता संतोष अग्रवाल, जेपी आंदोलनकारी नेता योगेश शर्मा , जेपी आंदोलनकारी नेता देवेंद्र शर्मा , पूर्व छात्र नेता अरुण सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी शिव शंकर सिंह, विजय नारायण शर्मा , अमन खान ,अर्जुन यादव ,महिला नेत्री आयशा खान ,डॉक्टर

एम ए जाना ,सुमित्रा कुंडू, श्रीमती पूनम देवी ,श्रीमती अनु देवी , श्रीमती रेनू शर्मा, श्रीमती आभा वर्मा , श्रीमती अंजना सिंह , श्रीमती प्रियंका देवी, श्रीमती आशा पोद्दार , श्रीमती जीरा देवी, श्रीमती रूप मोहंती , श्रीमती कलावती देवी, श्रीमती कोमल कौर , श्रीमती सुषमा देवी , श्रीमती आरती देवी , श्रीमती पार्वती देवी, श्रीमती रंजना देवी, श्रीमती रेखा कुमारी, श्रीमती नीलम देवी , श्रीमती संजीत कुमारी, श्रीमती इंदु देवी, श्रीमती शिल्पा मंडल , श्रीमती सुजाता देवी , श्रीमती रीता कुमारी, पूजा कुमारी, अनुराधा देवी, पूनम देवी , रूबी देवी , विजय सिंह, विकास शर्मा , युवा समाजसेवी बाबूराव, बलविंदर सिंह नारो, पुरुषोत्तम सिंह, विकास कुमार, छात्र नेता दीपक पांडे, अंकुर तिवारी , अरविंद वेद , सुशांत कुमार , आकाश आचार्य, मोनू यादव, आशीष दास, रवि साहू , बलराम कुमार , सुजीत झा , सरोज कुमार, राजू कुमार , सचिन महतो , जितेंद्र महतो, विकास मुंडा , आर्यन मादक, सुखविंदर सिंह, सुजल दत्त, मनदीप सिंह , विशंभर दास , हिमांशु वर्मा, मोनू सिंह , ऋतिक दास , मुकेश सिंह, आनंद ठाकुर , सुजीत झा, दीपक शर्मा, अभय सिंह, गौतम धर , विक्की खान , लकी खान, सादात खान, जावेद खान, तिलेश्वर प्रजापति, शिवकुमार यादव, दिलीप दास, सोमनाथ बनर्जी सहित सैकड़ो युवा एवं छात्र नेता संगठन के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित थे । जेपी आंदोलन से ही जुड़े देश के प्रधानमंत्री सहित कई राज्य के मुख्यमंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री इस देश में कई जगह पर महत्वपूर्ण पदों में विराजमान है । जेपी आंदोलनकारी सुरेश दत्त पांडे एवं देवेंद्र शर्मा संयुक्त रूप से कहा कि छात्रों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा । वहीं समाजसेवी शिव शंकर सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शहीद स्मारक निर्माण बनाने में यथासंभव मदद करेंगे । आज के इस श्रद्धांजलि सभा को विजय नारायण शर्मा, अरुण सिंह, विजय सिंह , अर्जुन यादव ने भी संबोधित किया । सभा में आए हुए महिलाओं ने भी संबोधित किया । आंदोलनकारी एवं सिविल डिफेंस जमशेदपुर के चीफ वार्डेन अरुण कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया ।

संक्षिप्त खबरें...

बिहार में वंदे भारत पर फिर पथराव, सी-2 बोगी का टूटा कांच, पत्थरबाजी की 5वीं घटना

मुजफ्फरपुर. बिहार में एक बार फिर वंदे भारत ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आई है। समस्तीपुर मंडल के बगहा स्टेशन के पास शुक्रवार की सुबह गोरखपुर-पाटलिपुत्र 26502 वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी कि गई। पत्थरबाजी में ट्रेन का सी-टू बोगी के 35 से 37 नंबर सीट वाला कांच टूट गया। हालांकि यात्री को चोट नहीं आई हैं। जिसे नरकटियागंज और बेतिया में दुरुस्त किया गया। गोरखपुर-पाटलिपुत्र 26502 वंदे भारत पर यह पांचवीं बार पत्थरबाजी की गई है। वंदे भारत ट्रेन पर हो रही पथराव की घटनाओं को रोकने के लिए आरपीएफ की ओर से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि, इस तरह की घटनाओं पर विराम लगाया जा सके।

पूर्णिया में बाइक की टक्कर से पुलिस जवान की मौत

पूर्णिया. पूर्णिया सड़क हादसे में आज पुलिस जवान की मौत हो गई है। दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में एक्सीडेंट हुआ है। जमादार रोजाना की तरह बाइक से ड्यूटी जा रहे थे। तभी सामने से आ रही बेकाबू बाइक ने उन्हें जबरदस्त टक्कर मार दी। घटना के बाद भाग रहे बाइक सवार आरोपी को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मामला बड़हरा कोठी थाना क्षेत्र के चिकनी गांव की है। मृत जवान मधेपुरा के श्रीनगर थाना में कार्यरत थे। हादसे में जान गंवाने वाले पुलिस के जवान की पहचान भागलपुर के गोपालपुर थाना के करारी तीनटंगा वार्ड-9 निवासी सौदागर साह के बेटे विवेक कुमार (48) के रूप में की गई है।

पत्नी की हत्या,12 घंटे लाश से बात करता रहा पति

पूर्णिया. पूर्णिया में खाने को लेकर हुए विवाद में पति ने अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि लाठी से पत्नी की पिटाई तब तक करता रहा, जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया। वारदात के बाद आरोपी 12 घंटे तक पत्नी की लाश के पास बैठकर उससे बातें करता रहा। मृतका की पहचान राजकुमार ऋषि की पत्नी रीता देवी (32) के रूप में की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि 'घटना को अंजाम देने से पहले आरोपी मंदिर गया और वहां पूजा की। मंदिर से घर लौटा तो पत्नी से खाने को लेकर कहासुनी होने लगी। इससे नाराज होकर पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से किसान की मौत

जमुई. जमुई में गुरुवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत हो गई। घटना गरही थाना क्षेत्र के बोझाइयत गांव की है। मृतक की पहचान जोभराज यादव के बेटे सुरो यादव(43) के रूप में हुई है। घटना के समय सुरो यादव खेत में काम कर रहे थे। अचानक मूसलाधार बारिश शुरू हुई और वे आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। परिजनों और ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें खेत से बाहर निकाला। अस्पताल ले जाने से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई।

रोड एक्सीडेंट में नाश्ता दुकानदार की मौत

भागलपुर. भागलपुर में सड़क हादसे में नाश्ता दुकानदार की मौत हो गई। घटना नाथनगर थाना क्षेत्र के दोगच्छी बाईपास स्थित बिहारीपुर ओवर ब्रिज के पास हुई। मृतक की पहचान शाहकुंड थाना क्षेत्र के जानीपुर निवासी रामस्वरूप मंडल (50) के तौर पर हुई है। मृतक निजी काम से भागलपुर आया था और शाहकुंड में घर लौट रहे थे। इसी दौरान बिहारीपुर ओवर ब्रिज के पास सीएनजी ऑटो बेकाबू होकर पलट गई। जिससे उन्हें चोट लग गई। शाहकुंड अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बाजपट्टी में शराब पार्टी के दौरान युवक की हत्या

सीतामढ़ी. सीतामढ़ी जिले के बाजपट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबू नरहा गांव में एक युवक की गुरूवार की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान डुमरा थाना क्षेत्र के बेली गांव निवासी सूर्य नारायण ठाकुर के 26 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार के रूप में हुई है। घटना रात 8:30 से 9:00 बजे के बीच की है। आदित्य अपने ननिहाल बाबू नरहा में रह रहा था। वह ननिहाल से एक किलोमीटर दूर चौर क्षेत्र में स्थित पुल पर कुछ दोस्तों के साथ शराब पार्टी कर रहा था। पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान बुलेट सवार तीन अपराधियों ने गोली चला दी।

पूर्णिया में बंद घर से 15 लाख की चोरी

पूर्णिया. पूर्णिया में बेखौफ चोरों ने बंद घर को निशाना बनाया है। सोने-चांदी जेवरात, कैश समेत 15 लाख की चोरी हुई है। पीड़िता ने पड़ोस में रहने वाले पर युवक पर चोरी का आरोप लगाया है। थाने में आवेदन देकर जांच की मांग की है। घटना शहर मधुबनी थाना क्षेत्र के मेहता चौक की है। पीड़िता निर्मला देवी ने बताया कि एक साल पहले पति की मौत हो गई थी। घर में 2 बच्चों के साथ रहती हूं। बुधवार को बच्चों को शॉपिंग कराने के लिए दोपहर करीब 3:30 बजे बाजार गई थी। ढाई घंटे बाद शाम 6 बजे घर पहुंचे। मेन डोर का लॉक टूटा हुआ था। अंदर कमरे का भी लॉक खुला था।

पूर्व विधायक की बेटी से दिनदहाड़े 2 लाख की लूट

सारण. वाराणसी के पूर्व विधायक धर्मनाथ सिंह की बेटी मनोज देवी से अमनौर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल बड़ा पोखरा में बदमाशों ने दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया। पर्यटक केंद्र के मुख्य गेट पर खड़ी मनोज देवी के गले से दो-तीन बदमाशों ने सोने की चेन झटककर तोड़ ली। बदमाश गाड़ी पर सवार होकर फरार हो गए। महिला के शोर मचाने पर भी मौके पर मौजूद लोग कुछ नहीं कर सके। घटना गुरुवार सुबह 10:17 बजे की है। मनोज देवी अपने मायके अमनौर अगुआन पुरबारी पट्टी टोला आई हुई थीं। वह पूर्व विधायक धर्मनाथ बाबू के प्रतिमा के लोकार्पण समारोह में शामिल होने आई थीं। सुबह वह अपनी ननद और सरपंच की बेटी के साथ शिवालय में पूजा के लिए पहुंची थीं। पीड़िता के अनुसार चोरी की गई चेन और लॉकेट का वजन करीब 22 ग्राम था, जिसकी कीमत लगभग 2 लाख रुपये है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

बाइक लूट में नाकाम बदमाशों ने युवक को मारी गोली

मधेपुरा. मधेपुरा के गम्हरिया थाना क्षेत्र के फुलकाहा में गुरुवार देर शाम बदमाशों ने लूट के इरादे से एक युवक को गोली मार दी। घायल युवक की पहचान सुपौल जिले के सुखपुर वार्ड 12 निवासी अनमोल कुमार (32) के रूप में हुई है। फिलहाल उसका इलाज मधेपुरा के वर्षा हॉस्पिटल में चल रहा है, जहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर उसके शरीर से गोली निकाल दी है। जानकारी के अनुसार अनमोल कुमार सिंहेश्वर थाना क्षेत्र के बिरेली में अपने रिश्तेदार से मिलने आया था।

ललन के मटन और चंदन की हत्या पर पटना में पोस्टरबाजी, नीतीश से राजद ने पूछा- बिहार में का बा

पटना. पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार के धुआंधार चुनावी अभियान के बीच राजद ने पटना में पोस्टर लगाकर एनडीए सरकार पर तंज कसा है। पूछा है कि बिहार में का बा। पोस्टर में पारस अस्पताल में घुसकर फिल्मी अंदाज में गैंगस्टर चंदन मिश्रा की हत्या और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह की लखीसराय में मटन पार्टी का भी जिक्र है। राजद के इस पोस्टर से बिहार का सियासी पारा हाई होने वाला है। राजद के सनत कुशवाहा की ओर से पटना की सड़कों पर पोस्टर लगाए गए हैं। ऊपर लिखा है बिहार में का बा? नीचे जवाब में दो घटनाओं की जिक्र किया गया है। एक तरफ पटना के पारस हॉस्पिटल में बेखौफ अपराधियों के कांड का जिक्र है। बदमाशों की तस्वीर के साथ लिखा गया है- अपराधियों का राज बा, फिल्मी अंदाज में फिल्मी अंदाज में अस्पताल में गोलियों की बौछार बा। गुरुवार को पारस अस्पताल में भर्ती कैदी चंदन मिश्रा को अस्पताल में दाखिल पांच बदमाशों ने चंदन मिश्रा को गोलिओं से भून दिया। चंदन की हत्या पर पटना में सनसनी फैल गई और बिहार पुलिस की फजीहत हुई। दूसरी ओर पोस्टर में ललन सिंह की उस सभा का जिक्र है जिसमें मटन भात का भोज हुआ था। ललन सिंह खुद मटन परोसते दिखाए गए हैं। लिखा है- सावन में सत्ता पक्ष का मटन भोज का बाहर बा। लखीसराय में जेडीयू के एक कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता और मंत्री ललन सिंह ने लोगों से भोज में मटन के इंतजाम की बात कही थी।

पीएम बोले- पुणे की तरह पटना, मुंबई जैसा मोतिहारी होगा:जैसे रोजगार गुरुग्राम में वैसे गयाजी में मिलेंगे; पहली प्राइवेट नौकरी पर 15 हजार देंगे

मुंबई जैसा मोतिहारी का नाम हो... पीएम मोदी बोले- पूर्वी भारत के विकास के लिए बिहार को विकसित बनाना है

मोतिहारी. पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मोतिहारी में जनसभा की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- 'दुनिया में जैसे पूर्वी देशों का दबदबा बढ़ रहा है वैसे ही भारत में ये दौर हमारे पूर्वी राज्यों का है। हमारा संकल्प है। आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है, वैसे ही पूर्व में मोतिहारी का नाम होगा। जैसे अवसर गुरुग्राम में हैं वैसे ही अवसर गयाजी में बने। पुणे की तरह पटना होगा।' अपने 33 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। साथ ही राजद-कांग्रेस पर निशाना साधा। पीएम बोले- 'अब बिहार में विकास करने वाली सरकार है। जब केंद्र में कांग्रेस और राजद की सरकार थी तो यूपीए के 10 साल में बिहार को करीब 2 लाख करोड़ के आसपास मिले थे। यानी नीतीश जी की सरकार से ये लोग बदला ले रहे थे। बिहार से बदला ले रहे थे। 2014 में केंद्र में मुझे सेवा करने का मौका मिला। मैंने बिहार से बदला लेने वाली पुरानी राजनीति भी खत्म कर दी।' मोतिहारी ने पीएम मोदी ने घोषणा की कि आने वाले समय में पहली प्राइवेट नौकरी पर केंद्र सरकार 15 हजार रुपए देने जा रही है। एक अगस्त से ये योजना लागू होगी। जैसे दुनिया में पूर्वी देश विकास की दौड़ में आग जा रहे हैं। वैसे ही भारत में ये दौर हमारे पूर्वी राज्यों का है। हमारा संकल्प है। आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है वैसे ही पूरव में मोतिहारी का नाम होगा। जैसे अवसर गुरुग्राम हैं वैसे ही अवसर गयाजी में बनें। पुणे की तरह पटना होगा।

बदला लेने वाली पुरानी राजनीति भी खत्म की

जब केंद्र में कांग्रेस और राजद की सरकार थी तो यूपीए के 10 साल में बिहार को करीब 2 लाख करोड़ के आसपास मिले थे। यानी नीतीश जी की सरकार से ये लोग बदला ले रहे थे। बिहार से बदला ले रहे थे। 2014 में केंद्र में मुझे सेवा करने का मौका मिला। मैंने बिहार से बदला लेने वाली पुरानी राजनीति भी खत्म कर दी।

नॉर्वे की जितनी आबादी बिहार में उतने घर दिए

गरीबों के लिए 4 करोड़ से ज्यादा घर बनाए गए इनमें से करीब 7 लाख घर अकेले बिहार में गरीबों के लिए बनाए गए हैं। दुनिया में कुछ देशों की जितनी आबादी है, बिहार में उतने गरीबों को हमने पक्के घर दिए हैं। अकेले मोतिहारी जिले में हमने 3 लाख के करीब गरीब परिवारों को घर दिए हैं। ये गिनती लगातार बढ़ रही है। मेरे मित्र नीतीश जी की सरकार ने वृद्ध, विधवा और दिव्यांगों की पेंशन बढ़ाई। उन्होंने इसे 400 से बढ़ाकर 1100 कर दिया है। बिहार में 20 लाख से ज्यादा लखपति दीदी बन चुकी हैं।

लालू पर निशाना साधा

नीतीश सरकार लगातार युवाओं के लिए काम कर रही है। 10 लाख लोगों को नौकरी दी गई है। 10 लाख को रोजगार दिया जा रहा है। नीतीश जी की सरकार का युवाओं पर फोकस है। ये लोग रोजगार के नाम पर आपकी जमीनें लिखवा लिया करते थे। अब ऐसा नहीं है सरकार युवाओं को रोजगार दे रही है। NDA की सरकार के साथ मिलकर बिहार ने ये सफर तय किया है। बिहार की इस धरती से मैंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का संकल्प लिया था और आज उसकी सफलता पूरी दुनिया देख रही है। बिहार के पास ना सामर्थ की कमी है और ना ही संसाधन की।

बिहार के विकास में माताओं-बहनों की अहम भूमिकाः मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के मोतिहारी से एनडीए के चुनाव अभियान को एक कदम आगे बढ़ाया। ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित जनसभा में उन्होंने लाखों लोगों की मौजूदगी में फिर एक बार एनडीए सरकार का नारा बुलंद किया। भाषण सुनने पहुंची महिलाओं से मुखातिब होते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि राज्य को आगे बढ़ाने में उनकी बड़ी भूमिका है। यह भी याद दिलाया कि नीतीश कुमार ने जीविका के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बहुत कुछ किया। केंद्र सरकार भी अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लिए संकल्पित है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार को आगे बढ़ाने में सबसे बड़ी ताकत बिहार के माता बहनों की है। एनडीए द्वारा उठाए जा रहे एक-एक कदम का महत्व बिहार की माताएं बहने अच्छी तरह समझती हैं। इतनी बड़ी संख्या में माताएं बहनें मुझे आशीर्वाद देने आई हैं। यह बिहार की बढ़ती ताकत में उनकी भागीदारी का संकेत है। पहले ना बैंकों में उनका ना खाता होता था ना कोई घुसने देता था। आपको 10 रपए भी छुपा कर रखना पड़ता था। मोदी ने गरीब के लिए बैंकों के दरवाजे खुलवा दिए और अभियान चलाकर जनधन खाते खुलवाए। इसका सबसे बड़ा लाभ दलित परिवार की महिलाओं को मिला और आज 3.5 करोड़ जनधन खाते हैं। सरकारी योजनाओं का पैसा सीधा इन खातों में जा रहा है। पीएम ने बिहार में सामाजिक सुरक्षा पेंशन में तीन गुना बढ़ोतरी की जिक्र किया। कहा कि कुछ दिन पहले नीतीश जी की सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि 400 से बढ़कर 1100 कर दी। यह पैसा सीधे आपके बैंक खाते में ही जाएगा। पिछले डेढ़ महीने में ही बिहार के 24000 से ज्यादा स्वयं सहायता समूह को 1000 करोड रुपए से ज्यादा की मदद दी गई है। नारी सशक्तिकरण के प्रयासों से परिणाम भी दिखने लगे हैं। बिहार में लखपति दीदी की संख्या लगातार बढ़ रही है। 3 करोड़ बहनों को देशभर में लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। डेढ़ करोड़ बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। बिहार में भी 20 लाख से ज्यादा लखपति दीदी बनी हैं। चंपारण में भी यह संख्या 80000 से ज्यादा है।

चिट्ठी जरूर लिखूंगा, मोतिहारी रैली में अयोध्या राम मंदिर की कलाकृति देख झूम उठे पीएम मोदी

बिहार के मोतिहारी में जनसभा को संबोधित करने के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अचानक सभा में मौजूद एक कलाकृति पर पड़ी। उसे देखकर पीएम झूम उठे। एक कलाकार ने रैली में अयोध्या के राम मंदिर की भव्य कलाकृति बनाकर लाया था। पीएम ने अपने भाषण को रोकते हुए इस कलाकृति की तारीफ की। फिर अपने सुरक्षाकर्मियों को भेजकर वह कलाकृति मंगवाई। पीएम मोदी ने कलाकार से कहा कि वह उसे चिट्ठी जरूर लिखेंगे। पीएम ने कहा, "एक नौजवान रैली में पूरा राम मंदिर बनाकर ले आया है। इसने क्या भव्य काम किया है। मुझे लगता है कि यह मुझे भेंट करना चाहते हैं।" प्रधानमंत्री ने युवक से पूछा कि क्या वह यह कलाकृति उनके लिए बनाकर लाया है। फिर उन्होंने एसपीजी सुरक्षाकर्मियों से कहा कि वह उस कलाकृति को लेकर आएं। मोदी ने उस कलाकार से कहा कि अपना पता उस पर जरूर लिख देना। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह उसे चिट्ठी जरूर लिखेंगे। इसके बाद सुरक्षाकर्मी वहां पहुंचे और राम मंदिर की कलाकृति लेकर मंच की तरफ आ गए। पीएम नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा कि जिस धरती पर मां सीता का नित्य स्मरण होता है, वहां आप मुझे राम मंदिर की भव्य कलाकृति दे रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मोतिहारी के गांधी मैदान में जनसभा को संबोधित कर बिहार में 7217 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। साथ ही, पटना से नई दिल्ली समेत अन्य रूटों पर 4 नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत की। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले पीएम लगातार राज्य में रैलियां कर प्रोजेक्ट का शुभारंभ कर रहे हैं।

मर्डर के बाद मस्ती... बाइक पर सरेआम पिस्टल लहराते भागे थे चंदन मिश्रा के हत्यारे

पटना. पटना के पारस अस्पताल में घुसकर गैंगस्टर चंदन मिश्रा की हत्या करने वाले आरोपियों की एक फोटो वायरल हो रही है। जिसमें बाइक पर तीन आरोपियों बैठे हैं। सरेआम हथियार लहराते भागते नजर आ रहे हैं। इस दौरान सभी मस्ती के मूड में दिख रहे है। ऐसा लग रहा है कि मानों पुलिस का कोई खौफ ही नहीं है। वायरल फोटो में बाइक पर तीन शूटर भागते दिख रहे हैं। जिसमें एक आरोपी हेलमेट लगाए हैं। दो आरोपी कैप पहने हैं। बीच में बैठा बदमाश दोनों हाथ उठाकर पिस्टल लहराते दिख रहा है। ऐसा लग रहा है कि हत्या का जश्न मना रहे हों। इससे पहले अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी पांच आरोपियों की फोटो कैद हो चुकी है। जिनकी तलाश में बिहार पुलिस की छापेमारी जारी है। आपको बता दें सजायाफ्ता चंदन मिश्रा की हत्या में शामिल चार शूटरों की पहचान कर ली गई है। इसमें फुलवारीशरीफ का रहनेवाला तौसिफ उर्फ बादशाह भी है। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ और पटना पुलिस ने फुलवारीशरीफ में कई ठिकानों पर छापेमारी की। पुलिस करीब डेढ़ घंटे तक उस इस्लामिक स्कूल में रही, जहां तौसिफ की मां पढ़ाती हैं। हालांकि पुलिस किसी को गिरफ्तार नहीं कर पाई। बताया जाता है कि घटना के बाद से ही तौसिफ की भी मां भूमिगत है। वहीं, घटना में शामिल तीन अन्य बदमाशों की पहचान

बलवंत, मन्नू और सूरजभान के तौर पर हुई है। पांचवें आरोपित के बारे में फिलहाल पुलिस जानकारी जुटा रही है। एक टीम तकनीकी अनुसंधान के जरिए शूटरों के लोकेशन तक पहुंचने के प्रयास में जुटी है। रेंज आईजी पटना जितेंद्र राणा ने इस मामले में फिलहाल अभी तक किसी की गिरफ्तारी से इनकार किया है। हालांकि सूत्रों के मुताबिक कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। बताया जाता है कि बेऊर जेल में रहते हुए भी तौसिफ और चंदन के बीच अदावत चल रही थी। पुलिस मान रही है कि इसी कारण विरोधी गुट से सुपारी लेकर उसने चंदन की हत्या कर दी. पुलिस सूत्रों के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे अपराधियों में बगैर टोपी के सबसे आगे जो शख्स दिख रहा है वह तौसिफ ही है। उसने सफेद और काले रंग की छींटदार शर्ट पहन रखी है। तौसिफ पर हत्या और लूट के कई केस दर्ज हैं। वह जेल भी जा चुका है। वर्तमान में जमानत पर है। उसके पिता न्यू मार्केट में हार्डवेयर की दुकान चलाते हैं, जबकि मां फुलवारीशरीफ सत्तार मेमोरियल कॉलेज परिसर स्थित इस्लामिक स्कूल में शिक्षिका है। वहीं मृतक चंदन मिश्रा पर हत्या समेत 25 से अधिक मुकदमे दर्ज थे। आशंका है कि गैंगवार या आपसी रंजिश में उसकी हत्या की गई।

शूटरों की तलाश में वैशाली से मुजफ्फरपुर तक रेड

पटना के पारस अस्पताल में गैंगस्टर चंदन मिश्रा हत्याकांड मामले में फरार शूटरों की तलाश में मुजफ्फरपुर और वैशाली में भी छापेमारी की गई है। इस दौरान दोनों जिलों के करीब आधा दर्जन संभावित ठिकानों पर एसटीएफ ने गुरुवार की देर रात से लेकर सुबह तक छापेमारी की। हालांकि टीम को वहां से खाली हाथ लौटना पड़ा। बताया जा रहा है कि हत्याकांड को अंजाम देने के बाद आधा दर्जन शूटरों में से एक शूटर का वैशाली के बाद मुजफ्फरपुर में छुपे होने का एसटीएफ को इनपुट मिला था। जिसके बाद एसटीएफ ने उससे जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी कर यह कारवाई की। हालांकि टीम को वहां से कोई ठोस सुराग हाथ नही लगा।
फिलहाल हत्या कांड को अंजाम देने के बाद वहां से फरार पांच शूटरों और एक लाइनर के अलावे उन शूटरों को पनाह देने वाले संदिग्धों के संबंध में एसटीएफ और संबंधित जिलों की पुलिस जानकारी जुटा रही है। आपको बता दें पटना के पारस अस्पताल में गुरुवार की सुबह करीब 07:25 बजे बक्सर के कुख्यात चंदन मिश्रा की गोलियों से भून कर हत्या कर दी गई थी। दो बाइक से आये पांच बेखौफ शूटरों ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। घटना के बाद बाइक पर जश्न मनाते हुए सभी शूटर भाग निकले थे। फिलहाल घटना को अंजाम देने वाले पांच शूटर और एक लाइनर समेत गिरोह की पहचान कर एसटीएफ आगे की कारवाई में जुटी है।

गयाजी में मर्डर... गला कटने के बाद 30 मिनट तड़पता रहा पूर्व सरपंच

गया. गयाजी में गुरुवार की देर रात अपराधियों ने पूर्व सरपंच की गला रेतकर हत्या कर दी। अपराधियों ने पूर्व सरपंच की गला रेतकर फरार हो गए और वो जमीन पर 30 मिनट तक तड़पता रहा। घटना कोठी थाना क्षेत्र के तेलवारी गांव की है। मृतक की पहचान जगदीश साव (80) के रूप में हुई है। वो 2001 से 2007 तक मंझोली पंचायत के सरपंच थे। इस घटना का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में अपराधी नहीं दिख रहे हैं, लेकिन खून से लथपथ पूर्व सरपंच जमीन पर गिरे हैं और तड़प रहे हैं। किसी को इशारे में कटे गला को दिखा रहा है।

मृतक के परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों ने बताया कि देर रात ही घटना की सूचना पुलिस को दी। लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। शुक्रवार की सुबह 6 बजे मौके पर पहुंची है। जबकि गांव से कोठी थाने की दूरी सिर्फ 1 किलोमीटर है।

कराहने की आवाज सुनकर घर से बाहर निकले

मृतक के पोते शिवनंदन ने बताया कि 'दादा घर के बाहर चौकी पर सो रहे थे। पास में उनका ऑटो खड़ा था, जिसकी वो निगरानी भी करते थे। रात में अचानक उनके कराहने की आवाज सुनकर घर से बाहर निकले। चौकी से 100 मीटर दूरी वो खून से लथपथ पड़े थे।' 'गला कटने से ब्लीडिंग ज्यादा हो रही थी। तड़प-तड़पकर थोड़ी देर ही दम तोड़ दिया। किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। किसने मारा है, ये जांच का विषय है।' मंझोली पंचायत के मुखिया उत्तम दीप यादव ने बताया, 'जगदीश साव की किसी से दुश्मनी नहीं थी। उनकी हत्या किस वजह से की गई, यह क्लियर नहीं है। पुलिस को घटना की सूचना रात डेढ़ बजे दी गई, लेकिन वो शुक्रवार की सुबह 6 बजे पहुंची।'

आरजेडी से निकाले गए तेज प्रताप यादव नई पार्टी बनाएंगे, अनुष्का भी होंगी साथ?

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले राष्ट्रीय जनता पार्टी (आरजेडी) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप नया राजनीतिक दल बनाने जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार वे आज-कल में ही नई पार्टी के नाम का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि, उनकी ओर से अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। चर्चा यह भी है कि अनुष्का यादव भी उनकी नई पार्टी में साथ होकर राजनीति में कदम रख सकती हैं। कथित तौर पर अनुष्का से रिश्ते की बात सार्वजनिक होने के बाद ही लालू यादव ने तेज प्रताप को पार्टी और परिवार से बेदखल कर दिया था। आरजेडी और लालू परिवार से निकाले जाने के बाद तेज प्रताप यादव पटना में अपने सरकारी आवास पर रह रहे हैं। यहीं पर वे लगातार अपने समर्थकों के साथ बैठकें कर आगे की रणनीति पर चर्चा कर रहे हैं।

115 साल पुरानी कांवर यात्रा का सफर जारीःकहलगांव से 3000 कांवरिए निकले, बना आकर्षण का केंद्र

बांका. कहलगांव से शुरू हुई पड़ाव संघ की कांवर यात्रा शुक्रवार को बांका जिले के बाराहाट प्रखंड स्थित पंजवारा बाजार पहुंची। यह यात्रा 115वें वर्ष में है। इस बार करीब 3000 श्रद्धालु इसमें शामिल हैं। यात्रा की शुरुआत कहलगांव के घड़सी महाराज ने मात्र 5 श्रद्धालुओं के साथ की थी। कांवरिए उत्तरवाहिनी गंगा से जल लेकर बाबा बासुकीनाथ के मंदिर की ओर जा रहे हैं। यात्रा का मुख्य आकर्षण 51 फीट लंबा और करीब 3 क्विंटल वजनी कांवर है। कांवरिए इसे बारी-बारी से उठाकर ले जा रहे हैं। पंजवारा बाजार में कांवरियों के जत्थे ने विश्राम किया। भजन मंडली ने यहां भक्ति गीत प्रस्तुत किए। बोल बम और हर-हर महादेव के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में इस आयोजन में शामिल हुए। कांवरिए सोमवार को बाबा बासुकीनाथ मंदिर पहुंचकर जलार्पण करेंगे। यात्रा के दौरान कई स्थानों पर विश्राम और भजन-कीर्तन का आयोजन होगा। यह यात्रा क्षेत्र की धार्मिक परंपरा को मजबूत कर रही है।

मीरगंज में ट्रैक्टर से बांधकर दो युवकों पीटा

पूर्णिया. पूर्णिया जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र में एक गंभीर मामला सामने आया है। डुमरिया वार्ड नंबर 10 में भैया लाल यादव और उनके साथियों ने मोटर चोरी के शक में दो युवकों को बंधक बना लिया। पीड़ित जंगली ऋषि (26) और सूरज कुमार ऋषि को 11 जुलाई को घर और खेत से उठाया गया। आरोपियों ने दोनों को ट्रैक्टर से बांधकर लोहे की रॉड, लाठी और लात-घूंसों से पीटा। इतना ही नहीं, उन्होंने दोनों युवकों को बिजली का करंट भी दिया। स्थानीय लोगों ने पीड़ितों की चीख-पुकार सुनकर प्रशासन को सूचित किया। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों युवकों को बचाया। घायलों को अनुमंडल अस्पताल धमदाहा में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद आरोपी सूरज कुमार ऋषि के घर पहुंचे। वहां उन्होंने सूरज की मां के साथ मारपीट और गाली-गलौज की। मीरगंज थाना अध्यक्ष रोशन कुमार सिंह ने पीड़ित की शिकायत पर भैया लाल यादव समेत आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पत्नी को डुबोकर जान से मारने की कोशिश : मधुबनी में तालाब में पीटता रहा पति

मधुबनी. मधुबनी में एक पति ने अपनी पत्नी को तालाब में डुबो-डुबोकर मारने की कोशिश की। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसमें पति अपनी पत्नी को तालाब में पानी में डुबाता दिख रहा है। महिला झटपटाकर बाहर निकलती है तो पति फिर उसे पानी में डुबोकर मारने की कोशिश करता है। इस दौरान वो पत्नी के साथ मारपीट भी करता है। बताया जा रहा कि सास ने बेटे से शिकायत की थी। बहू घर के काम नहीं करती। इसके बाद पति ने मारपीट शुरू की। उसे तालाब तक घसीटते हुए लाया और डुबोकर मारने की कोशिश करने लगा। मामला मधेपुर थाना क्षेत्र का है। घटना 14 जुलाई की है। पति का नाम देवेन्द्र यादव (28) और पत्नी का नाम संगीता कुमारी (25) है। घटना के वक्त मौके पर 5 से 6 लोग मौजूद थे। सभी वीडियो बनाते रहे, लेकिन किसी ने महिला की मदद नहीं की। थोड़ी देर बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। एक बुजुर्ग महिला पति के बाल पकड़कर उसे रोकने की कोशिश करने लगी। लोगों के विरोध के बाद पति ने पत्नी छोड़ा। अधमरी हालत में महिला को लोगों ने तालाब से बाहर निकाला।

मायके वालों ने सास और पति पर केस दर्ज कराया

घटना के बाद संगीता अपने मायके भोलीरही गांव पहुंची। उसने अपने पिता श्यामलाल यादव की मदद से थाने में शिकायत दर्ज कराई। सास पर आरोप लगा है कि उसी के कहने पर देवेन्द्र ने बर्बता से उसकी पिटाई की। वो बाल पकड़कर उसे खिंचते हुए घर के पास वाले तालाब पर ले गया। इसके बाद पानी में उसका सिर डुबो-डुबोकर उसकी जान लेने की कोशिश की। फिलहाल महिला अपने मायके में रह रही है। संगीता की शादी 2016 में देवेन्द्र यादव से हुई थी। महिला का आरोप है कि 'शादी के कुछ महीनों बाद से ही उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। पति और सास भुलूर देवी लगातार उसे शारीरिक और मानसिक यातना देते रहे।' गांव वालो का कहना है कि 'संगीत का कोई कसूर नहीं था। उसके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। उसका पति ड्राइवर का काम करता था। हर रोज नशे की हालत में घर आता और पत्नी को मारता-पीटता था।' थानाध्यक्ष प्रकाश चंद्र राजू ने बताया कि 'आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सास के खिलाफ जांच चल रही है। पुलिस ने पीड़िता को सुरक्षा और न्याय का भरोसा दिलाया है। संगीता की शारीरिक स्थिति अब स्थिर है। हालांकि मानसिक रूप से वह आहत है।'

भगवान भोलेनाथका जलाभिषेक, कांवड़ यात्रा, गंगाजल का सनातनी स्वरूप

भगवान भोलेनाथ की पूजा और उनका जलाभिषेक कोई भी कर सकता है। भगवान भोलेनाथ की पूजा का कोई सनातनी स्वरूप नहीं है। भोलेनाथ के भक्त जिसमें अघोरी संप्रदाय, भूत, प्रेत, किन्नर मानव सभी अपनी अपनी मान्यता के अनुसार भगवान शिव का अभिषेक एवं पूजा-पाठ करते हैं। अपनी-अपनी मान्यता के अनुसार संकल्प लेते हैं। कांवड़ यात्रा भी उसका एक रूप है। सावन के महीने मैं भोलेनाथ के भक्त पवित्र नदियों का जल लेकर कई किलोमीटर की भक्ति भाव से यात्रा करते हुए, भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। यह परंपरा सेकडों वर्षों से चली आ रही है। कावड़ यात्रा को लेकर पहिले कोई विवाद नहीं हुआ। भगवान भोलेनाथ की कावड़ यात्रा में वह वर्ग शामिल होता है। जिन्हें आसानी से मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलता है। भोलेनाथ के भक्त अपनी आस्था के अनुसार जल, पत्ते, फूल, धतूरा भक्ति भाव से भोलेनाथ को अर्पित कर आस्था प्रकट करते है। भगवान भोलेनाथ के बारे में कहा जाता है, वह एक ऐसे भगवान है, जिनकी पूजा और भक्ति का कोई विधान नहीं है। अघोरी संप्रदाय अपना ज्यादा समय श्मशान में बिताते हैं। उज्जैन के मंदिर में रोजाना शमशान से मानव शव की ताजी भस्म लाकर पुजारी द्वारा भोलेनाथ को भस्म आरती की जाती है। सही मायनो में कहा जाए, भगवान भोलेनाथ की पूजा में सनातन धर्म के विधि विधान नहीं अपनाये जाते हैं। भगवान भोलेनाथ की पूजा कोई भी कर सकता है। ऐसी मान्यता प्रचलित है भगवान भोलेनाथ के भक्तों में सबसे ज्यादा वह लोग होते हैं। जिन्हें पूजा पाठ और विधान का कोई ज्ञान नहीं होता है। कांवड़ यात्रा 2014 के बाद से चर्चाओं में आ गई है। गंगा नदी का जल सभी जाति धर्म के मानवों के साथ-साथ प्रकृति में जितने भी जीव हैं। वह सब गंगाजल के सहारे अपना जीवन जीते हैं। गंगा मैया कोई भेदभाव नहीं करती है। कावड़ यात्री पवित्र घाट के जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करने कई किलोमीटर की यात्रा करते हैं। कावड़ में जल लेकर पैदल चलते हुए शिवलिंग में जल अर्पित करते हैं। भोलेनाथ के भक्तों में खाने-पीने तथा नशा इत्यादि का कोई परहेज नहीं होता है। यात्रा के दौरान गांजा भी पीते हैं, नशा भी करते हैं, मांस-मटन भी खाते हैं। आस्था और भक्ति भाव के साथ करके सेकडों किलोमीटर चलकर पवित्र नदियों जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर संकल्प पूरा करते है। कावड़ यात्री अब राजनीति के शिकार हो गई हैं। काँवड यात्रा में जाने वाले अधिकांश गरीब होते हैं। तीर्थ यात्री के रूप में जिस मार्ग से वह गुजरते है। भोलेनाथ के भक्त उनके खाने-पीने की व्यवस्था के लिए पेयजल, भोजन के लिए लंगर या स्टाल लगाकर, रात्रि में सोने के लिए उनकी व्यवस्था कर देते थे। कावड यात्रियों के खाने-पीने का इंतजाम, रुकने की व्यवस्था का जो कार्य आम नागरिक करते थे। वही कार्य राजनीतिक दल से जुड़े हुए संगठन करने लगे। पिछले 10 सालों में कावड़ यात्रा का जो स्वरूप देखने को मिल रहा है। उसके कारण ही कावड़ यात्रा विवादों में आ गई है। कावड़ यात्रा को धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर बांटा जा रहा है। भोलेनाथ के भक्तों को सनातन भक्त की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। सनातनी उनसे अपेक्षा करते है, कि वह सावन के महीने में मांसाहार, प्याज, लहसुन और अन्य पदार्थों का उपयोग न करें। कावड़ यात्रियों को भोजन की आवश्यकता होती है। मार्ग में उन्हें जो भी भोजन उपलब्ध होता है। वह अपनी सुविधा और मान्यताओं के अनुसार ग्रहण करते थे। पिछले कुछ वर्षों से कुछ धार्मिक संगठनो तथा भाजपा शासित सरकारों द्वारा कावड़ यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था उनके खाने-पीने ठहरने इत्यादि की व्यवस्था की जा रही है। उसके बाद से कावड़ यात्रा राजनीति के रंग में रंग गई है। भगवान भोलेनाथ के भक्तों को सनातनी के रूप में पेश किया जा रहा है। सनातनी पूजा पाठ का अलग विधि विधान है। भगवान भोलेनाथ की पूजा का अलग विधि विधान है। कावड यात्रा को लेकर जिस तरह की धारणा बनाई जा रही है। धार्मिक ध्रुवीकरण और धार्मिक उन्माद पैदा किया जा रहा है। कावड यात्रियों की आस्था को धार्मिक सनातनी स्वरूप देने की कोशिश हो रही है। आगे चलकर हिंदुओं के बीच विघटन करने का कारण बन सकती है। इस बात को समझना होगा, भगवान भोलेनाथ के भक्त भोले होते हैं, उनके भगवान भी भोले हैं। भोले अपनी आस्था और विश्वास को बिना किसी आडंबर के भगवान का अभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट करते हैं। भगवान भोलेनाथ की पूजा अघोर पद्धति से सबसे ज्यादा की जाती है। भोलेनाथ के भक्तों का जो नया सनातनी स्वरूप तैयार किया जा रहा है। आगे चलकर सनातनी परम्परा को परेशानियों का सामना करना होगा। भारत में जो सनातनी मंदिर हैं। सनातनियों की अपनी पूजा पद्धति है। हर मंदिर के अपने अलग-अलग नियम हैं। भोले के भक्त उन नियमों से परिचित नहीं होते हैं। वह भगवान पर अपना अधिकार जताते हैं। सरल सहज ढंग से भोले की पूजा अर्चना और अभिषेक करते हैं, वह शिवलिंग को छूते हैं। राजनीतिक लाभ के लिए जिस तरह से शिव भक्तों को सनातनी स्वरूप में पेश किया जा रहा है। वह आगे चलकर हिंदुओं के बीच बेमन्सय बढ़ा सकता है। भगवान भोलेनाथ की पूजा सारे देश में एक ही तरीके से होती है। वैदिक एवं सनातन धर्म संस्कृति में हर किसी की पूजा पद्धति अलग-अलग है। पुराणों के अनुसार शिव और विष्णु भक्तों के बीच में लड़ाई होती रहती थी। भगवान भोले के भक्त शमशान में भी रहते हैं। भूत-प्रेत और किन्नर भी होते हैं। जो किसी विधि विधान को नहीं मानते हैं। भक्ति भाव से भगवान भोलेनाथ की पूजा करते हैं। उन्हें किसी बंधन में नहीं बांधा जा सकता है। इस बात को ध्यान में रखा जाना चाहिए। राजनीति एवं सत्ता के लाभ के लिए काँवड़ यात्रा को जो रंग दिया जा रहा है। उसके कारण हिंदुओं के बीच में बड़ा विघटन भविष्य में पैदा हो सकता है। इस पर ध्यान रखने की जरूरत है।

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी। ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- 'बोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी-उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? यह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे-मांगे भी नहीं मिलता।

स्वच्छता एवं नशामुक्ति के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते सामाजिक संगठन

"भारत के पर्यावरण में सुधार लाने की दृष्टि से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो बाकायदा एक नई पर्यावरण गतिविधि को ही प्रारम्भ कर दिया है। जिसके अंतर्गत समाज में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर संघ द्वारा देश में प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करने का अभियान प्रारम्भ किया गया है और देश में अधिक से अधिक पेड़ लगाने की मुहिम प्रारम्भ की गई है। साथ ही, विभिन्न शहरों को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाने हेतु भी विशेष अभियान प्रारम्भ किए हैं। उदाहरण के तौर पर ग्वालियर को स्वच्छ, नशामुक्त एवं प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने का बीड़ा उठाया गया है।"

प्रहलाद सबनानी

इस धरा पर जन्म लेने वाले प्रत्येक जीव के लिए प्रकृति ने पर्याप्त खाद्य पदार्थ दिए हैं परंतु अति लालच के चलते मानव ने प्रकृति का शोषण करना शुरू कर दिया है। इसमें कोई अब कोई संदेह नहीं रह गया है कि मानव ने अपनी जिंदगी को आसान बनाने के लिए पर्यावरण का अत्यधिक नुक्सान किया है और इसका परिणाम आज उसे ही भुगतना भी पड़ रहा है। कई देशों में तो भयंकर गर्मी में वहां के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं जिनसे जान और माल की भारी हानि हो रही है। हम पर्यावरण के सम्बंध में बढ़ चढ़ कर चर्चाएं तो करते हैं परंतु आज हमारे गावों में खेत, प्लाटों में परिवर्तित हो गए हैं। हमारे खेतों पर शोपिंग काम्प्लेक्स एवं मॉल खड़े हो गए हैं जिससे हरियाली लगातार कम होती जा रही है। बीते कुछ वर्षों में कंकरीट की इमारतों में अत्यधिक वृद्धि एवं भूमि प्रयोग में बदलाव के चलते भारत में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश के महानगर अर्बन हीट आइलैंड बन रहे हैं। अर्बन हीट आइलैंड वह क्षेत्र होता है जहां अगल-बगल के इलाकों से अधिक तापमान रहता है। कई स्थानों पर अत्यधिक गर्मी के पीछे अपर्याप्त हरियाली, अधिक आबादी, घने बसे घर और इंसानी गतिविधियां जैसे गाडियों और गैजेट से निकलने वाली हीट आदि कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। कार्बन डाईआक्साइड और मेथेन जैसी ग्रीन हाउस गैसों एवं कूड़ा जलाने से भी गर्मी बढ़ती है। राजधानी दिल्ली का उदाहरण हमारे सामने है। जहां चारों दिशाओं में बने डंपिंग यार्डों में आग लगी ही रहती है और लोगों का सांस लेना भी अब दूभर हो रहा है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन रहित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया हुआ है। यद्यपि पर्यावरण रक्षा में भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं लेकिन यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक देशवासी प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक अत्यधिक शोषण करना बंद नहीं करते। शहरों के बढ़ते तापमान की रोकथाम हेतु जरूरी है कि मौसम और वायु प्रवाह का ठीक तरह से नियोजन किया जाए। हरियाली का विस्तार, जल स्त्रोतों की सुरक्षा, वर्षा जल संचय, वाहनों एवं एयर कंडीशंस की संख्या की कमी से ही हम प्रचंड गर्मी को कम कर सकते हैं। पृथ्वी का तापमान घटेगा तभी मानव सुरक्षित रह पाएगा।

उक्त संदर्भ में यह हम सभी भारतीयों के लिए हर्ष का विषय होना चाहिए कि हमारे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन मौजूद हैं जो सदैव ही सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर, देश पर आने वाली किसी भी विपत्ति में आगे आकर, सेवा कार्य करना प्रारम्भ कर देते हैं। भारत के पर्यावरण में सुधार लाने की दृष्टि से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो बाकायदा एक नई पर्यावरण गतिविधि को ही प्रारम्भ कर दिया है। जिसके अंतर्गत समाज में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर संघ द्वारा देश में प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करने का अभियान प्रारम्भ किया गया है और देश में अधिक से अधिक पेड़ लगाने की मुहिम प्रारम्भ की गई है। साथ ही, विभिन्न शहरों को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाने हेतु भी विशेष अभियान प्रारम्भ किए हैं। उदाहरण के तौर पर ग्वालियर को स्वच्छ, नशामुक्त एवं प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने का बीड़ा उठाया गया है। इसी संदर्भ में ग्वालियर महानगर में विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय शिविर आयोजित किया गया था। इस शिविर के एक विशेष सत्र में इस बात पर विचार किया गया कि ग्वालियर महानगर को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाया जाना चाहिए। उक्त शिविर के समापन के पश्चात उक्त समस्याओं के हल हेतु विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं की तीन बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में विस्तार से विचार करने के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि कुछ चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन्न मठ, मंदिरों, स्कूलों, संस्थानों आदि में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा जाए ताकि उक्त समस्याओं के हल में समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस संदर्भ में चुने गए 60 कार्यकर्ताओं के लिए एक वक्ता कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इन चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन संस्थानों में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा गया था ताकि उक्त समस्याओं के हल करने हेतु समाज को भी साथ में लेकर कार्य को सम्पन्न किया जा सके। साथ ही, ग्वालियर को प्रदूषण मुक्त सुंदर नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 25 दिसम्बर 2024 को, ग्वालियर के चुने हुए 29 चौराहों पर मानव श्रृंखलाएं बनाई गई थी, लगभग 8,000 नागरिकों ने इस मानव श्रृंखला में भागीदारी की थी। इसी प्रकार, ग्वालियर को व्यसन मुक्त नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के शुभ अवसर पर, दिनांक 12 जनवरी 2025 को एक विशाल मेराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के आयोजन में स्थानीय प्रशासन का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ एवं लगभग 6,000 नागरिकों ने इस मेराथन दौड़ में भाग लिया था। संघ के ग्वालियर विभाग द्वारा ग्वालियर महानगर में अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने की मुहिम प्रारम्भ की गई। जिसके अंतर्गत ग्वालियर के कई विद्यालयों में वहां के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को साथ लेकर स्वयंसेवकों द्वारा नगर में भारी मात्रा में पौधारोपण किया गया। ग्वालियर की पहाड़ियों पर भी इस मानसून के मौसम के दौरान हजारों की संख्या में नए पौधे रोपे गए हैं। गजराराजा स्कूल, केआरजी महाविद्यालय एवं गुप्तेश्वर मंदिर की पहाड़ियों को तो पूर्णतः हरा भरा बना दिया गया है। नगर के प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा नगर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों, व्यावसायिक संगठनों, धार्मिक संगठनों, एवं नगर के विभिन्न चौराहों पर नागरिकों को शपथ दिलाई जा रही है कि "मैं ग्वालियर नगर को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु, आज से प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करूंगा"। अभी तक एक लाख से अधिक नागरिकों को यह शपथ दिलाई जा चुकी है। कई स्कूल, कई मंदिर एवं कई महाविद्यालय पोलिथिन मुक्त हो चुके हैं। इसी प्रकार, ट्रिपल आईटीएम प्रबंधन के प्रयास से संस्थान के आसपास दुकानदारों द्वारा मादक पदार्थों के बिक्री करना बंद कर दिया गया है।

21वीं सदी का भारत : विश्व व्यवस्था में एक निर्णायक आवाज

"भारत की सैन्य स्थिति और आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन भी एक महत्वपूर्ण संकेत है कि वह अब वैश्विक शक्ति संतुलन में केवल एक संख्या नहीं, बल्कि एक नीति-निर्माता है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री नीति, चीन की बढ़ती गतिविधियों पर निगरानी, जैसे संगठनों में सहभागिता और रणनीतिक साझेदारी – ये सभी इस बात को रेखांकित करते हैं कि भारत केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं रहा, वह एक वैश्विक सामरिक ताकत बन चुका है। 21वीं सदी में वैश्विक नैतिकता, तकनीकी न्याय और मानवतावादी नीतियों की आवश्यकता पहले से अधिक हो गई है।"

पूनम चतुर्वेदी शुक्ला

भारत का लोकतंत्र विश्व में सबसे बड़ा और जीवंत माना जाता है। यहां की चुनाव प्रणाली को संविधान द्वारा सुनिश्चित की गई स्वतंत्रता, निष्पक्षता और पारदर्शिता की कसौटी पर खरा उतरना होता है। परंतु कुछ ऐसे क्षण आते हैं, जब लोकतंत्र को उसकी परिभाषा और नैतिकता पर कसौटी से गुजरना पड़ता है। ऐसा ही एक ऐतिहासिक अवसर वर्ष 1975 में आया, जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय देते हुए देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 1971 के लोकसभा चुनाव को रद्द कर दिया। यह निर्णय भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में एक क्रांतिकारी मोड़ था, जिसने न केवल सत्ता की जवाबदेही को रेखांकित किया, बल्कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता को भी ऐतिहासिक रूप से प्रतिष्ठित किया।"21वीं सदी का भारत : विश्व व्यवस्था में एक निर्णायक आवाज" 21वीं सदी का आगमन केवल एक कालखंड का बदलाव नहीं था, बल्कि यह वैश्विक शक्ति-संतुलन के पुनः परिभाषित होने की शुरुआत थी। इस सदी में भारत का उभार केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति के रूप में नहीं देखा जा रहा है, बल्कि एक ऐसी नैतिक और सांस्कृतिक शक्ति के रूप में सामने आया है, जो वैश्विक राजनीति, विकासशील राष्ट्रों की आकांक्षाओं, पर्यावरणीय न्याय, तकनीकी लोकतंत्र और बहुपक्षीय कूटनीति में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। आज भारत न केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहा है, बल्कि वह नई विश्व व्यवस्था के निर्माण में एक केंद्रीय स्तम्भ के रूप में उभर रहा है।

भारत की इस भूमिका की नींव उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्यों में निहित है, जिसे वह सदियों से विश्व को देता आया है – वसुधैव कुटुम्बकम् (संपूर्ण विश्व एक परिवार है) की भावना। आज जब विश्व अनेक संकटों से जूझ रहा है – चाहे वह रूस-यूक्रेन युद्ध हो, जलवायु परिवर्तन हो, या वैश्विक मंदी की आशंका – भारत ने अपने संतुलित और संवादप्रधान रुख से यह सिद्ध कर दिया है कि वह संघर्षों में पक्षधर नहीं, बल्कि समाधानकर्ता बनकर खड़ा है। भारत की इस नीति को उसकी रणनीतिक स्वायत्तता कहा गया, जिसे रूस से ऊर्जा आयात के मामले में और पश्चिमी देशों से कूटनीतिक रिश्तों में संतुलन बनाकर सफलतापूर्वक निभाया गया।

भारत की वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका को सबसे स्पष्ट रूप से देखा गया G20 की अध्यक्षता के दौरान। वर्ष 2023 में जब भारत ने G20 का नेतृत्व किया, तो उसने "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" का मंत्र दिया, जो केवल एक नारा नहीं था, बल्कि एक वैचारिक दृष्टिकोण था, जो भविष्य की वैश्विक साझेदारी का खाका प्रस्तुत करता है। G20 के अंतर्गत वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को प्रमुखता देने, अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्यता दिलवाने, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को बढ़ावा देने और जलवायु न्याय जैसे विषयों को मजबूती से रखने का काम भारत ने किया। यह दर्शाता है कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि उन देशों के लिए भी सोचता है जो वर्षों से वैश्विक निर्णय प्रक्रियाओं से बाहर रहे।

भारत की तकनीकी क्षमता और डिजिटल सशक्तिकरण मॉडल भी आज पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। चाहे वह आधार जैसी डिजिटल पहचान हो, UPI जैसी भुगतान प्रणाली हो, या फिर कोविन जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म – भारत ने यह सिद्ध किया है कि तकनीक केवल संपन्न देशों का औजार नहीं है, बल्कि वह विकासशील देशों की भी पूंजी बन सकती है। आज अनेक देश भारत से UPI जैसी तकनीकों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जिससे भारत वैश्विक डिजिटल लोकतंत्र के निर्माता के रूप में सामने आया है।

भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका में एक और महत्वपूर्ण पहलू है – भू-राजनीतिक कूटनीति में उसकी विश्वसनीयता। हाल के वर्षों में भारत ने अमेरिका, रूस, फ्रांस, इजराइल, खाड़ी देशों, जापान और दक्षिण एशियाई देशों के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को संतुलित और परिपक्व बनाया है। यह बहुस्तरीय कूटनीति भारत को एकमात्र ऐसा राष्ट्र बनाती है, जो पश्चिम और पूर्व, उत्तर और दक्षिण – सभी के बीच संवाद का पुल बन सकता है। जब संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ रहे हों, तब भारत एक मध्यस्थ लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में अधिक प्रभावशाली बनकर उभरता है। आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति वैश्विक मंच पर निर्णायक होती जा रही है। हाल ही में भारत ने ब्रिटेन को पीछे छोड़कर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का गौरव प्राप्त किया। विश्व बैंक, आईएमएफ और ओईसीडी जैसी संस्थाओं ने भी भारत की आर्थिक संभावनाओं को आने वाले दशकों के लिए सबसे मजबूत बताया है। "मेक इन इंडिया", "स्टार्टअप इंडिया", "पीएलआई स्कीम" जैसी योजनाओं ने निवेशकों के बीच विश्वास पैदा किया है कि भारत अब केवल एक उपभोक्ता नहीं, बल्कि एक उत्पादक शक्ति भी है। भारत की ऊर्जा नीति और जलवायु परिवर्तन पर उसकी स्थिति भी अब वैश्विक विमर्श का हिस्सा बन चुकी है। भारत ने पेरिस समझौते के तहत तय लक्ष्यों से अधिक तीव्रता से नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि की है। "इंटरनेशनल सोलर अलायंस" (ISA) जैसे संगठनों की स्थापना कर भारत ने यह साबित किया है कि वह केवल समस्या की बात नहीं करता, समाधान भी देता है। इस वैश्विक नेतृत्व में भारत की सोच समावेशी है – वह पश्चिमी राष्ट्रों की तरह अपनी बात थोपता नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर चलता है।

भारत की सैन्य स्थिति और आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन भी एक महत्वपूर्ण संकेत है कि वह अब वैश्विक शक्ति संतुलन में केवल एक संख्या नहीं, बल्कि एक नीति-निर्माता है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री नीति, चीन की बढ़ती गतिविधियों पर निगरानी, जैसे संगठनों में सहभागिता और रणनीतिक साझेदारी – ये सभी इस बात को रेखांकित करते हैं कि भारत केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं रहा, वह एक वैश्विक सामरिक ताकत बन चुका है। 21वीं सदी में वैश्विक नैतिकता, तकनीकी न्याय और मानवतावादी नीतियों की आवश्यकता पहले से अधिक हो गई है। भारत की सभ्यता-संस्कृति, उसकी लोकतांत्रिक परंपरा और सबको साथ लेकर चलने की नीति – उसे इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है। भारत ने न तो उपनिवेश बनाए, न ही विस्तारवादी युद्ध लड़े। वह आज भी सबको जोड़ने, सहेजने और साथ चलने की बात करता है।

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का सारथी

डॉ. मनसुख मांडविया

कहा जाता है कि अगर किसी देश को आगे बढ़ना है, विकसित होना है, तो उसका युवा सशक्त और समर्थ होना चाहिए। विश्व में भारत ऐसा देश है, जहां सबसे अधिक युवा आबादी है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो उसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारी युवा शक्ति ही निभाएगी। देश के विकास की रफ्तार युवाओं की ऊर्जा, विचार और संकल्प से ही तय होती है। लेकिन आज राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, अपने युवाओं को नशे की लत से दूर रखना। वर्तमान में युवा वर्ग नशे के घेरे में आता जा रहा है। यह नशा न केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि करियर, सपनों और देश की ताकत को भी प्रभावित कर रहा है। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 10 से 24 वर्ष की उम्र के हर 5 में से 1 युवा ने कभी न कभी ड्रग्स का सेवन किया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) की रिपोर्ट के अनुसार, 8.5 लाख से अधिक बच्चे ड्रग्स की लत का शिकार हैं। ये आंकड़े बेहद डरावने और चिंतन योग्य हैं।

ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के खात्मे के लिए भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में कई प्रभावी कदम उठाए हैं। 2020 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने नशा मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की। नशे की लत को रोकने और पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र और आउटरीच-कम-ड्रॉप-इन सेंटर की स्थापना की। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए गए। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने ड्रग माफिया के विरुद्ध सशक्त ऑपरेशन्स किए। साथ ही, देशभर में युवाओं की काउंसलिंग हेतु हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए गए। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में भी स्थानीय प्रशासन, गैर-सरकारी संस्थाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से नशे के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं। भारत इस लड़ाई को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में माई भारत ने एक बड़ी पहल की है। बाबा काशी विश्वनाथ की धरती से 19 से 20 जुलाई तक युवा आध्यात्मिक समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसका थीम होगा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत। वाराणसी के पावन घाटों पर आयोजित होने वाले इस समिट का उद्देश्य, एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाना है, जो युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान को सशक्त बनाए। इस समिट में देशभर की 100 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं के युवा प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं भी इसमें सहभागिता करेंगी। इसके माध्यम से युवाओं को एक ऐसा मंच मिलेगा, जहां वो अपनी आवाज़ को सरकार और नीति निर्माताओं तक पहुँचा सकेंगे। इस समिट में देश की नशे के विरुद्ध लड़ाई को मजबूत करने के लिए विभिन्न सेशन्स आयोजित किए जाएंगे। इसमें नशे की प्रवृत्ति, इसकी प्रकृति, प्रकार, पीड़ितों की जनसांख्यिकी, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव और सरकार तथा माई भारत के युवा स्वयंसेवकों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श और चर्चा होगी। साथ ही नशे की लत से उबरने वाले युवाओं की प्रेरक कहानियां और उनके अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि अन्य युवा उनसे प्रेरणा ले सकें। अंत में एक काशी डिक्लेरेशन जारी किया जाएगा, जो अगले पांच वर्षों के लिए नशा मुक्ति अभियान का रोडमैप होगा। इसमें यह तय किया जाएगा कि युवाओं को किस प्रकार नशे से दूर रखा जाए, नशे की गिरफ्त में आए लोगों की कैसे सहायता की जाए और पूरे देश में जागरूकता अभियान को किस तरह तेज किया जाए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश की अमृत पीढ़ी के सपनों का भारत बनाने की बात करते हैं। उनके विजन के अनुरूप, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम, एक समग्र और प्रभावशाली पहल का उदाहरण बनेगा। यह पहल न केवल युवाओं को नशे से दूर रखने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में भी सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी। देश को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी युवा शक्ति की है। काशी में आयोजित होने वाला युवा आध्यात्मिक समिट इस लक्ष्य की दिशा में केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का प्रारंभ स्थल बनेगा।

मूंगफली को होने वाले रोग और उनसे बचाव के तरीके

रोमिल इल्ली एक ऐसा कीट है, जो पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहिन कर देता है. समय पर इससे बचने के लिए कोई उपयुक्त कदम नहीं उठाए गए तो यह पौधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं. इसकी रोकथाम का एकमात्र उपाय यही है कि जैसे ही आपको इसे अंडे मूंगफलियों की पत्तियों में दिखे तो उसे काटकर जला देना चाहिए, अन्यथा यह धीरे–धीरे पूरे पत्तियों को अपनी चपेट में ले लेते हैं.

मूंगफली एक तिलहन फसल है. प्रायः इसका उत्पादन तेल उत्पादन करने के उद्देश्य से किया जाता है. इसकी खेती कई राज्यों में होती है, जिसमें गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु समेत कई अन्य राज्य शामिल है. किसान भाई मूंगफली की खेती कर अच्छा मुनाफा अर्जित कर रहे हैं.

जैसा कि हम सब जानते हैं कि हर फसल में विभिन्न प्रकार के रोग होते हैं. उसी प्रकार से मूंगफली को विभिन्न प्रकार के रोग होने की संभावना बनी रहती है, जिसका उपचार करने के लिए अलग-अलग तरह की तरीके अपनाएं जाते हैं. आइए, इस लेख में आगे जानते हैं कि आमतौर पर मूंगफली को किस तरह रोग होने की संभावना रहती है और इससे उपचार करने हेतु किस तरह की औषधियों का सहारा लिया जाता है.

रोग नियंत्रण

जब किसान भाई किसी फसल की खेती करते हैं, तो उस फसल को विभिन्न प्रकार के रोग होने की संभावना बनी रहती है. इन रोगों से बचाव हेतु विभिन्न प्रकार की विधियां निर्धारित की गई हैं. इस लेख में आगे हम मूंगफली को होने वाले रोग व उससे बचाव के तरीकों के बारे में जानेंगे.

रोजट रोग

यह मूंगफली में होने वाला विषाणु जनित रोग है. इसकी वजह से पौधे बौने हो जाते हैं और पत्तियों का रंग पीला हो जाता है. यह रोग मुख्यतः विषाणु फैलने वाले माहूं से फैलता है. इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए.

टिक्का रोग

मूंगफली में जब यह रोग होता है, तो उसके पत्तों पर छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई देने लगते हैं. ये धब्बे धीरे-धीरे पत्तियों व तनों में फैल जाते हैं. इसकी वजह से पत्तियां सूखकर झड़ जाती हैं और पौधों में सिर्फ तने ही रह जाते हैं.

यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है. फसलों को इस रोग से बचाने हेतु किसान भाई डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए.

कीट नियंत्रण

सामान्यतः मूंगफली को विभिन्न प्रकार के कीटों का भी सामना करना पड़ता है. आइए, इस लेख में हम आपको कुछ कीटों के बारे में बताए चलते हैं, जिसकी चपेट में आने की संभावना मूंगफली को रहती है.

रोमिल इल्ली

रोमिल इल्ली एक ऐसा कीट है, जो पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहिन कर देता है. समय पर इससे बचने के लिए कोई उपयुक्त कदम नहीं उठाए गए तो यह पौधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं. इसकी रोकथाम का एकमात्र उपाय यही है कि जैसे ही आपको इसे अंडे मूंगफलियों की पत्तियों में दिखे तो उसे काटकर जला देना चाहिए, अन्यथा यह धीरे–धीरे पूरे पत्तियों को अपनी चपेट में ले लेते हैं.

मूंगफली की माहू

यह कीट छोटे व भूरे रंग के होते हैं. यह पत्तियों को चूसने का काम करते हैं, जिससे उनकी पूरी पत्तियों का रस यह चूस जाया करते हैं. इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए.

लीफ माइनर

इस कीट के चपेट में आने के बाद पत्तियों में पीले रंग के धब्बे दिखाई देने लगते हैं. यह पत्तियों को धीरे-धीरे अंदर से खा जाते हैं और पत्तियों पर हरी धारियां बना देते हैं.

केसर की खेती कब और कैसे करें

केसर एक फूल वाला पौधा है और दुनिया के सबसे महंगे मसालों में से एक है और सबसे महंगा मसाला होते हुए भी यह दुनिया में कहीं भी उग सकता है. भारत में केसर की खेती मुख्य रूप से हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में की जाती है, लेकिन अब किसान अपने प्रयोग से इसको यूपी और राजस्थान (राजस्थान) जैसे राज्यों में भी उगा रहें है. अब ऐसे में बहुत से किसानों का यह सवाल होता है कि इसकी खेती कैसे की जाती है, तो आइये जानते हैं.

केसर ईरान, भारत, अफगानिस्तान, इटली, फ्रांस, न्यूजीलैंड, पेंसिल्वेनिया, स्पेन, पुर्तगाल, ग्रीस और मोरक्को, तुर्की और चीन जैसे देशों के कुछ हिस्सों में उगाया जाता है. चूंकि यह पौधा दुनिया के विभिन्न हिस्सों में फैला हुआ है, केसर की खेती की रोपण तकनीक भी भिन्न हो सकती है, जो कि जलवायु, मिट्टी के प्रकार, रोपण की गहराई और कॉर्म की दूरी के आधार पर भिन्न हो सकती है.

- केसर के पौधे के बारे में कुछ जानकारी
- जंगली केसर का वैज्ञानिक नाम क्रोकस कार्टराइटियनस है.
- ऐसा कहा जाता है कि केसर की उत्पत्ति ग्रीस में हुई थी.
- केसर के पौधे 20 सेमी की ऊंचाई तक बढ़ सकते हैं.
- केसर के फूलों को तीन शाखाओं में बांटा गया है.
- फूल बैंगनी से बकाइन तक रंग में भिन्न होता है, और लाल रंग के कलंक को मसाले के रूप में इस्तेमाल किया जाता है.

केसर की खेती कैसे करें?

जलवायु : केसर को उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगाने के लिए सर्वोत्तम जलवायु चाहिए होती है. यह इसमें सबसे अच्छा बढ़ता है जहां इसे हर दिन कम से कम 12 घंटे सीधी धूप मिलती है.

मिट्टी

अन्य सभी फसलों और मसालों की तरह केसर की खेती अत्यधिक मिट्टी के प्रकार पर आधारित होती है. अम्लीय से तटस्थ, बजरी, दोमट और रेतीली मिट्टी इसके उचित वृद्धि के लिए सर्वोत्तम हैं. केसर की खेती के लिए मिट्टी का पीएच स्तर 6 से 8 होना चाहिए. बता दें कि केसर भारी, चिकनी मिट्टी में नहीं उग सकता है.

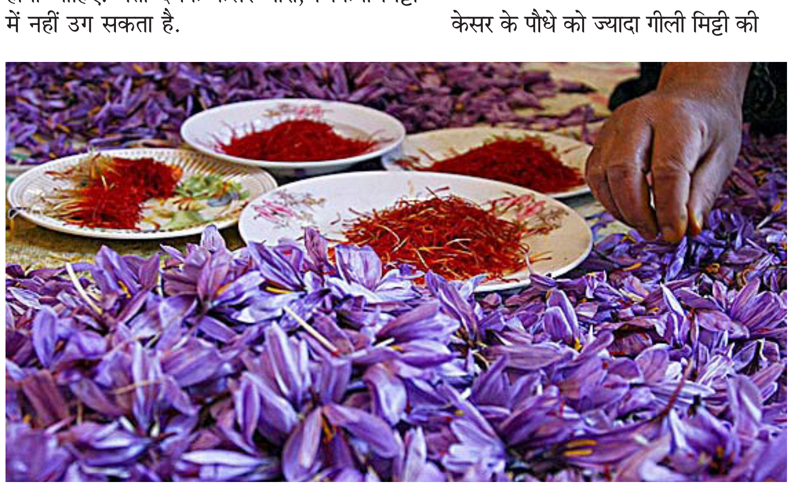

ऋतु

केसर की खेती के लिए जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर महीने सबसे अच्छा माना जाता है. पौधा अक्टूबर में फूलना शुरू कर देता है और इसको गर्मियों में गर्मी के साथ सूखापन और सर्दियों के दौरान अत्यधिक ठंड की आवश्यकता होती है.

पानी

केसर के पौधे को ज्यादा गीली मिट्टी की जरूरत नहीं होती है इसलिए इसे कम पानी की आवश्यकता होती है. यदि हम संख्या के अनुसार देखें तो केसर की खेती के दौरान प्रति एकड़ लगभग 283 घन मीटर पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए.

केसर की कटाई

उच्च देखभाल के अलावा, केसर इतना महंगा होने का मुख्य कारण यह है कि यह केसर की कटाई के लिए श्रमसाध्य और समय लेने वाला होता है. फूलों की कटाई भोर में करनी चाहिए, क्योंकि फूल भोर में खिलते हैं और दिन बढ़ने पर मुरझा जाते हैं. केसर की कटाई के बारे में अधिक विशिष्ट होने के लिए, केसर के फूलों को सूर्योदय से सुबह 10 बजे के बीच तोड़ना चाहिए.

कितना होना चाहिए अंतर

कॉर्म के बीच की दूरी काफी हद तक उनके आकार पर निर्भर करती है. इटली में केसर की खेती में, किसान कृमि को 2-3 सेंटीमीटर और 10 से 15 सेंटीमीटर की गहराई तक रोपते हैं, एक ऐसी तकनीक जो उन्हें फूलों की अधिकतम फसल और प्रचुर मात्रा में कॉर्मलेट देती है. ग्रीक के किसान प्रत्येक पंक्ति के बीच 25-सेंटीमीटर की दूरी और कॉर्म के बीच 12-सेंटीमीटर की दूरी रखते हैं, जिनमें से प्रत्येक को 15 सेंटीमीटर की गहराई में दबाया जाता है. स्पेन में, पंक्तियों में 3 सेंटीमीटर और कॉर्म 6 सेंटीमीटर से दूर होते हैं. भारत में, प्रत्येक पंक्ति के बीच 15 से 20 सेंटीमीटर और प्रत्येक कॉर्म के बीच 7.5 से 10 सेंटीमीटर की दूरी होती है.

केसर के उपयोग

- भारत में, केसर का उपयोग मुख्य रूप से कई व्यंजनों में रंग भरने और स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है.
- भारतीय आयुर्वेद में इसका उपयोग गठिया, बांझपन, यकृत वृद्धि और बुखार को ठीक करने के लिए भी किया जाता है.
- केसर का उपयोग व्यावसायिक रूप से कॉस्मेटिक और परफ्यूम में भी किया जाता है.
- यह भी माना जाता है कि अगर गर्भवती महिला केसर में उबाला हुआ दूध अच्छी तरह से पीती है, तो इससे बच्चे का स्वास्थ्य और रंग अच्छा हो सकता है.

सेल्फी की आदत से बच्चों को दूर रखें

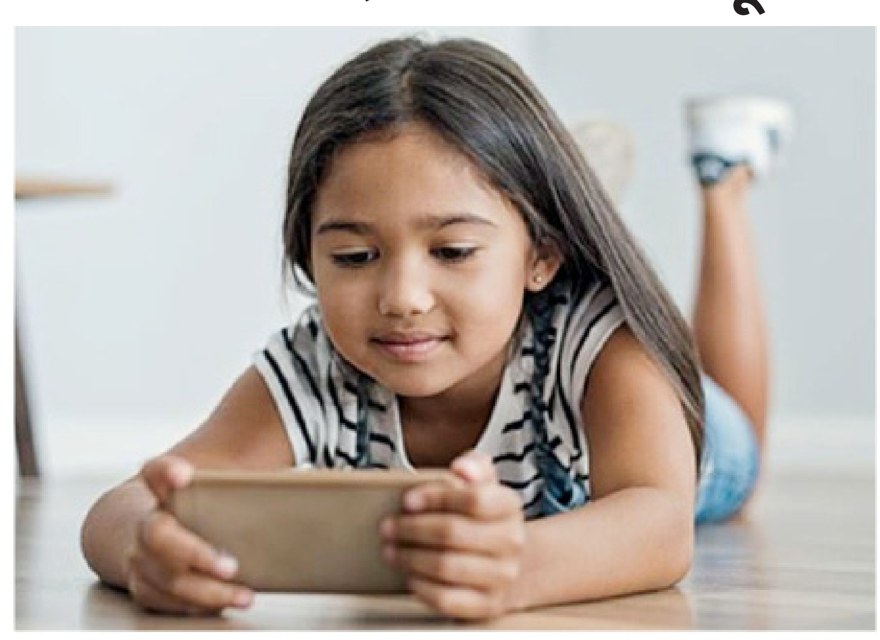

आजकल मोबाइल की पहुंच बच्चों ओर किशोरों तक भी है और वह भी सेल्फी लेने लगे हैं। वहीं इससे लगातार हादसे के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को इस आदत से दूर रखना अभिभावकों का काम है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार हम एक ऐसे युग में रहते हैं जहां मोबाइल फोन हमारे जीवन में प्रवेश कर चुका है और वास्तविक मानवीय संपर्क लगभग न के बराबर है हालांकि प्रौद्योगिकी ने सभी के लिए जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी है। पिछले दो वर्षो में दुनिया भर में सेल्फी का बुखार बढ़ा है। सेल्फी को दुनिया भर में बड़ी संख्या में मृत्यु दर और महत्वपूर्ण बीमारी से जोड़ा गया है।

इस डिजिटल युग में, अच्छे स्वास्थ्य के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरुरत से ज्यादा न हो। हम में से बहुत से लोग ऐसे उपकरणों के गुलाम बन गए हैं जो वास्तव में हमें फ्री टाइम देने और जीवन को बेहतर तरीके से अनुभव करने तथा लोगों के साथ अधिक समय बिताने के लिए बनाये गये थे। जब तक जल्द से जल्द एहतियाती उपाय नहीं किए जाते, यह लत लंबी अवधि में किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। मोबाइल फोन के अधिक उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं को अभिभावक इस प्रकार रोकें। बच्चों को सोने से 30 मिनट पहले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करने दें हर तीन महीने में सात दिन के लिए फेसबुक से दूर रखें।सप्ताह में एक बार, पूरे दिन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग न करने दे।अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल तभी करें जब घर से बाहर हों। अपने मोबाइल टॉक टाइम को दिन में दो घंटे तक सीमित करें। अपने मोबाइल की बैटरी को दिन में एक से अधिक बार रिचार्ज न करें। मोबाइल भी अस्पताल में संक्रमण का एक स्त्रोत हो सकता है, इसलिए, इसे हर दिन कीटाणुरहित किया जाना चाहिए।

बच्चों को जिम्मेदार भी बनाते हैं पेट्स

आजकल एकल परिवार हैं। ऐसे में बढ़ती महंगाई और खर्चों के कारण अब माता-पिता दोनों काम करते हैं और इस कारण उन्हें ज्यादातर समय घर से बाहर ही रहना पड़ता है। ऐसे में देखा गया है कि बच्चे, विशेषकर अकेला बच्चा, खुद को अकेला और उपेक्षित महसूस करता है। ज्यादातर मामलों में अभिभावक अपने बच्चों के साथी के तौर पर पालतू जानवरों पसंदीदा (पेट्स) को रखते हैं। एक पालतू जानवर बच्चे के भाई-दोस्त या परिवार के सदस्य की जगह नहीं ले सकता, पर यह बच्चे के खालीपन को जरूर भर सकता है। जब बच्चा किसी पेट के साथ बड़ा होता है, तो वह कई चीजें सीखता है। ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को मजबूत बनना सिखाते हैं। लेकिन जब एक बच्चा घर में किसी पेट के साथ बड़ा होता है तो वह ज्यादा संवेदनशील होना सीखता है। वह इनके बीमार होने पर दर्द समझता है। पेट्स के साथ वक्त बिताने का एक अन्य फायदा यह होता है कि बच्चे ज्यादा सतर्क रहना सीख जाते हैं। वह जान जाते हैं कि कब उसे भूख लगी है। पालतू जानवरों की देखभाल करते वक्त केयरिंग, संवेदनशील और चौकन्ना रहने की जरूरत होती है और पेट्स के साथ वक्त बिताते हुए बच्चे कम उम्र में ही इन खूबियों को अपने अंदर ढाल लेते हैं। पेट्स के साथ बड़े होने का एक अन्य फायदा है कि इससे बच्चे जिम्मेदार बनना सीखते हैं। पेट्स का साथ बच्चों को जिम्मेदार बनना सिखाता है क्योंकि वह अपने प्यारे पेट की सभी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। यदि बच्चे को उसके पेट्स के खाने, घुमाने और डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने जैसी जिम्मेदारी दे दी जाएं, तो वह अपने काम को सही तरीके से अंजाम देते हैं। पेट्स के साथ रखकर उन्हें जिंदगी और मौत के चक्र के बारे में बताया जा सकता है। एक अभिभावक होने के नाते आप अपने पालतू जानवर के जीवन का हर पड़ाव देखते हैं। आप उसके बचपन से लेकर उसे बड़ा होते हुए और फिर वृद्धावस्था में जाने के बाद उसकी मृत्यु को भी देखते हैं। उनकी यह जिंदगी और मौत हमें इंसान के जीवन के पूरे चक्र के बारे में बताते हैं।

डिजी यात्रा ऐप के डाउनलोड्स की संख्या 1.5 करोड़ के पार

बेंगलुरु,(ईएमएस)। डिजी यात्रा ऐप के डाउनलोड्स की संख्या 1.5 करोड़ के पार पहुंच गई है। लोग एयरपोर्ट पर बायोमेट्रिक और कॉन्टेक्टलेस एंट्री को महत्व दे रहे हैं। यह जानकारी शुक्रवार को डिजी यात्रा फाउंडेशन ने दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डिजी यात्रा फाउंडेशन द्वारा जारी बयान में कहा है कि डिजी यात्रा चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने वाली एक सेल्फ-सॉवरेन आइडेंटी ऐप है। बढ़ते प्रचलन के कारण यह भारतीय हवाई अड्डों के जरिए गोपनीयता-प्रथम, कुशल और परेशानी मुक्त आवागमन सुनिश्चित करके हवाई यात्रा के भविष्य को परिभाषित करना जारी रखे है। बता दें दिसंबर 2022 में अपनी स्थापना के बाद से डिजी यात्रा ने देश भर के 24 हवाई अड्डों पर उन्नत चेहरे की प्रमाणीकरण तकनीक को एकीकृत करते हुए 60 मिलियन से ज्यादा बाधारहित यात्राओं की सुविधा प्रदान की है। औसतन 30 हजार दैनिक ऐप डाउनलोड और अगस्त 2025 तक 16.5 मिलियन डाउनलोड के अनुमान के साथ यह प्लेटफॉर्म डिजिटल यात्रा इनोवेशन में नए मानक स्थापित कर रहा है। 2028 तक डिजी यात्रा का लक्ष्य भारत में करीब 80 फीसदी घरेलू हवाई यात्रियों को सेवा प्रदान करना है, वर्तमान में यह आंकड़ा 30-35 फीसदी है। बयान में कहा गया है कि बोर्डिंग पास साझाकरण को सुव्यवस्थित करने के लिए एयरलाइनों और ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों के साथ एकीकरण की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। डिजी यात्रा फाउंडेशन के सीईओ ने कहा कि 15 मिलियन उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार करना डिजी यात्रा के निर्बाध, सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार यात्रा अनुभव प्रदान करने के विजन में बढ़ते विश्वास की एक मजबूती प्रदान करेगा। 2024 में डी-केवाईसी अभियान और टियर-2 हवाई अड्डों तक विस्तार जैसी पहलों ने हमें व्यापक दर्शकों से जुड़ने में मदद की। उन्होंने बताया कि भविष्य की ओर देखते हुए, हमारा ध्यान अपनी पहुंच बढ़ाने, उपयोगकर्ता सुविधाओं में सुधार लाने और यात्री पहचान प्रबंधन में नए वैश्विक मानक स्थापित करने पर केंद्रित है। डिजी यात्रा आने वाले महीनों में चंडीगढ़, तिरुवनंतपुरम, मंगलुरु और श्रीनगर जैसे चार अतिरिक्त हवाई अड्डों पर अपनी बायोमेट्रिक-आधारित प्रणाली शुरू करेगी। इसके अतिरिक्त यह प्लेटफॉर्म सभी 22 आधिकारिक भारतीय भाषाओं के लिए समर्थन शुरू कर रहा है, जिससे यात्री अपनी पसंदीदा भाषा में हवाई अड्डे की प्रक्रियाओं को नेविगेट कर सकेंगे।

महाराष्ट्र विधानसभा में हिंसक झड़प, संजय राउत की मांग.....राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा के विधायक गोपीचंद पडलकर और शरद पवार की एनसीपी के नेता जितेंद्र अव्हाड के समर्थकों में झड़प गई थी। हिंसक झड़प में कई नेता मुक्के चला रहे हैं और दूसरे का कॉलर पकड़ा हुआ है। विधानसभा के अंदर इस तरह के बवाल से सवाल खड़े हुए हैं। आमतौर पर महाराष्ट्र की राजनीति को समन्वय और सद्भाव के लिए जाना जाता है। दूसरे दलों के नेताओं से भी लोग यहां बहुत सद्भाव से मिलते रहे हैं। इसके बाद इस तरह की झड़प की खूब चर्चा है। इस बीच विपक्ष ने राष्ट्रपति शासन की ही मांग कर दी है। उद्धव ठाकरे शिवसेना गुट के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत का कहना है कि प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है। इसके बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए। राउत ने शुक्रवार को कहा, महाविकास अघाड़ी के नेता आज राज्यपाल से मिलकर बताएंगे कि विधानसभा में क्या हुआ है। राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। राज्यपाल को विधानसभा में हुई गैंगवार की रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजनी चाहिए। बता दें कि मामले में असेंबली के स्पीकर राहुल नार्वेकर फैसला सुनाने वाले हैं। उन्हें इस घटना की रिपोर्ट दी गई थी और अब वह दोपहर को 1:30 बजे फैसला देने वाले है। इतना ही नहीं राउत ने कहा कि लोग हथियारों के साथ विधानसभा में घुसे और उनका इरादा गैंगवार का था। इस घटना से पूरी साजिश खुलकर आ गई है, इसके तहत एनसीपी के विधायक जितेंद्र अव्हाड को ये लोग मार डालना चाहते थे। आखिर किन लोगों की मंजूरी से ये लोग विधानसभा के अंदर चले गए। राज्य में राष्ट्रपति शासन के लिए यह मामला काफी है। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस के शासन में महाराष्ट्र विधानसभा की स्थिति बेहद खराब हो गई है।

भारतीय पायलट का अमेरिकी रिपोर्ट पर करारा जवाब.....यह कोई टिंडर डेट पर गए दो लोग नहीं

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिकी जांच एजेंसी और मीडिया द्वारा एक भारतीय पायलट को दोषी ठहराने पर इंडियन एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन (एएलपीए इंडिया) के प्रमुख कैप्टन सैम थॉमस ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। अमेरिकी मीडिया ने पायलट सुमित सभरवाल पर फ्यूल स्विच को कट करने का आरोप लगाया था, जिसके जवाब में थॉमस ने कहा कि यह कोई टिंडर डेट पर गए दो लोग नहीं हैं और मामले की गंभीरता को समझना चाहिए। उन्होंने मीडिया और तथाकथित विशेषज्ञों द्वारा लगातार बदलती अटकलों पर भी नाराजगी जाहिर की। थॉमस ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों में पहले पक्षी से टकराने, फिर ओवरलोडेड विमान की बात कही गई और अंत में पायलट पर आत्महत्या के इरादे का आरोप लगाया गया, जो सच्चाई से बहुत दूर है। उन्होंने अमेरिकी रिपोर्ट को हुक्मनामा करार देकर इसकी प्रमाणिकता पर सवाल उठाए, यह भी बताया कि रिपोर्ट में कई तकनीकी और तथ्यात्मक त्रुटियां हैं। थॉमस ने कहा कि आप एफएडीईसी का पूरा नाम भी ठीक से नहीं लिख पा रहे हैं और आप पायलट सुमित सभरवाल के लाइसेंस की जारी करने की तारीख भी सही नहीं लिख पा रहे हैं। मैं आपसे पूरी रिपोर्ट पढ़ने की उम्मीद कैसे कर सकता हूं? मैं उन तीन पंक्तियों से आगे नहीं देखना चाहता हूं। आपने किसी के आदेश पर चुनिंदा रूप से एक पंक्ति जारी की है।

धर्मांतरण पर मिलते थे दस हजार, कमीशन एजेंट पकड़ाया, अब एटीएस करेगी पूछताछ

लखनऊ,(ईएमएस)। यूपी में अवैध धर्मांतरण से जुड़ा मामला गहराता जा रहा है। अब यूपी एटीएस ने बलरामपुर के रहने वाले रशीद शाह को गिरफ्तार किया है, जो इस रैकेट में बिचौलिए की भूमिका निभाता था। रशीद शाह, बलरामपुर जिले के उतरौला के मधपुर गांव का रहने वाला है। वह समाज के गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को तलाश कर उन्हें धर्म बदलने के लिए तैयार करता था। धर्मांतरण के लिए लाने पर उसे 10,000 का कमीशन मिलता था। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि बलरामपुर और आस-पास के जिलों में रशीद ने सिंडिकेट को फैलाने में अहम रोल निभाया। उससे पूछताछ जारी है ताकि यह पता चल सके कि इस पूरे नेटवर्क में किसका राजनीतिक संरक्षण, कैसे पैसे का लेन-देन हैं। इस मामले से जुड़ी जांच करते हुए ईडी ने भी गुरुवार सुबह बड़ा एक्शन लिया। ईडी की 15 टीमों ने एक साथ बलरामपुर, उतरौला, मधपुर और अन्य गांवों के 12 ठिकानों को घेरा। छांगुर बाबा, उसके सहयोगी नीतू और उनके घरों व दुकानों की तलाशी ली। रेहरामाफी गांव में छांगुर के पैतृक घर की भी जांच की गई। मधपुर गांव में एक बंद कमरे का ताला तुड़वाकर उसकी भी तलाशी ली गई। ईडी की जांच में पता चला है कि छांगुर बाबा के पास करीब 40 बैंक अकाउंट हैं, जिनमें से 100 करोड़ से ज्यादा के संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुए।

भारत में रूसी महिला बच्चे के साथ लापता:सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को लुकआउट नोटिस जारी करने का आदेश; पति को जासूसी का शक

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बच्चे की कस्टडी से जुड़े एक अनोखे केस में एक रूसी महिला के लिए लुकआउट नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। महिला 7 मई से बच्चे को लेकर गायब है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार से दोनों को ढूंढने का आदेश दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि रूसी महिला विक्टोरिया देश छोड़कर नहीं जानी चाहिए। कोर्ट ने मां और बच्चे को ढूंढकर, बच्चे को उसके भारतीय पिता सैकत बसु को सौंपने का आदेश दिया।

कोर्ट को बताया गया कि रूसी महिला और बच्चा जंगल में गायब हो गए हैं। सैकत और उनके परिवार को शक है कि विक्टोरिया भारत की जासूसी करके रूस लौटना चाह रही थी। वह 2019 से भारत में रह रही है। वह एक्स-1 वीजा पर भारत आई थी।

क्या है मामला, समझें...

- सैकत बसु चीन में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में इंजीनियर थे। वहां उसकी मुलाकात रूसी महिला विक्टोरिया से हुई। दोनों ने भारत आकर 2017 में शादी कर ली। 2020 में कपल का एक बेटा हुआ।
- कपल ने कुछ साल बाद अलग होने का फैसला किया। दिल्ली की फैमिली कोर्ट में दोनों का तलाक केस चल रहा है। पति का आरोप है कि बच्चे की कस्टडी के लिए एक समझौता हुआ था, जिसके तहत बेटा हफ्ते में तीन दिन अपनी मां के साथ रहेगा।
- कपल बच्चे की जॉइंट कस्टडी के तहत दिल्ली में अलग-अलग घरों में रह रहे थे। बच्चे की बेहतर परवरिश को लेकर कपल एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहते थे। बच्चे की कस्टडी को लेकर दोनों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी लगाई थी, जिस पर कई बार सुनवाई भी हुई।
- 22 मई को, तीन दिन के लिए बच्चे की कस्टडी रूसी महिला को मिली थी। सैकत के मुताबिक, उस दिन आखिरी बार उसने अपने बेटे को देखा था। 7 जुलाई से रूसी महिला और उसके बच्चे का कोई पता नहीं है। महिला अपने घर पर नहीं है। उसका फोन भी बंद है।

जासूसी के शक की वजह

सैकत बसु के पिता इंडियन नेवी में अफसर रहे हैं। वहीं विक्टोरिया के पिता रूस की खुफिया एजेंसी के पूर्व कर्मचारी हैं। शादी के बाद विक्टोरिया अपने पति सैकत से हमेशा कोलकाता स्थित सेना की पूर्वी कमान के हेडक्वार्टर फोर्ट विलियम घूमने ले जाने का दबाव डालती थी। परिवार को संदेह है कि विक्टोरिया यहां भारत की जासूसी करके रूस लौटना चाह रही थी। परिवार ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई है कि केंद्र सरकार विक्टोरिया का पासपोर्ट जब्त कर ले।

सैकत का आरोप है कि 4 जुलाई को विक्टोरिया को एक रूसी राजनयिक के साथ रूसी दूतावास में पिछले दरवाजे से घुसते हुए देखा गया था। पति का दावा है कि रूसी राजनयिक के साथ महिला का अफेयर चल रहा है।

कोर्ट ने वकीलों से कहा- आप हमारे साथ खेल नहीं सकते

सुप्रीम कोर्ट ने रूसी महिला के वकीलों से उसका पता पूछा, लेकिन उन्होंने दावा किया कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। कोर्ट को उनकी बातों पर भी शक हुआ। जस्टिस सूर्यकांत ने वकीलों से कहा, 'आप लोग सब कुछ जानते हैं। आपको लगता है कि आप हमारे साथ खेल सकते हैं? हम वकीलों से भी जवाब तलब करेंगे। आप रुकिए।' कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी कि अगर रूसी दूतावास के अधिकारी महिला को देश से भगाने या छिपाने में शामिल पाए गए, तो उन पर भी कानूनी कार्रवाई होगी। कोर्ट ने रूसी महिला का पासपोर्ट तुरंत जब्त करने और उस रूसी राजनयिक के घर की तलाशी लेने के आदेश दिए, जिसे आखिरी बार रूसी महिला के साथ देखा गया था।

राजस्थान में सैलाब में फंसे 7 लोग बचाए गए: वाराणसी में गंगा का पानी हर घंटे 1 सेमी बढ़ रहा

नई दिल्ली: राजस्थान के राजसमंद में एक वैन में तीन बच्चों समेत सात लोग सैलाब में फंस गए। वैन से निकले कुछ लोग किनारे आने की कोशिश में पेड़ पर फंस गए थे। करीब 2 घंटे के रेस्क्यू के बाद सभी को बचा लिया गया। वाराणसी में गंगा उफान पर हैं। नदी का जलस्तर हर घंटे 1 सेमी बढ़ रहा है। इसके अलावा वरुणा नदी भी उफान पर है। करीब 30 हजार घरों ने बाढ़ का पानी आने से पहले ही पलायन की तैयारी शुरू दी है।

बिहार में पिछले 24 घंटों में बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 5 मौतें नालंदा में हुईं। वैशाली में 4, बांका और पटना 2-2 लोगों की जान चली गई। वहीं, हिमाचल प्रदेश में बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में अब तक 110 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 1200 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है।

एक दिन के ब्रेक के बाद अमरनाथ यात्रा शुक्रवार फिर से शुरू कर दी गई है। पिछले कुछ दिनों से जम्मू-कश्मीर में हुई भारी बारिश और 16 जुलाई को बालटाल रूट पर लैंडस्लाइड के बाद यात्रा रोक दी गई थी।

हिमाचल में भारी बारिश से लैंडस्लाइड, NH-707 बंद, 9 जिलों में बाढ़ की चेतावनी

गुरुवार को हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश हुई। सिरमौर के लोहरा इलाके में भूस्खलन के कारण NH-707 ब्लॉक हो गया। मौसम विभाग ने 9 जिलों के कुछ हिस्सों में अचानक बाढ़ के खतरे की चेतावनी दी है। राज्य भारी बारिश से जूझ रहा है, जिसके कारण कई जगह भूस्खलन हुआ है और अचानक बाढ़ आई है। 20 जून से अब तक राज्य को 1,220 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। NH समेत 170 सड़कें अभी भी बंद हैं। सूत्रों ने बताया कि राजमार्ग 30 घंटे से ज्यादा समय से बंद है और इसे अभी तक वाहनों के आवागमन के लिए बहाल नहीं किया जा सका है, क्योंकि पहाड़ से गिरता मलबा सड़क साफ करने के काम में दिक्कत दे रहा है।

इस मानसून में हिमाचल प्रदेश में अब तक 31 बार अचानक बाढ़ आ चुकी है। 22 जगह बादल फटने की घटनाएं हुईं। जबकि 19 जगह भूस्खलन हुए हैं।

दिल्ली के कई हिस्सों में शुक्रवार को बारिश हुई, जिसके बाद मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। IMD ने बदलते मौसम के मद्देनजर निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है।मौसम विभाग ने कहा कि आने वाले घंटों में दिल्ली और NCR क्षेत्र में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज, बिजली और 30-50 किमी/घंटा की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

'एनआईए के मामलों की सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट बने'

सुप्रीम कोर्ट बोला- नहीं तो अंडरट्रायल आरोपियों को जमानत देने पर मजबूर होंगे

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने कि अगर एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) के मामलों की तेज सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट और अलग इन्फ्रास्ट्रक्चर जरूरी है। जल्द नहीं बनाया गया, तो अदालतें आरोपियों को जमानत देने पर मजबूर होंगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने शुक्रवार को कहा, 'अगर केंद्र और राज्य सरकारें टाइम से सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट नहीं बनातीं, तो अदालतों के पास अंडरट्रायल आरोपियों को जमानत देने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।' कोर्ट एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रही थी जिसमें आरोपी सालों से जेल में बंद है, जबकि अभी तक मुकदमे की सुनवाई शुरू भी नहीं हुई थी।

कोर्ट बोला- तेज सुनवाई के लिए अलग विशेष अदालतें जरूरी

कोर्ट ने कहा कि UAPA और MCOCA जैसे गंभीर मामलों में तेज सुनवाई के लिए अलग विशेष अदालतें जरूरी हैं। कोर्ट ने एनआईए सचिव के हलफनामे पर भी नाराजगी जताई और कहा कि उसमें कहीं यह नहीं बताया गया कि ट्रायल में तेजी लाने के लिए सरकार ने क्या ठोस कदम उठाए।

सुप्रीम कोर्ट ने विशेष मामलों में धीमी सुनवाई पर चिंता जताई

सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले भी विशेष मामलों में धीमी सुनवाई पर चिंता जताई थी। कोर्ट ने कहा, "जब एक व्यक्ति सालों से जेल में है और मुकदमा शुरू ही नहीं हुआ, तब जमानत देना या न देना, सीधे संविधान के अनुच्छेद 21 (व्यक्तिगत स्वतंत्रता) का उल्लंघन बन जाता है।"

16 जुलाई: SC ने अदालतों में टॉयलेट की हालत पर सख्त रुख अपनाया

इससे पहले 16 जुलाई को देश की अदालतों में टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधा की हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया था। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि देश के 25 में से 20 हाईकोर्ट ने अब तक ये नहीं बताया कि उन्होंने टॉयलेट की सुविधा सुधारने के लिए क्या कदम उठाए हैं? सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी 2025 को सभी हाईकोर्ट, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि हर अदालत में पुरुष, महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग-अलग टॉयलेट होने चाहिए। उचित स्वच्छता पाना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है।

राहुल बोले-सरकार जीजाजी को परेशान कर रही: ईडी ने 1 दिन पहले मनी लॉन्ड्रिंग केस में वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी

नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को X पर लिखा, 'सरकार पिछले दस साल से मेरे जीजाजी (रॉबर्ट वाड्रा) को परेशान कर रही है। यह चार्जशीट उसी षडयंत्र का हिस्सा है।' उन्होंने लिखा, 'मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ हूं, क्योंकि उन्हें राजनीतिक रूप से प्रेरित बदनामी और उत्पीड़न झेलना पड़ रहा है। मुझे पता है कि वे बहादुर हैं और वे पूरी गरिमा से इसका सामना करते रहेंगे। आखिर में सच्चाई की जीत होगी।' राहुल का यह बयान उस वक्त आया है, जब एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने गुरुवार को गुरुग्राम लैंड डील केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट के खिलाफ चार्जशीट पेश की थी। यह पहली बार है कि जब किसी जांच एजेंसी ने वाड्रा के खिलाफ किसी आपराधिक मामले में चार्जशीट दायर की है।

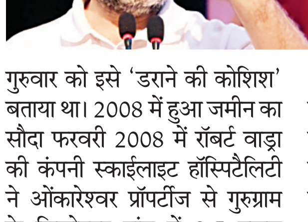

वाड्रा के अलावा इस चार्जशीट में कई अन्य लोगों के साथ कंपनियों के नाम भी शामिल हैं। ईडी ने 16 जुलाई को 37.64 करोड़ रुपए की संपत्ति भी अटैच की थी। कांग्रेस ने गुरुवार को इसे 'डराने की कोशिश' बताया था। 2008 में हुआ जमीन का सौदा फरवरी 2008 में रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव में 3.5 एकड़ जमीन 7.5 करोड़ रुपए में खरीदी। इस समय हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री थे। जमीन खरीदने के करीब एक महीने बाद हुड्डा सरकार ने वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी को 2.7 एकड़ जमीन पर आवासीय परियोजना विकसित करने की परमिशन दे दी। आवासीय परियोजना का लाइसेंस मिलने के बाद जमीन के दाम बढ़ जाते हैं।

इसके करीब 2 महीने बाद ही जून 2008 में स्काईलाइट ने यह जमीन 58 करोड़ में DLF को बेच दी। वाड्रा की कंपनी को करीब 4 महीने में ही 700 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा होता है। 2012 में हुड्डा सरकार कॉलोनी बनाने का लाइसेंस DLF को ट्रांसफर कर दिया। IAS अधिकारी ने म्यूटेशन रद्द किया 2012 में हरियाणा सरकार के भूमि रजिस्ट्रेशन के तब के निदेशक अशोक खेमका ने इस सौदे में अनियमितताओं का हवाला देकर जमीन का म्यूटेशन (स्वामित्व हस्तांतरण) रद्द कर दिया। खेमका ने दावा किया कि स्काईलाइट को लाइसेंस देने की प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन हुआ। इसके बाद खेमका का तबादला कर दिया गया। इससे मामले में विवाद और बढ़ गया।

चीन ने इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और खनिजों के भारत भेजने पर लगाई रोक

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ड्रैगन अपनी दगाबाजी से बाज नहीं आ रहा है। इस बार चीन ने भारत की मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री को निशाने पर लिया है। मीडिया रिपोर्ट में इंडस्ट्री संगठन आईसीईए के हवाले से बताया गया है कि चीन ने कुछ अहम उपकरणों और खनिजों का भारत को निर्यात करने से रोक दिया है, जिससे भारत के 32 अरब डॉलर यानी करीब 2.75 लाख करोड़ रुपए के उत्पादन और निर्यात पर संकट मंडराने लगा है। उद्योग जगत ने तत्काल सरकार से इस मामले में दखल देने की अपील की है, ताकि आने वाले खतरे को टाला जा सके।

चिंता की बात यह है कि चीन ने कोई आधिकारिक नोटिस या प्रतिबंध जारी नहीं किया। उसने सिर्फ कस्टम अधिकारियों को मौखिक रूप से निर्देश दिए कि भारत को कुछ खास उपकरण और कच्चा माल भेजना बंद कर दें। इसका असर सीधे तौर पर भारत की पीएलआई स्कीम, मेक इन इंडिया अभियान और ग्लोबल सप्लाई चेन में भारत की भागीदारी पर पड़ सकता है। चीन ने न केवल सामान रोक दिया है, बल्कि अपने तकनीकी एक्सपर्ट्स को भी भारत की फैक्ट्रियों में सहयोग देने से मना कर दिया है। इससे कई कंपनियों का उत्पादन ठप होने की नौबत आ गई है।

मेटा से गलती हुई, लिखा- कर्नाटक सीएम नहीं रहे: सिद्धारमैया ने नाराजगी जताई

कंपनी ने ट्रांसलेशन सुधारकर माफी मांगी

बेंगलुरुः कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा के ट्रांसलेशन फीचर पर आपत्ति जताई है। दरअसल 15 जुलाई को सिद्धारमैया ने फेसबुक पर एक्ट्रेस बी सरोजादेवी के निधन पर शोक संदेश पोस्ट किया था। यह पोस्ट कन्नड़ में किया गया था, पोस्ट पर ही इंग्लिश में ट्रांसलेशन का फीचर था। इसे क्लिक करने पर लिखा आया कि कर्नाटक सीएम का निधन हो गया है। सिद्धारमैया की तरफ से मेटा को लेटर भेजा गया। जिसमें कहा गया कि वे (मेटा) अपने कन्नड़ ऑटो-ट्रांसलेशन फीचर को तब तक के लिए बंद कर दें, जब तक वह तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना बंद करना नहीं सीख लेता। उधर मेटा के एक प्रवक्ता ने कहा, हमने उस समस्या को ठीक कर दिया है जिसकी वजह से कन्नड़ ट्रांसलेशन में थोड़ी देर के लिए गड़बड़ी हुई थी। हमें खेद है कि ऐसा हुआ।" 15 जुलाई को कर्नाटक सीएम ऑफिस की तरफ से फेसबुक पर एक पोस्ट किया गया था। जिसमें सिद्धारमैया एक्ट्रेस की तस्वीर पर फूल चढ़ा रहे थे। पोस्ट में लिखा- बेंगलुरु में मैंने बहुभाषी स्टार और एक्ट्रेस बी सरोजादेवी के पार्थिव शरीर के दर्शन करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका कल निधन हो गया था। बी सरोजादेवी एक असाधारण अभिनेत्री थीं। उन्होंने कन्नड़, तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम किया। हालांकि इस पोस्ट को ट्रांसलेशन करने में मेटा से गड़बड़ी हो गई।

कैश केस- जस्टिस वर्मा की सुप्रीम कोर्ट में याचिका:जांच समिति की रिपोर्ट रद्द करने की मांग; कहा- खुद को साबित करने का मौका नहीं मिला

नई दिल्ली: इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने कैश कांड केस में खुद को दोषी ठहराने वाली जांच रिपोर्ट को रद्द करने की मांग की है। जस्टिस वर्मा ने गुरुवार को अपील में कहा, 'उनके खिलाफ जो कार्यवाही की गई, वह न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। मुझे खुद को साबित करने का पूरा मौका नहीं दिया गया। कार्यवाही में एक व्यक्ति और एक संवैधानिक अधिकारी दोनों के अधिकारों का उल्लंघन किया गया है।'

यह याचिका संसद का मानसून सत्र शुरू होने से कुछ दिन पहले आई है। सत्र के दौरान जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए प्रस्ताव पेश किया जा सकता है। वहीं, कांग्रेस ने कहा कि पार्टी जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा में लाए जा रहे प्रस्ताव का समर्थन करेगी और कांग्रेस सांसद भी उसमें हस्ताक्षर करेंगे।

कांग्रेस बोली- पूर्व सीजेआई ने लेटर लिख सांसदों को कदम उठाने को मजबूर किया

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को कहा कि उस समय के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को चिट्ठी भेजकर सांसदों को यह कदम उठाने को मजबूर किया। रमेश ने कहा- ये प्रस्ताव महाभियोग नहीं, बल्कि 1968 के जजेज (इन्क्वायरी) एक्ट के तहत जांच समिति गठित करने के लिए है। यह समिति जांच कर रिपोर्ट देगी और फिर संसद में कार्रवाई होगी। विपक्ष जस्टिस शेखर यादव का मामला भी उठाएगा रमेश ने यह भी दोहराया कि विपक्ष जस्टिस शेखर यादव के मामले को भी जोर से उठाएगा, जिन पर सांप्रदायिक भाषण देने का आरोप है। उनके खिलाफ पिछले दिसंबर में राज्यसभा में 55 सांसदों ने प्रस्ताव दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

समझिए जस्टिस वर्मा का कैश कांड क्या है

जस्टिस वर्मा के लुटियंस स्थित बंगले पर 14 मार्च की रात 11:35 बजे आग लगी थी। इसे अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने बुझाया था। घटना के वक्त जस्टिस वर्मा शहर से बाहर थे। 21 मार्च को कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि जस्टिस वर्मा के घर से 15 करोड़ कैश मिला था। काफी नोट जल गए थे।

22 मार्च को सीजे आई संजीव खन्ना ने जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की इंटरनल जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई। पैनल ने 4 मई को सीजेआई को अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसमें जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया था।

रिपोर्ट के आधार पर 'इन-हाउस प्रोसीजर' के तहत सीजेआई खन्ना ने सरकार से जस्टिस वर्मा को हटाने की सिफारिश की थी। जांच समिति में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधवालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की जज जस्टिस अनु शिवरामन थीं।

जांच रिपोर्ट 19 जून को सामने आई थी

कैश केस की जांच कर रहे सुप्रीम कोर्ट के पैनल की रिपोर्ट 19 जून को सामने आई थी। 64 पेज की रिपोर्ट में कहा गया कि जस्टिस यशवंत वर्मा और उनके परिवार के सदस्यों का स्टोर रूम पर सीक्रेट या एक्टिव कंट्रोल था। 10 दिनों तक चली जांच में 55 गवाहों से पूछताछ हुई और जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास का दौरा किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि आरोपों में पर्याप्त तथ्य हैं। आरोप इतने गंभीर हैं कि जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए कार्यवाही शुरू करनी चाहिए।

पहलगाम अटैक के गुनहगार टीआरएफ को अमेरिका ने आतंकवादी संगठन घोषित किया

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला करने वाले लश्कर के मुखौटा आतंकी संगठन टीआरएफ यानी द रजिस्टेंस फ्रंट को अमेरिका ने आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। अमेरिका ने 22 अप्रैल के पहलगाम अटैक के लिए उस आतंकी संगठन को जिम्मेदार माना है। यह तब हुआ है, जब आसिम मुनीर ने बीते दिनों अमेरिका जाकर डोनाल्ड ट्रंप का चरण वंदन किया था, मगर कोई फायदा नहीं हुआ। अब अमेरिका ने भारत की बात पर मुहर लगा दी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की ओर से जारी एक बयान में इस बात को स्वीकार किया गया कि इस आतंकी संगठन

टीआरएफ ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर केपहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली थी।

बयान के मुताबिक, 'आज विदेश विभाग ने द रेजिस्टेंस फ्रंट को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित किया है। टीआरएफ, लश्कर-ए-तैयबा का एक फ्रंट और मुखौटा संगठन है। उसने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। उसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 के मुंबई हमलों के बाद भारत में नागरिकों पर सबसे घातक हमला था, जिसे लश्कर ने अंजाम दिया था। टीआरएफ ने भारतीय सुरक्षा बलों पर कई हमलों की भी जिम्मेदारी ली है, जिनमें सबसे हालिया 2024 में हुआ था। बता दें कि पहलगाम हमले में 26 नागरिकों की जान चली गई थी। इसलिए अमेरिका ने टीआरएफ को एक विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) घोषित किया है। बयान में कहा गया कि यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की आतंकवाद से निपटने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बयान के मुताबिक, विदेश विभाग की ओर से उठाए गए ये कदम ट्रंप प्रशासन की हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा करने, आतंकवाद का मुकाबला करने और पहलगाम हमले के लिए न्याय की मांग को लागू करने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इससे साफ होता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका का साथ भारत को मिला है। टीआरएफ को अमेरिका की ओर से आतंकी संगठन मानना, भारत की बड़ी जीत है। अमेरिका के इस कदम से साफ है कि भारत की कोशिश रंग लाई है। ऑपरेशन सिंदूर का डेलिगेशन जब अमेरिका गया था, तब सबूत के साथ भारत ने यूएस समेत पूरी दुनिया को बताया था कि पहलगाम अटैक में कैसे टीआरएफ का हाथ है और उसे पाकिस्तानी हुकूमत और लश्कर का संरक्षण प्राप्त है। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत में हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए आतंकवाद के खिलाफ एक सख्त रुख अपनाने के महत्व पर जोर दिया था, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी अटैक की निंदा की थी।

5 साल के बेटे पर भूत का साया, रेगिस्तान में बलि देने जा रहे थे मां-बाप?

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस के बोर्डो शहर में एक दंपति पर अपने 5 साल के बेटे को मोरक्को के सहारा रेगिस्तान में बलि देने की कोशिश का आरोप लगा है। उन्हें डर था कि उनका बेटा भूतग्रस्त है। इस मामले की सुनवाई गुरुवार को एक अदालत में शुरू हुई। दिसंबर 2023 में दक्षिणी स्पेन के अल्जेसिरास में पुलिस ने दंपति को तब गिरफ्तार किया, जब वे मोरक्को के टैंजियर जाने के लिए फेरी पर सवार होने वाले थे। दंपति पर अपराधिक साजिश और माता-पिता के कर्तव्यों में विफलता के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, दोनों ने इन आरोपों से इंकार किया है। एक रिश्तेदार ने फ्रांसीसी वकीलों को सूचित किया था कि बच्चे के पिता, फ्लोरियन एल. ने अपने बेटे को भूतग्रस्त मानते हुए रेगिस्तान में उसकी बलि देने की बात कही थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, दंपति ने एक कार किराए पर ले ली थी और एक कार खरीदी थी, जिससे यह संकेत मिलता है कि वे लंबी अवधि के लिए मोरक्को की यात्रा की योजना बना रहे थे। सरकारी वकीलों का मानना है कि ये कदम कथित बलि की तैयारी का हिस्सा थे। पेशे से संगीत टीचर यह दंपति खुद को सिस्टम विरोधी और रहस्यमयी विश्वासों को मानने वाला बताते हैं। उनके वकील ने अदालत में कहा कि उनका अपने बेटे को किसी भी तरह से नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था और वे सिर्फ मोरक्को की यात्रा करना चाहते थे क्योंकि उन्हें वह जगह पसंद थी। बच्चे के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली वकील ने बताया कि दंपति के विश्वासों ने बच्चे को खतरे में डाल दिया था। पुलिस हिरासत में बच्चे ने ठंड, डर और हमारे अंदर के सांप को निकालने की बात कही थी, जो उसके माता-पिता के विश्वासों का प्रभाव दर्शाता है। बच्चा फिलहाल अपनी ननिहाल में अपने नाना-नानी की देखरेख में है।

पाकिस्तान में आई आफत की बाढ़ सैकड़ों घर बने मलवा, लाइव रिपोर्टिंग कर रहा पत्रकार बह गया

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान में बारिश और बाढ़ से जमकर तबाही हो रही है। यहां सैकड़ो घर पानी में बह गए और कुछ वहीं के वहीं जमींदोज होकर मलवा बन गए है। हालातों को दिखाने लाइव रिपोर्टिंग कर रहा एक पत्रकार पानी के सैलाब में बह गया। रावलपिंडी के चहान डैम के पास बाढ़ की रिपोर्टिंग कर रहा एक पत्रकार तेज बहाव में बह गया। रिपोर्टर गर्दन तक पानी में खड़ा था और उसी हालत में लाइव कवरेज कर रहा था, तभी पानी का जोर ऐसा बढ़ा कि वो खुद भी बहाव का शिकार हो गया। इस वीडियो में रिपोर्टर हाथ में माइक लिए गर्दन तक पानी में खड़ा नजर आता है। कैमरे में सिर्फ उसका सिर और माइक वाला हाथ दिखता है। रिपोर्टिंग के दौरान ही पानी का बहाव बढ़ता है और पत्रकार धीरे-धीरे बहने लगता है। इस दृश्य ने सोशल मीडिया पर यूजर्स को हैरान और भावुक कर दिया है। कई लोगों ने उसकी हिम्मत की सराहना तो कुछ ने उसकी जान को खतरे में डालने पर सवाल उठाए हैं।

इस पूरी घटना ने पत्रकारिता की सीमाओं और जोखिम पर बहस छेड़ दी है। रिपोर्टर की पहचान अभी सामने नहीं आई है। लेकिन उसकी रिपोर्टिंग को 'असाधारण साहस' और 'बेहद जोखिम भरा कदम' दोनों कहा जा रहा है। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर कहा कि रिपोर्टिंग करते हुए पत्रकार ने अपनी जान की परवाह नहीं की। जबकि कुछ यूजर्स ने चैनलों की "टीआरपी की भूख" को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। अब सवाल ये उठता है कि क्या रिपोर्टिंग के नाम पर जान जोखिम में डालना पत्रकारिता है या मीडिया का अतिउत्साह? ये वीडियो भले ही वायरल हो गया हो, लेकिन यह पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल जरूर छोड़ गया है। पाकिस्तान में 26 जून से लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने हालात बेकाबू कर दिए हैं। अब तक कम से कम 116 लोगों की मौत और 250 से अधिक घायल हो चुके हैं। सबसे ज्यादा मौतें पंजाब प्रांत (44 मौतें) में हुई हैं, उसके बाद खैबर पख्तूनख्वा (37), सिंध (18) और बलूचिस्तान (16) में। पाक अधिकृत कश्मीर से भी एक मौत और पांच घायल की जानकारी सामने आई है। इस आपदा से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं, सैकड़ों घर तबाह हो चुके हैं और बिजली-पानी जैसी बेसिक सुविधाएं ठप पड़ चुकी हैं। चहान डैम के ढहने के बाद रावलपिंडी सहित कई इलाके जलमग्न हो गए हैं और राहत-बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान के खातिर चीन कर सकता ये दुस्सास

बीजिंग (ईएमएस)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारत ने सिंधु जल संधि पर रोक लगाने का फैसला किया, फिर क्या पाकिस्तान बौखला उठा था। इस संधि के लागू होने के बाद 65 वर्षों में भारत और पाकिस्तान ने कई जंग लड़ी, लेकिन यह समझौता जारी रहा। लेकिन इस पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने साफ कर दिया कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते। सिंधु जल समझौते के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच लगातार तनातनी बनी हुई है, लेकिन भारत अपने रुख से पीछे हटने को तैयार नहीं है। इस बीच चीन ने इस मामले में रुचि दिखाई है। दरअसल, पाकिस्तान ने मामले में चीन से कूटनीतिक समर्थन मांगा है, जिसके बाद बीजिंग और उसके विश्लेषकों ने भारत के इस कदम को एक तरह की गैरकानूनी दबावपूर्ण कूटनीति बताया है। इसके बदले में चीन ने पाकिस्तान के अंदर सिंधु की एक सहायक नदी पर स्थित मोहमंद बांध के निर्माण में तेजी लाने की घोषणा की है। भारत को चीनी प्रतिक्रिया की कुछ हद तक अपेक्षा पहले ही थी, क्योंकि बीजिंग और इस्लामाबाद एक दूसरे को सदाबहार दोस्त हैं। वहीं, चीन भारत को अपना क्षेत्रीय दुश्मन मानता है और दोनों के बीच पूर्वी सीमा पर तनाव चल रहा है। लेकिन एक विश्लेषक के अनुसार, बीजिंग की भूमिका केवल एक तटस्थ पर्यवेक्षक से कहीं अधिक है। अमेरिका स्थित जल संधाधन अनुसंधान संस्थान में रिसर्च एसोसिएट पिंटू कुमार महला के हवाले से बताया है कि बीजिंग अपने क्षेत्र की नदियों के प्रवाह को बाधित करके प्रतिक्रिया दे सकता है, जो भारत में आती हैं। हालांकि, चीन सिंधु जल संधि का पक्षकार नहीं है, लेकिन सिंधु नदी का उद्गम तिब्बत से होता है।

भड़क सकता है क्षेत्रीय तनाव

महला के अनुसार, सिंधु जल संधि पर बीजिंग का किसी भी तरह का हस्तक्षेप क्षेत्रीय तनाव को भड़काने का जोखिम पैदा करता है। उनका कहना है कि चीनी मीडिया भारत को आक्रामक बताने वाले दुष्प्रचार शामिल है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि दक्षिण एशियाई राजनीति में बीजिंग की व्यापक उपस्थिति को बढ़ावा दिया जा सके।

तीन मुस्लिम देशों ने बैठक में लिया फैसला, ट्रेन रुट करेंगे विकसित

काबुल,(ईएमएस)। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तीन देशों की बैठक हुई। इस बैठम में फैसला लिया गया है कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा स्थित खारलाची से उज्बेकिस्तान के नैबाबाद तक ट्रेन का रूट विकसित किया जाएगा। काबुल में हुई इस बैठक में अफगानिस्तान पर शासन कर रहे तालिबान के नेता और उज्बेकिस्तान एवं पाकिस्तान के नेता मौजूद थे। इस बैठक में फैसला हुआ कि इस रेलवे परियोजना के लिए फिजिबिलिटी स्टडी कराई जाए। तीनों देशों के बीच इसे लेकर सहमति बन गई है। इसे यूएपी रेलवे प्रोजेक्ट नाम दिया गया है, जिसका अर्थ उज्बेकिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान रेलवे परियोजना से है।

उज्बेकिस्तान ऐसा देश है, जो सिल्क रूट पर स्थित है। यह सिल्क रूट यानी रेशम मार्ग चीन को मध्य एशिया के देशों से जोड़ता था और फिर यही रूट आगे बढ़ते हुए यूरोप तक जाता है। ऐसे में यदि यह परियोजना शुरु होती है तो पाकिस्तान के लिए बड़ी सफलता होगी। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम इशाक डार ने एक्स पर इस समझौते की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मैं पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और अफगानिस्तान के लोगों को बधाई देता हूं। तीनों देशों के बीच रेल नेटवर्क के लिए फिजिबिलिटी स्टडी पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट क्षेत्रीय स्तर पर कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। इसके अलावा आर्थिक तौर पर भी फायदेमंद होगा। डार ने कहा कि पाकिस्तान के बंदरगाहों से मध्य एशिया तक सीधी पहुंच इस कॉरिडोर से होगी। इस समझौते पर साइन से पहले तीनों देशों के विदेश मंत्रियों की भी बैठक हुई थी।

खरीदी लॉटरी टिकट में मिले 16.78 करोड रुपए जीते

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में पाल कोरकरन नाम के एक युवक ने एक जैसी दो लॉटरी की टिकट गलती से खरीद ली थी। वह एक समान दो लॉटरी टिकट खरीदने पर अफसोस प्रकट कर रहा था। जब लॉटरी का परिणाम खुला, गलती से खरीदी गई टिकट में उसने 16.78 करोड रुपए की राशि लॉटरी में जीत ली। युवक ने जानकारी देते हुए कहा उन्होंने पावरवाल की 7 ड्रा के लिए एक टिकट खरीदी थी। बाद में उसे लगा कि उसका अंतिम ड्रा हो चुका है। जिसके कारण उसने दूसरी टिकट खरीदी।लेकिन पहली टिकट ने उसकी किस्मत खोल दी।

करोड़ों की कर डाली ऑनलाइन शॉपिंग, अब घर में सोने तक की जगह नहीं

बीजिंग,(ईएमएस)। ऑनलाइन शॉपिंग आजकल आम होती जा रही है लोग घर बैठे ही सब कुछ वहीं मंगाना चाहते हैं चाहते सामान हो या फिर खाना। यह एक तरह की आदत बनता जा रहा है। भारत ही नहीं दुनिया में ऑनलाइन का क्रेज बढ़ता जा रहा है उसकी की एक वजह यह भी है कि ऑनलाइन सामान बाजार से कुछ सस्ता भी मिल जाता है। वहीं लोगों को इसकी लत पड़ती जा रही है। ऐसा ही एक मामला चीन में सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजिंग की रहने वाली 66 साल की महिला वांग ने अब तक करीब 2.4 करोड़ रुपए की ऑनलाइन खरीदारी कर चुकी हैं। हालत यह हो गए हैं कि उनके पास सामान रखने के लिए घर में जगह नहीं बची है और उन्हें अब एक अलग मकान किराए पर लेना पड़ा। वांग पिछले कई सालों में हजारों पार्सल खरीदे और इन्हें अपने फ्लैट में जमा करती रहीं। अब आलम यह है कि सामान इतना ज्यादा हो गया है कि घर में अब सोने तक की जगह नहीं बची है। रिपोर्ट में वांग ने ऑनलाइन शॉपिंग के पीछे की वजह बताते हुए कहा कि पहले लोग उनसे पैसे उधार लेकर वापस नहीं करते थे। इससे दुखी होकर उन्होंने ऑनलाइन शॉपिंग करना शुरु कर दिया। अब जब लोग उनसे पैसे मांगने आते हैं, तो उनके घर की हालत देखकर लौट जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक अलगाव और अकेलेपन से जुड़ा हुआ है। इस तरह की आदतें धीरे-धीरे ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर का रूप ले सकती हैं और व्यक्ति की सामान्य दिनचर्या को प्रभावित करती हैं।

मंगल ग्रह को समझने रेगिस्तान में शुरू की रिसर्च

वॉशिंगटन (ईएमएस)। वैज्ञानिकों की एक टीम कैलिफ़ोर्निया, एरिज़ोना और मेक्सिको की सीमा पर फैले एल्गोडोन्स ड्यून क्षेत्र में काम कर रही है। टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी के रिसर्च स्कॉलर और उनके प्रोफेसर के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की टीम ने मंगल ग्रह के रहस्यमय भूगोल और वहां के भविष्य के मानव मिशन को सुरक्षित बनाने के लिए एक नया तरीका खोज निकाला है।

वैज्ञानिक यहां के रेतीले टीलों और उनकी लहरदार संरचनाओं की स्टडी करके यह समझना चाहते हैं कि मंगल ग्रह पर हवा, रेत और वातावरण किस तरह से भूगर्भीय आकृतियां बनाते हैं। इसके लिए टीम ड्रोन और जीपीएस तकनीक की मदद से रेगिस्तान में रेत की लहरों की ऊंचाई, चौड़ाई और उनके बीच की दूरी का सटीक माप ले रही है। इन आंकड़ों को मंगल के ऑर्बिटर द्वारा ली गई तस्वीरों से मिलाया जाएगा। इस तुलना के जरिए वैज्ञानिक यह पता लगाना चाहते हैं कि पृथ्वी और मंगल पर एक जैसी या अलग तरह की रेत की लहरें कैसे बनती हैं और उनके पीछे कौन-कौन से कारक काम करते हैं। इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने रेत के कणों के आकार, हवा के दबाव और मौसम की भूमिका पर भी गहन नजर डाली है। टीम द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से एक हाई-रेजोल्यूशन कंप्यूटर मॉडल तैयार किया जा रहा है, जो मंगल की सतह पर पाए जाने वाले 'कंपाउंड ड्यून' की पहचान में मदद करेगा। ये ड्यून वह जगहें हैं जहां रेत की कई परतें और आकृतियां एक साथ बनती हैं। खास बात यह है कि रिसर्च टीम के इस काम की जड़ें नासा की जेट प्रोपुल्सन लेबोरेट्री में हुई एक इंटर्नशिप से जुड़ी हैं। वहां एक छात्र को परसेवरांस रोवर की सुरक्षित लैंडिंग साइट चुनने के दौरान मंगल की रेत की लहरों में दिलचस्पी पैदा हुई थी।

वही रुचि अब उसके पीएचडी प्रोजेक्ट तक पहुंच गई है, जिसमें वह मंगल ग्रह पर मौजूद सभी प्रमुख ड्यून का एक बड़ा डेटाबेस तैयार कर रहा है। इस रिसर्च का उद्देश्य सिर्फ वैज्ञानिक उत्सुकता तक सीमित नहीं है। असल में, इसका एक बड़ा मकसद भविष्य के मानव मिशनों के लिए ऐसी जगहें चिन्हित करना है जहां डस्ट स्टॉर्म और रेत के तेज़ी से बदलते पैटर्न से खतरा न हो। मंगल की रेत की लहरें रोवर्स को फंसा सकती हैं और मानव बेस कैंप को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए यह रिसर्च भविष्य में मंगल पर सुरक्षित मानव उपस्थिति की योजना बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

एनसीपी की रैली के दौरान भड़की हिंसा में चार की मौत, सेना ने संभाला मोर्चा, धारा-144 लागू

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश के गोपालगंज शहर में नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की रैली के दौरान अचानक भड़की हिंसा ने देश की राजनीतिक स्थिति को तनावपूर्ण बना दिया है। विरोध के दौरान अवामी लीग समर्थकों और एनसीपी कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़पें हुईं, जिसके बाद हालात काबू से बाहर हो गए। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद सेना ने मोर्चा संभाला और प्रभावित क्षेत्र में धारा 144 लागू कर दी गई।

एनसीपी की रैली के दौरान विगत दिवस अचानक भड़की हिंसा और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना को तैनात किया गया। बताया जा रहा है कि भीड़ को काबू में करने के लिए सेना की ओर से फायरिंग भी की गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मृतकों में एक अवामी लीग का सदस्य भी शामिल है, जिसकी पुष्टि खुद पार्टी ने अपने फेसबुक पेज पर की है।

अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि रैली के दौरान एनसीपी कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और पुलिस पर हमला हुआ तथा कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई। उन्होंने इस हिंसा की निंदा करते हुए कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने गोपालगंज और आस-पास के इलाकों में धारा-144 लागू कर दी है और कर्फ्यू घोषित कर दिया गया है। सरकार ने इस हिंसा की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि अवामी लीग समर्थकों ने रैली में हथियारों का इस्तेमाल किया, जिससे हालात और बिगड़ गए। घटना के बाद बांग्लादेश की राजनीति में उबाल आ गया है। विपक्षी दलों ने इसे सत्ता पक्ष की तानाशाही प्रवृत्ति का उदाहरण बताया, वहीं सरकार ने हिंसा के लिए एनसीपी को जिम्मेदार ठहराया है।

मचा हड़कंपः जासूसों की पहचान उजागर ! ब्रिटेन में विकीलीक्स की तरह हो गया कांड

लंदन,(ईएमएस)। यदि किसी देश की स्पेशल फोर्स कमांडो और जासूसों की जानकारी किसी फाइल के लीक होने से दुश्मनों के हाथ लग जाए तो क्या होगा? कुछ ऐसा ही ब्रिटेन में हुआ है और अब मामला इतना बड़ा बन गया है कि कोर्ट, मीडिया और सरकार सब इसमें उलझे हुए हैं। इसे अमेरिका के विकीलीक्स कांड की तरह का बताया जा रहा है। यह भारत के लिए भी सबक है। ब्रिटेन की सरकार से जुड़ी एक फाइल, जिसमें अफगानिस्तान के ऑपरेशन से जुड़ी जानकारी थी, लीक हो गई। ये कोई आम फाइल नहीं थी, इसमें उन ब्रिटिश अधिकारियों, सैनिकों और जासूसों के नाम और जानकारी थी, जो गुप्त मिशनों पर काम करते थे। शुरू में सरकार ने इस बात को छुपा लिया और कोर्ट ने भी मीडिया को रिपोर्टिंग से रोक दिया। लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ जिससे मामला सार्वजनिक हो गया। ब्रिटिश खुफिया एजेंसियां दुनिया की सबसे संगठित और संवेदनशील एजेंसियों में गिनी जाती हैं। इनसे जुड़े लोगों की पहचान हमेशा गुप्त रखी जाती है। क्योंकि इनकी जान पर सीधा खतरा होता है। अब जब ये जानकारियां लीक हुई हैं, तो इन लोगों की जान को खतरा है। ब्रिटेन के पिछले गुप्त मिशनों की गोपनीयता भंग हो सकती है। इसका असर देश दुनिया की सुरक्षा पर भी पड़ सकता है। जैसे ही ये जानकारी सामने आई, ब्रिटेन के कई मीडिया हाउस कोर्ट पहुंच गए। बोले, अब सरकार ने खुद मान लिया है, तो हमें भी रिपोर्ट करने दीजिए। जज मिस्टर जस्टिस चेम्बरलेन ने बंद कमरे में सुनवाई की और फिर फैसला सुनाया कि मीडिया अब इस खबर को रिपोर्ट कर सकता है। यानी अब यह साफ हो गया है कि ब्रिटेन के स्पेशल एजेंट्स, जासूसों और कमांडो की जानकारियां लीक हो चुकी हैं। ब्रिटेन का अफगान डेटा लीक एक संवेदनशील प्रशासनिक चूक का नतीजा माना जा रहा है। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय की एक गोपनीय फाइल, जिसमें अफगानिस्तान में काम कर चुके ब्रिटिश अधिकारियों, स्पेशल फोर्स कमांडो और खुफिया एजेंटों की जानकारी थी, गलती से सार्वजनिक डोमेन में पहुंच गई। यह डेटा संभवतः एक डिजिटल सिस्टम या इंटरनल सर्वर से लीक हुआ, जिसे ठीक से सुरक्षित नहीं किया गया था।

एफबीआई के विशेष एजेंट की जानकारी देने वाले को अमेरिका देगा 50 लाख डॉलर का इनाम

वॉशिंगटन(ईएमएस)। एफबीआई यानी फेडरल ब्यूरो इन्वेस्टिगेशन के एक विशेष एजेंट के कथित अपहरण और हत्या की तलाश में अमेरिका को ईरान के तीन खुफिया अधिकारियों की तलाश है। अपने विशेष एजेंट के बारे में सूचना देने वाले को अमेरिका ने 50 लाख डॉलर इनाम की घोषणा की है। 18 साल बाद भी अमेरिकी खुफिया एजेंसी अपने विशेष एजेंट की गुमशुदगी का रहस्य नहीं तलाश पाई है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी को ईरान की खुफिया एजेंसी के दो अन्य अधिकारियों मोहम्मद खजाई और मोहम्मद बसेड़ी इन दोनों पर भी शक है लेकिन ईरान ने अपने किसी भी अधिकारी का हाथ अमेरिकी विशेष एजेंट के अपहरण में होने से भी साफ इनकार कर दिया है। फिलहाल अमेरिकी खुफिया एजेंसी ईरान के इन तीन खुफिया अधिकारियों की तलाश कर रही हैं जिससे अपने विशेष एजेंट की गुमशुदगी का रहस्य समझ सके। अमेरिका की विशेष जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो का इन्वेस्टिगेशन का विशेष एजेंट अपने सेवानिवृत होने के बाद ईरान गया था। विशेष एजेंट का नाम रॉबर्ट ए लेंविशन था। अमेरिका के रिकॉर्ड के मुताबिक लेंविशन ने 8 मार्च 2007 को ईरान के कीस द्वीप की यात्रा की और अगले दिन से ही वह गायब हो गया। अमेरिकी एजेंसियों ने उसे ढूंढने की बहुत कोशिश की लेकिन उसका कोई पता नहीं लगा। अमेरिकी खुफिया एजेंसी को शक है कि उनके इस विशेष एजेंट का अपहरण ईरान की खुफिया एजेंसी ने किया है। अमेरिका को साल 2010 और 2011 में एक वीडियो और तस्वीरें प्राप्त हुई जिसमें उनका विशेष एजेंट कैद में दिखाया गया था। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने अपनी विस्तृत जांच के बाद अब ईरान की खुफिया और सुरक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ताघी दानेश्वर को अपने विशेष एजेंट के अपहरण हिरासत और संभावित मौत में जिम्मेदार ठहराया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी को यह भी शक है कि इस मामले में ईरान के खुफिया अधिकारी दानेश्वर के अलावा दो अन्य अधिकारियों का भी हाथ हो सकता है। पिछले 18 वर्षों से ईरान लगातार इस बात से इनकार करता रहा है कि अमेरिका के विशेष एजेंट के अपहरण या उसकी कथित हत्या के मामले में उसके अधिकारियों का हाथ है ईरान ने साफ तौर पर अमेरिका से कहा है कि उनके विशेष एजेंट की बाबत उसे कुछ भी नहीं पता है।

बलूचिस्तान में बीएलए का बड़ा हमला, 29 जवानों के मारे जाने का दावा

क्वेटा,(ईएमएस)। बलूचिस्तान में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर दोहरे हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि उसने क्वेटा और कलात में 29 जवानों को मार गिराया है।

बीएलए की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उनकी स्पेशल यूनिट फतह स्क्वाड ने क्वेटा में पाकिस्तानी सेना के जवानों को ले जा रही एक बस को निशाना बनाकर आईईडी ब्लास्ट किया। इस विस्फोट में दर्जनों जवानों के हताहत होने की बात कही जा रही है। दूसरे हमले की जानकारी कलात जिले से सामने आई है, जहां बीएलए के लड़ाकों ने एक चेक पोस्ट पर हमला कर भारी नुकसान पहुंचाया। हमले के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल है। हालांकि पाकिस्तानी सेना की ओर से अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सेना के सूत्रों ने हमले की बात स्वीकार करते हुए हताहतों की संख्या बताने से इनकार किया है।

बलूचिस्तान में लंबे समय से अलगाववादी संगठन बीएलए पाकिस्तान से आज़ादी की मांग को लेकर सक्रिय है और समय-समय पर सुरक्षा बलों को निशाना बनाता रहा है। इस ताजा हमले ने एक बार फिर से क्षेत्र में अशांति और हिंसा को गहरा कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान को बलूचिस्तान में और भी सख्त सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

पहले गाजा में चर्च पर बमबारी की जिसमें हुई 3 की मौत, फिर नेतन्याहू बोले- गोला भटक गया

तेलअवीव,(ईएमएस)। इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में एक कैथोलिक चर्च होली फैमिली पर जमकर बमबारी की। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई और करीब एक दर्जन घायल हो गए। चर्च के पादरी गैब्रिएल रोमनल्ली भी शामिल हैं। चर्च परिसर में सैकड़ों फिलिस्तीनी शरण लिए हुए थे जिनमें बच्चे और दिव्यांग लोग भी शामिल थे। इजरायल ने इस हमले को दुर्घटना बताते हुए खेद व्यक्त किया और कहा कि वह इसकी जांच कर रहा है। हमले में चर्च की इमारत को भी काफी नुकसान पहुंचा जहां कई बुजुर्ग और मासूम लोग मौजूद थे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हमले को लेकर खेद जताया है। नेतन्याहू ने अपने बयान में कहा, इजरायल को इस बात का गहरा दुख है कि एक भटका हुआ गोला गाजा के होली फैमिली चर्च से टकराया। हर एक निर्दोष व्यक्ति की जान का नुकसान एक त्रासदी है।

गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मरने वालों में आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे

हैं। चर्च परिसर में शरण लिए हुए लोगों में ईसाई और मुस्लिम दोनों शामिल थे। ग्रीक ऑर्थोडॉक्स पैट्रिआर्केट ऑफ जेरूसलम ने इस हमले को मानव गरिमा पर हमला बताया और धार्मिक स्थलों की पवित्रता का उल्लंघन माना है। इस बीच, इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत जारी है लेकिन अभी तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। पोप लियो ने इस हमले की कड़ी निंदा की और तत्काल युद्धविराम की अपील की है। उन्होंने पीड़ितों के लिए शोक संदेश में कहा कि वह शांति और सुलह की आशा करते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से इस हमले पर नाराजगी जताई। इजरायल का कहना है कि यह भूलवश हुआ हमला था और वह नागरिकों व धार्मिक स्थलों को निशाना नहीं बनाता। हालांकि, गाजा में स्कूलों, अस्पतालों और शरणस्थलियों पर बार-बार हो रहे हमलों के कारण फिलिस्तीनी नागरिकों का कहना है कि कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है। यह हमला गाजा में 21 महीने से चल रहे इजरायल-हमास युद्ध के बीच हुआ जिसमें अब तक 58,600 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

पिछले महीने अमेरिकी हवाई हमलों में केवल एक फोर्दो को हुआ नुकसान

ईरान के न्यूक्लियर साइट पर हुए हमले को लेकर अब नई जानकारी सामने आई है। पिछले महीने तीन साइट्स पर बंकर बस्टर बमों से हमला किया गया था। इससे जुड़ी एक खुफिया रिपोर्ट अब सामने आ रही है, जिसने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर हुए अमेरिकी हमलों की असल तस्वीर साफ कर दी है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले महीने अमेरिकी हवाई हमलों में केवल एक फोर्दो अंडरग्राउंड साइट को ही गंभीर नुकसान पहुंचा है। इस ठिकाने पर हमला इतना प्रभावी रहा कि वहां यूरेनियम संवर्धन गतिविधियां तकरीबन दो साल तक ठप हो सकती हैं।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान के इस्फहान और नतांज स्थित अन्य दो परमाणु स्थलों को कम नुकसान पहुंचा है और ईरान इन दोनों जगहों पर अगले कुछ महीनों में गतिविधियां फिर से शुरू कर सकता है। इन हमलों को लेकर अमेरिका और इजरायल के बीच लगातार चर्चा चल रही है और अगर ईरान जल्द बातचीत के लिए राजी नहीं होता, या न्यूक्लियर साइट को फिर बनाने की कोशिश करता है तो नतांज और इस्फहान पर दोबारा हमले की योजना भी बनाई जा सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमले जून में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर किए गए थे। ट्रंप को उस वक्त ईरान के छह न्यूक्लियर ठिकानों पर हफ्तों तक लगातार हमला करने का विकल्प भी दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसे सीमित रखते हुए केवल तीन ठिकानों पर एकबारगी हमले को मंजूरी दी। वाइट हाउस की प्रवक्ता अन्ना केली और पेंटागन के प्रमुख प्रवक्ता सीन पारनेल का कहना है कि ट्रंप के नेतृत्व में जो कार्रवाई हुई, उसने दुनिया को ज्यादा सुरक्षित बना दिया है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निगरानी प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने इस पर संशय जताते हुए कहा कि ईरान कुछ ही महीनों में फिर से यूरेनियम संवर्धन शुरू कर सकता है। ईरान ने साफ किया है कि उसका न्यूक्लियर प्रोग्राम पूरी तरह से नागरिक उपयोग के लिए है। लेकिन अमेरिका और इजरायल का मानना है कि तेहरान परमाणु हथियार बनाने की दिशा में काम कर रहा है। अमेरिका को यह भी संदेह है कि ईरान ने हमले से पहले अपने उच्च-ग्रेड यूरेनियम का बड़ा स्टॉक फोर्दो से निकालकर कहीं और छिपा दिया। इस बीच अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा है कि उन्हें ऐसी किसी खुफिया जानकारी की जानकारी नहीं है, जो यह साबित करती हो कि ईरान ने अपना यूरेनियम स्टॉक छिपाया है।

ट्रंप के हाथ पर चोट के निशान, पैरों में सूजन, चल पड़ा अटकलों का दौर, व्हाइट हाउस ने दी सफाई

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया तस्वीरों ने उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। सोशल मीडिया पर अटकलों के बीच खुद वाइट हाउस ने गुरुवार को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को क्रॉनिक वेनस इन्सफिशिएंसी (सीवीआई) नामक बीमारी का पता चला है। यह घोषणा तब आई जब राष्ट्रपति ट्रंप के पैरों में सूजन और उनके हाथ पर चोट के निशान को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं।

टीम इंडिया ने बेकेनहम मैदान में किया अभ्यास

ड्रेसिंग रूम में हनुमान चालीसा, इंग्लिश पॉप और पंजाबी गाने सुनते दिखे खिलाड़ी

मैनचेस्टर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच के लिए अभी अभ्यास में लगी है। अभी इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। ऐसे में उसका लक्ष्य मैनचेस्टर में किसी प्रकार से जीत दर्ज करना रहेगा। टीम के खिलाड़ी लंदन से एक घंटे का बस का सफर करके अभ्यास के लिए बेकेनहम मैदान पहुंचे। खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम में हनुमान चालीसा, इंग्लिश पॉप और पंजाबी गाने भी बजाए गए। इस मैच में ऋषभ पंत का खेलना तय नहीं हैं। उन्हें उंगली में चोट लगी है पर उम्मीद है कि वह मैच तक ठीक हो जाएंगे। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज अभ्यास में शामिल नहीं हुए। अर्शदीप सिंह को भी अभ्यास के दौरान हाथ में चोट लग गई। केएल राहुल के अलावा बाकि सभी खिलाड़ी बेकेनहम गए थे। भारतीय क्रिकेट टीम आमतौर पर शांत माहौल में अभ्यास करना पसंद करती है। केंट काउंटी क्रिकेट ग्राउंड में भी ऐसा ही माहौल था। खिलाड़ी आराम से अभ्यास कर रहे थे। लॉर्ड्स में मिली हार के बाद टीम के खिलाड़ी थके हुए थे पर बेकेनहम के शांत वातावरण में वे तरोताजा हो गये। ड्रेसिंग रूम में अलग-अलग तरह के गाने बज रहे थे। कुछ खिलाड़ी हनुमान चालीसा सुन रहे थे, तो कुछ इंग्लिश पॉप और पंजाबी गाने। इससे खिलाड़ियों को आराम मिला। ऋषभ और बुमराह ऊपर ड्रेसिंग रूम से नीचे खड़े पत्रकारों से बात कर रहे थे। जब एक पत्रकार ने ऋषभ पंत से बात करने की कोशिश की, तो उन्होंने कहा, कुछ सुनाई नहीं दे रहा हैं। क्योंकि गाने बहुत तेज बज रहे थे। पंत और बुमराह ने सिर्फ वार्म-अप किया और जिम में कुछ समय बिताया।

अर्शदीप को अभ्यास के दौरान चोट लगी, टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ीं

बाएं हाथ के तेज अर्शदीप सिंह इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले चोटिल हो गये हैं। इससे भारतीय क्रिकेट टीम की इस मैच को लेकर बनायी जा रही योजनाओं को लेकर झटका लगा है। इस मैच में उन्हें मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह उतारा जा सकता था। इसी को लेकर सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा कि अर्शदीप को फील्डिंग के दौरान चोट लगी है और वह अभी डॉक्टर की निगरानी में हैं। अभी ये पता नहीं चला है कि उनकी चोट कितनी गहरी है और वह मैच तक फिट हो पायेंगे या नहीं। भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। ऐसे में उसे लिए मैनचेस्टर में होने वाला चौथा टेस्ट बेहद अहम है, इस कारण टीम इस मैच में बदलाव भारतीय टीम इस मैच में पूरी ताकत से उतरना चाहती है। ऐसे में किसी भी खिलाड़ी का चोटिल होना टीम के लिए बड़ा झटका है। भारतीय टीम चौथे टेस्ट के लिए गुरुवार को मैनचेस्टर में अभ्यास कर रही थी तभी अर्शदीप को चोट लग गई। यह चोट इसलिए भी बड़ा झटका है क्योंकि भारतीय टीम मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देकर अर्शदीप को उतारना चाहती है। सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा कि चौथे मैच में भी बुमराह के खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। ऐसे में अगर बुमराह को आराम दिया जाता है तो हमारी योजना अर्शदीप को उतरने की थी पर उनके चोटिल होने से टीम की गेंदबाजी लाइनअप कमजोर होगी।

अमेरिकी ओपन में कई दिग्गज खिलाड़ी उतरेंगे मैदान में

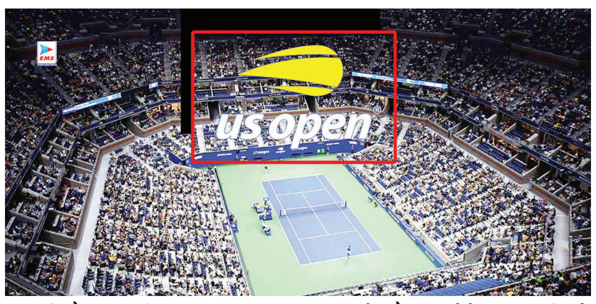

न्यूयार्क (ईएमएस)। अमेरिकी ओपन 2025 के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और इस प्रतिष्ठित ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में कई नामी सितारे अपनी किस्मत आजमाने को तैयार हैं। गत चैंपियन यानिक सिनर और दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरीना सबालेंका उन 10 पूर्व विजेताओं में शामिल हैं जो इस बार भी खिताब के लिए जोर लगाएंगे। अमेरिकी टेनिस एसोसिएशन ने 24 अगस्त से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए आधिकारिक प्रवेश सूची जारी की है जिसमें कुल 18 पूर्व ग्रैंडस्लैम एकल चैंपियन खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं।

इस सूची में खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश 14 जुलाई तक की विश्व रैंकिंग के आधार पर दिया गया है। पुरुष खिलाड़ियों के लिए कटऑफ 101वीं रैंकिंग रही जबकि महिला वर्ग में यह सीमा 99वीं रैंकिंग पर थी। इसका मतलब है कि इस साल भी कोर्ट पर दुनिया के कई बड़े सितारे और अनुभवी नाम एक बार फिर अपनी दावेदारी पेश करेंगे और दर्शकों को कड़ी टक्कर वाले मुकाबले देखने को मिलेंगे।

विश्व के नंबर वन पुरुष खिलाड़ी यानिक सिनर इस समय शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने हाल ही में विंबलडन फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को हराकर अपना चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब जीता और अब वह अमेरिकी ओपन में भी उसी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। दूसरी ओर, महिला वर्ग की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका विंबलडन में सेमीफाइनल तक पहुंची थीं, हालांकि वहां उन्हें अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अनिसिमोवा इस समय विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं और अमेरिकी ओपन में शीर्ष आठ खिलाड़ियों में शामिल चार अमेरिकी महिला खिलाड़ियों में से एक हैं, जो घरेलू दर्शकों के सामने खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। अमेरिका की तरफ से इस बार सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में सीधा प्रवेश मिला है, जिनमें 16 महिला और 14 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। इससे साफ है कि घरेलू दर्शकों को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों का शानदार खेल देखने का भरपूर मौका मिलेगा और टूर्नामेंट में जबरदस्त रोमांच की उम्मीद की जा रही है।

गंभीर सहित सहयोगी स्टाफ ने जडेजा को सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बताया

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित सहयोगी स्टाफ ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जमकर प्रशंस करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में उनके प्रदर्शन को असाधारण बताया है। गंभीर ने कहा कि जडेजा जैसा खिलाड़ी मिलना कठिन है। गंभीर ने जडेजा को टीम का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) करार दिया। जडेजा ने इस सीरीज में शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। तीसरे टेस्ट में उन्होंने अंतिम दिन 181 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाये थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब एक वीडियो जारी किया है। इसमें कोच जडेजा की जमकर तारीफ कर रहे हैं। गंभीर ने इस वीडियो में कहा, ' जडेजा की पारी अविश्वसनीय थी।' भारतीय टीम इस मैच में 193 रन के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पायी। टीम के शीर्ष बल्लेबाज जब पेवेलिन लौट रहे थे। तब जडेजा ने एक छोर संभाले रखा। वहीं इसी वीडियो में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा, 'जडेजा की बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर पहुंच गई है। पिछले दो टेस्ट मैचों में उन्होंने जो संयम दिखाया वह वास्तव में प्रशंसनीय है। मैं उन्हें कई साल से खेलते हुए हुए देख रहा हूं। मैंने देखा है कि उन्होंने अपने खेल को बेहतर बनाया है। वह वे एक शानदार बल्लेबाज़ लगते हैं जो आक्रामक साथ ही रक्षात्मक खेल में भी कुशल हैं।' वहीं बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि उनमें दबाव झेलने की क्षमता है। वह आमतौर पर तब अधिक अच्छी बल्लेबाज करते हैं जब टीम को चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में जरूरत होती है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम दूसरा एकदिवसीय भी जीतकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी

लंदन (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार को मेजबान टीम इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में दूसरे एकदिवसीय मैच में भी जीत हासिल कर तीन मैचों की सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहला एकदिवसीय मैच साउथम्प्टन के मैदान पर चार विकेट से जीता था जिससे वह इस सीरीज में 1-0 से आगे है। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाजों मेजबान टीम पर भारी पड़े थे। इससे भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। आगामी महिला एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए भारतीय टीम के लिए ये सीरीज बेहद अहम है। भारतीय टीम की कई खिलाड़ियों ने अब तक जबरदस्त खेल दिखाया है। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर चोटिल होने के कारण इस सीरीज में नहीं खेल रही हैं पर टीम में शामिल युवा खिलाड़ियोंने ने उनकी कमी महसूस नहीं होने दी है। शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना की जोड़ीदार के तौर पर प्रतीका रावल ने अच्छा प्रदर्शन किया है। शेफाली वर्मा और हरलीन देओल भी फार्म में आ गयी है। अगर शेफाली अंतिम एकादश में शामिल रहती हैं तो प्रतीका को तीसरे नंबर पर उतारा जाएगा। ऐसे में हरलीन को टीम में जगह मिलना कठिन होगा। हरमनप्रीत, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी खिलाड़ी टीम में शामिल हैं। टीम की स्पिनरों ने अब तक बेहतर प्रदर्शन किया है। टीम में बाएं हाथ की उभरती स्पिनर एन श्री चरणी के अलावा अनुभवी दीप्ति शर्मा, स्नेहा राणा और राधा यादव भी शामिल है। वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम के बल्लेबाजों ओर गेंदबाजों को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे.

इंग्लैंडः नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, माइया बाउचियर, एलिस कैप्सी, केट क्रॉस, एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, एमी जोन्स, एम्मा लैम्ब, लिंसे स्मिथ।

कंधे की सर्जरी के बाद छह हफ्ते तक मैदान से दूर रहेंगे जूड बेलिंगहैम

नई दिल्ली (ईएमएस)। रियल मैड्रिड के मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम को आखिरकार अपने कंधे की लगातार बढ़ती समस्या के चलते सर्जरी करानी पड़ी है। क्लब ने पुष्टि की है कि सर्जरी सफल रही है और अब बेलिंगहैम करीब छह हफ्तों तक मैदान से दूर रहेंगे। इसका असर उनकी उपलब्धता पर साफ नजर आएगा, क्योंकि वह ला लीगा के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे और चैंपियंस लीग के कुछ मुकाबले भी मिस कर सकते हैं। बेलिंगहैम को नवंबर 2023 में पहली बार कंधे में चोट लगी थी, जब एक मैच के दौरान उनका कंधा खिसक गया था। इसके बाद से ही वह सपोर्ट ब्रेस पहनकर खेलते आ रहे थे। उन्होंने क्लब वर्ल्ड कप तक सर्जरी टाल दी ताकि टीम को उस प्रतियोगिता में अपनी सेवाएं दे सकें, लेकिन रियल मैड्रिड की टीम सेमीफाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन से हारकर बाहर हो गई। क्लब की मेडिकल टीम की देखरेख में डॉक्टर मैनुएल लेयेस और एंड्र्यू वालेस ने बेलिंगहैम की सर्जरी की। क्लब ने बताया कि यह ऑपरेशन बार-बार कंधा खिसकने की समस्या को दूर करने के लिए किया गया है और अब बेलिंगहैम रिकवरी की प्रक्रिया से गुजरेंगे। वे जब पूरी तरह फिट होंगे, तभी फिर से ट्रेनिंग शुरू कर सकेंगे। इस सर्जरी के कारण बेलिंगहैम सिर्फ स्पेनिश लीग ही नहीं, बल्कि इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के लिए होने वाले सितंबर के वर्ल्ड कप क्वालिफायर भी नहीं खेल पाएंगे, जिसमें इंग्लैंड को सर्बिया और अंडोरा से भिड़ना है। इसके अलावा वे 29 सितंबर को एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ होने वाले बड़े मुकाबले से भी बाहर हो सकते हैं।

रियल मैड्रिड के लिए बेलिंगहैम एक बेहद अहम खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने बोरुसिया डॉर्टमंड से क्लब में आने के बाद अब तक कुल 100 मुकाबले खेले हैं और इनमें 38 गोल करने के साथ 27 असिस्ट भी दिए हैं। उनके इस शानदार प्रदर्शन की वजह से उन्हें टीम का भविष्य माना जा रहा है।

14 साल का वैभव सूर्यवंशी बना ग्लोबल क्रिकेट सनसनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल 2025 के दौरान धमाकेदार प्रदर्शन कर चुके 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक नई सनसनी बनकर उभरे हैं। बिहार के समस्तीपुर से ताल्लुक रखने वाले इस युवा खिलाड़ी ने न सिर्फ भारत बल्कि इंग्लैंड में भी अपने खेल से ऐसा प्रभाव छोड़ा है कि लोग उसे अगला सचिन तेंदुलकर या विराट कोहली मानने लगे हैं। फिलहाल इंग्लैंड में चल रही इंडिया अंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 की यूथ वनडे सीरीज में वैभव सूर्यवंशी ने 3-1 से सीरीज जीत में निर्णायक भूमिका निभाई। खासतौर पर एक मुकाबले में उन्होंने 31 गेंदों में 86 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 9 छक्के शामिल थे। बारिश के कारण यह मैच 40 ओवर का किया गया था, लेकिन वैभव की बल्लेबाजी ने दर्शकों को पूरी तरह रोमांचित कर दिया।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के विश्लेषक पीकॉक ने बताया कि जब उन्होंने वैभव को पहली बार नॉर्थम्पटनशर में देखा, तो माहौल किसी सुपरस्टार के मैच जैसा था। उन्होंने कहा कि वैभव की पारी देखने के लिए कई मीडिया तथा प्रशंसक मौजूद थे। जब उन्होंने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज सेबेस्टियन मोर्गन की गेंद को बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर पुल किया, तो पूरे स्टेडियम में खड़े होकर तालियां बजीं। आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव की सिर्फ 35 गेंदों में बनाई गई सेंचुरी ने पहले ही उन्हें लाइमलाइट में ला दिया था, लेकिन अब इंग्लैंड में मिल रही लोकप्रियता ने उनके करियर को एक नया आयाम दिया है। पीकॉक का मानना है कि उन्होंने अपने जीवन में जितने भी 14 साल के खिलाड़ी देखे हैं, उनमें वैभव सबसे खास हैं। लोगों की उम्मीदें अब वैभव को भारतीय क्रिकेट के अगले महान खिलाड़ी के रूप में देख रही हैं। इंग्लैंड के प्रशंसकों का तो यहां तक कहना है कि यह लड़का न सिर्फ तेंदुलकर और कोहली की बराबरी कर सकता है, बल्कि उनसे आगे भी निकल सकता है। अभी बेहद कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की पहचान बना चुके वैभव सूर्यवंशी को लेकर अब पूरी दुनिया उत्सुक है कि यह युवा सितारा आने वाले वर्षों में क्रिकेट की दुनिया में क्या कमाल करेगा।

टेस्ट और सीमित ओवरों के लिए अलग-अलग हो कोच, बहस जारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम को भी टेस्ट और सीमित ओवरों के मैच के लिए अलग-अलग कोच हो, इसको लेकर इन दिनों अहम बहस का मुद्दा बना हुआ है क्या अब वक्त आ गया है कि टीम इंडिया भी इंग्लैंड की तरह अलग-अलग फॉर्मेट के लिए अलग-अलग कोच रखने चाहिए?

गौतम गंभीर को जुलाई 2024 में हेड कोच बनाया गया था। वनडे और टी20 में उनका रिकॉर्ड शानदार है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वे अब तक वे उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं। गंभीर ने राहुल द्रविड़ की जगह ली थी और सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उनके कार्यकाल में भारत ने 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर इतिहास रचा और टूर्नामेंट में अपराजित रहा। हालांकि, शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में 2-0 की हार ने उन्हें झटका दिया था। इसके बावजूद उनके एक दिवसीय रिकॉर्ड में 11 में से 8 जीत, 2 हार और 1 टाई शामिल है।

टी20 में उनका सफर और भी प्रभावशाली रहा है 15 में से 13 मैचों में जीत और सिर्फ 2 हार। दूसरी ओर, रेड बॉल क्रिकेट यानी टेस्ट में गंभीर की कोचिंग बुरी तरह फ्लॉप रही है। उनके कार्यकाल में भारत ने अब तक 13 टेस्ट खेले हैं, जिनमें 4 जीते, 7 हारे और 1 ड्रॉ रहा। शुरुआत अच्छी रही थी बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज में 2-0 की जीत मिली। लेकिन फिर घरेलू मैदान पर ही न्यूजीलैंड से 3-0 की हार ने टीम की कमजोरियां उजागर कर दीं। ऑस्ट्रेलिया में भी भारत को 3-1 से सीरीज गंवानी पड़ी थी। मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर भारत पांच टेस्ट की सीरीज में 2-1 से पीछे है और दो मैच बाकी हैं।

कुलदीप को मैनचेस्टर टेस्ट में खेलते देखना चाहते हैं कपिल

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि मैनचेस्टर में 23 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट मैच में चाइननामैन स्पिनर कुलदीप यादव बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में वह कुलदीप को इस मैच में खेलते हुए देखना चाहते हैं। कपिल ने स्वयं कुलदीप को फोन कर ये बात कही है। पांच मैचों की इस सीरीज में अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है, ऐसे में उसके लिए चौथा टेस्ट बेहद अहम है। भारतीय टीम को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में केवल 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। तीनों मैच के दौरान कुलदीप को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान हैं क्योंकि टीम में शामिल स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा इन मैचों में प्रभावित नहीं कर पाये, केवल बल्लेबाजी के आधार पर इन्हें जगह मिली। ऐसे में कपिल का ये कहना कि मैनचेस्ट टेस्ट में कुलदीप बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, ये बात ध्यान में रखनी चाहिये।

अब तक सुंदर ने तीसरे मैच की दूसरी पारी में 4 विकेट लिए किया। वहीं जडेजा ने 6 पारियों में तीन विकेट लिए हैं। हालांकि बल्लेबाजी में जडेजा काफी सफल रहे हैं। कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिलने पर कपिल ने कहा कहा, टीम अच्छा खेल रही है इसलिए भी शायद उन्हें अवसर नहीं मिला। तीसरे टेस्ट में लगा कि वह खेलेंगे पर लेकिन तेज गेंदबाजों ने अच्छा काम किया। उन्होंने साथ ही कहा, इस समय कुलदीप अच्छे फॉर्म में है। ऐसे में उसे जगह नहीं देना नुकसानदेह रहेगा। पिछले कुछ मैचों में गेंदबाज नहीं, बल्कि बल्लेबाज विफल रहे हैं।

उन्होंने कहा, आप कुलदीप या जसप्रीत बुमराह से ये उम्मीद नहीं कर सकते कि वह काफी रन बना लेंगे। मैंने हाल ही में कुलदीप से बात की और उसे फिट रहने और अवसर मिलने पर अच्छा प्रदर्शन करने को कहा। हम सभी उसे जगह मिलने की उम्मीद कर सकते हैं हालांकि अंतिम फैसला कोच और कप्तान को करना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कुलदीप वर्तमान समय में देश के सबसे अच्छे और अनुभवी स्पिनर हैं। उन्होंने साथ ही कहा, उसका मनोबल ऊंचा है पर अंदर ही अंदर वह यह भी सोच रहा होगा कि उसे कब अवसर मिलेगा। वह भी तो इंसान ही है। मैनचेस्टर में अवसर मिलन पर वह बड़ी भूमिका निभा सकता है।

करुण की जगह सुदर्शन को शामिल करें : दासगुप्ता

आठ साल के बाद टीम में वापसी करने वाले बल्लेबाज करुण नायर को मैनचेस्टर में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में शायद ही शामिल किया जाये। इसका कारण है कि करुण शुरुआती तीनों में असफल रहे हैं। वहीं भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। ऐसे में इस मैच में टीम का बदलावों से उतरना तय है। आठ साल बाद अंतिम एकादश में वापसी करने वाले करुण अपनी छह पारियों में से ज्यादातर में अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पाये। वह उसे बड़ी पारी में नहीं बदल पाए हैं। पिच पर लेंथ से आती हुई उछाल लेती गेंदों से वह परेशान दिखे। ऐसे में कहा जा रहा है कि एक ही मैच के बाद बाहर किये गये बल्लेबाज साई सुदर्शन को करुण की जगह उतारा जाना चाहिय। पूर्व भारतीय विकेटकीपर दीप दासगुप्ता ने भी करुण की जगह पर सुदर्शन को शामिल करने कहा है। भारतीय टीम को उम्मीद थी कि तीसरे नंबर पर करण के आने से बल्लेबाजी बेहतर होगी पर ऐसा नहीं हो पाया। इन हालातों को देखते हुए अब टीम प्रबंधन को फैसला लेना होगा कि नायर के साथ बने रहें या फिर युवा सुदर्शन को एक और अवसर दें।

पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दासगुप्ता का कहना है कि सुदर्शन को वापस लाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, ''आप अब भी सीरीज में बने हुए हैं क्योंकि लॉर्ड्स टेस्ट मैच भी बेहद करीबी था। परिणाम किसी भी तरफ जा सकता था।'' उन्होंने कहा, '' मैं तीसरे नंबर को देख रहा हूं। क्या करुणर अब भी खेलते रहेंगे या आप सुदर्शन जैसे युवा खिलाड़ी को खिलाना चाहेंगे जो पहले टेस्ट मैच की आखिरी पारी में सहज दिखे थे?

एशेज के लिए रिकी पोंटिंग ने सुझाई ऑस्ट्रेलिया की टॉप ऑर्डर बैटिंग लाइन-अप

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज कप्तान रिकी पोंटिंग ने एशेज 2025 के पहले टेस्ट के लिए कंगारू टीम का टॉप ऑर्डर किस तरह होना चाहिए, इसे लेकर अपनी राय दी है। हाल ही में भारत, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मुकाबलों में ऑस्ट्रेलियाई टॉप ऑर्डर लगातार अस्थिर नजर आया है। कभी कोई खिलाड़ी ओपन करता दिखा, तो कभी तीसरे नंबर पर बदलाव हुए। ऐसे में टीम की बल्लेबाजी की निरंतरता पर सवाल उठे हैं। खासकर युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास, जो ओपनर के रूप में टीम में आए थे, डेब्यू मैच के बाद लगातार असफल रहे और वेस्टइंडीज के खिलाफ छह पारियों में सिर्फ 50 रन ही बना सके। इसके बावजूद पोंटिंग उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें ओपनिंग में बरकरार रखने के पक्ष में हैं।

एक बातचीत के दौरान रिकी पोंटिंग ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ इस साल के आखिर में होने वाली एशेज सीरीज के पहले टेस्ट के लिए वह उस्मान ख्वाजा और सैम कोंस्टास की जोड़ी को सलामी बल्लेबाज के रूप में देखना चाहते हैं। वहीं, तीसरे नंबर के लिए उन्होंने कैमरोन ग्रीन का समर्थन किया। पोंटिंग के मुताबिक ग्रीन ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी टेस्ट की दूसरी पारी में कठिन परिस्थितियों में धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी की, जिससे उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया।

पोंटिंग ने कहा कि पिछले कुछ समय में ख्वाजा, कोंस्टास और ग्रीन को लेकर काफी चर्चाएं हुई हैं, लेकिन ग्रीन की परिपक्वता ने यह संकेत दिया है कि वह तीसरे नंबर पर स्थायी समाधान हो सकते हैं। उन्होंने यह भी माना कि वेस्टइंडीज के खिलाफ भले ही ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से टेस्ट सीरीज जीती, लेकिन शीर्ष क्रम की विफलता लगातार चिंता का विषय बनी रही। इसके बावजूद पोंटिंग का मानना है कि एशेज की शुरुआत उसी टॉप ऑर्डर के साथ की जाएगी जो फिलहाल टीम में है। पूर्व कप्तान ने उम्मीद जताई कि अगर यही बल्लेबाज शुरुआती मैचों में अच्छा प्रदर्शन कर देते हैं, तो ऑस्ट्रेलिया को स्थिरता और संतुलन मिलेगा। उनकी राय में मौजूदा हालात में टीम को प्रयोग बंद कर एक भरोसेमंद संयोजन के साथ उतरना चाहिए, जिससे आत्मविश्वास बढ़े और शुरुआती मैचों में दबदबा बनाया जा सके।

पहले टेस्ट में रिचर्ड्स से मिलने का अवसर मिला : लारा

जमैका (ईएमएस)। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाजों में शामिल रहे ब्रायन लारा ने कहा है जब उन्होंने पहला टेस्ट खेला था तो वह उन्हें महान क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स से मिलने का अवसर मिला था। लारा के अनुसार तब टीम में कई स्टार खिलाड़ी थे। इसी को लेकर लारा ने कहा, लारा ने कहा, "मुझे रिचर्ड्स के साथ खेलने का अवसर मिला। मेरा पहला टेस्ट मैच त्रिनिदाद में था और मुझे बोर्ड से पत्र मिला, 'आप टीम में हैं. कल सुबह 9 बजे अभ्यास के लिए रिपोर्ट करें।' मैं सुबह 8 बजे वहां पहुंच गया, मैंने अपने भाई के साथ क्वीन पार्क ओवल में अभ्यास किया और फिर टीम आई। उसमें विव रिचर्ड्स, गॉर्डन ग्रीनिज, डेसमंड हायन्स, मैल्कम मार्शल, जैसे बड़ी खिलाड़ी शामिल थे। लारा ने कहा, उन दिनों ड्रेसिंग रूम बहुत छोटा था और मैंने अपने भाई से कहा, 'अब मुझे अपने टीम के साथियों से मिलना चाहिए।' जब मैं ड्रेसिंग रूम की ओर जा रहा था। मेरा क्रिकेट बैग ड्रेसिंग रूम से बाहर उड़ता हुआ आया और सारा सामना गिर गया। मैंने उसे उठाया वापस पैक किया और ड्रेसिंग रूम में चला गया। जहां मैंने अपना बैग रखा था वहीं रिचर्ड्स अपना बैग रखते थे। इसी लिए उन्होंने मेरा बैग फेंक दिया था। उसके बाद मैं अपने टेस्ट करियर के पहले 5 दिन बाथरूम में रहा। " उन्होंने यह भी कहा कि कैसे वह और उनके भाई ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर वेस्टइंडीज की कमेंट्री सुनने के लिए पूरी रात जागते थे।

विराट, रोहित की वापसी नहीं चाहते सरनदीप

नई दिल्ली (ईएसएस)। पूर्व क्रिकेटर सरनदीप सिंह ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को संन्यास से वापसी नहीं करनी चाहिये। सरनदीन ने कहा कि विराट और रोहित की कमी पूरी करना कठिन है पर अब इन दोनों से आगे बढ़ने का समय आ गया है। इन दोनो की जगह पर युवाओं को अवसर देना ठीक है। सरनदीप के दिल्ली के कोच रहते ही विराट ने इसी साल अपना अंतिम प्रथम श्रेणी मैच खेला था। रोहित और विराट ने इस साल मई में जब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। तब सरनदीप सिंह ने कहा था कि जब वे कोहली से मिले थे तब तक टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते थे पर अचानक ही उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी। हाल में क्रिकेटर मदन लाल और योगराज सिंह ने इंग्लैंड के दौरे पर तीसरे टेस्ट में हार के बाद विराट से संन्यास से वापसी की अपील की थी पर सरनदीप इसे सही नहीं मानते। वह नहीं चाहते कि विराट दोबारा वापसी करें। सरनदीप ने विराट-रोहित के संन्यास से वापसी को लेकर कहा, 'रोहित और कोहली ने टीम के लिए कई सालों तक सेवा की है। ऐसे में उनकी जगह भरना कठिन है पर भारतीय टीम युवाओं के साथ अच्छा प्रदर्शन कर रही है। रोहित के संन्यास के बाद शुभमन गिल टीम की कप्तानी कर रहे हैं। वह कोहली के नंबर 4 स्थान पर अच्छे से बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने अब तक एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में तीन शतकों के साथ 607 रन बनाये हैं। सरनदीप का कहना है कि शुभमन गिल की कप्तानी में अनुभवी केएल राहुल और युवा खिलाड़ी नए युग को आगे बढ़ा रहे हैं। ओपनर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल अच्छी शुरुआत दे रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमें इस टीम का और समर्थन करना चाहिए और विराट, रोहित से वापसी की मांग नहीं करनी चाहिये।

शमी की पत्नी हसीन जहां मारपीट मामले में फंसी

कोलकाता (ईएमएस)। क्रिकेटर मोहम्मद शमी से घरेलू हिंसा और कई अन्य मामलों में तलाक का मामला लड़ रहीं उनकी पत्नी हसीन जहां हमेशा विवादों में रहीं हैं। अब हसीन पर हत्या की कोशिश का मामला दर्ज हुआ है। हसीन के अलावा उनकी बेटी अर्शी जहां के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कराया गया है। हसीन पर ये मामला पड़ोसी ने दर्ज कराया है। इसका एक वीडियो भी आया हे। इसमें दावा किया जा रहा है कि हसीन जहां अपने पड़ोसियों से झगड़ा कर रही हैं। ये वीडियो पश्चिम बंगाल के बीरभूम का बताया जा रहा है। खबरें हैं कि हसीन जहां और उनकी बेटी अर्शी ने जमीन विवाद को लेकर पड़ोसियों के साथ मारपीट भी की। दावा किया जा रहा है कि हसीन जहां गैर कानूनी ढंग से जमीन पर कब्जा करना चाहती हैं, जिसका पड़ोसी विरोध कर रहे थे।इसमें हसीन जहां और उनकी पहली शादी की बेटी अर्शी जहां के खिलाफ पड़ोसी ने मामला दर्ज कराया है। इसमें हसीन पर आरोप है कि उन्होंने 5 नवंबर वार्ड में विवादित प्लॉट पर निर्माण शुरू किया। यह कथित तौर प उनकी बेटी के नाम पर है। आरोप हैं कि हसीन और उनकी बेटी ने पीड़ित महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की है।

पार्टी में शुभमन की ओर देख रही थी सारा !

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के नए-कप्तान शुभमन गिल यहां भारतीय टीम के साथ एक पार्टी में शामिल हुए थे। इसमें महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर भी थीं। शुभमन का नाम कई बार सारा से जोड़ा जाता रहा है। ऐसे में इस बार भी ऐसा ही हुआ। ये पार्टी पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने दी थी। अब इसी कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें शुभमन और सारा तेंदुलकर साफ तौर पर देखे जा सकते हैं। इमसें शुभमन गिल किसी अनजान युवती के साथ बैठे दिख रहे हैं। वहीं उनके पीछे सारा तेंदुलकर बैठीं हैं पर वह शुभमन की ओर देख रहीं थीं। जिससे प्रशंसकों को हंसी मजाक का अवसर मिल गया। सोशल मीडिया पर लोग कहते दिखे कि शुभमन को किसी और से बात करते देख सारा को जलन हो रही है. इससे पहले इवेंट के अगले दिन भी कई तस्वीरें और वीडियोज इंटरनेट पर आए थे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित इन्फ्रास्ट्रक्चर से वैश्विक आईटी खर्च 2024 में 5.43 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। 2025 में दुनिया भर में आईटी खर्च 5.43 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है, जो 2024 की तुलना में 7.9 फीसदी से ज्यादा है। इसकी वजह एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा फोकस है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई। रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य के कारण कारोबार में मंदी के बावजूद एआई केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च आईटी क्षेत्र में खर्च को बढ़ावा देगा। गार्टनर के विशिष्ट उपाध्यक्ष विश्लेषक जॉन-डेविड लवलॉक ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि के कारण शुद्ध-नए खर्च पर व्यावसायिक विराम है, लेकिन एआई और जनरेटिव एआई (जेनएआई) डिजिटलीकरण पहलों के कारण यह प्रभाव कम हो रहा है।

अनिश्चितता के कारण 2025 में सॉफ्टवेयर और सेवाओं पर खर्च की वृद्धि धीमी होने की उम्मीद जताई जा रही है, लेकिन डेटा सेंटर सिस्टम जैसे एआई से संबंधित इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च में वृद्धि जारी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जेनएआई के कारण डेटा केंद्रों में तेजी देखी जा रही है और एआई अनुकूलित सर्वरों पर खर्च जो 2021 में करीब न के बराबर था, 2027 तक पारंपरिक सर्वरों की तुलना में तीन गुना बढ़ने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिस्पर्धात्मकता एक प्रमुख कारण है, जिसके कारण कंपनियां इस बिगड़ते परिवेश में टेक्नोलॉजी और व्यावसायिक परिवर्तन में निवेश करेंगे।

रिपोर्ट में कहा गया कि 2025 की दूसरी तिमाही की शुरुआत से ही एक अनिश्चितता विराम शुरू हो गया है, जिसमें आईटी समेत कई विभागों में नए इनिशिएटिव का रणनीतिक निलंबन शामिल है। यह विराम बढ़ती अनिश्चितता और भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके जवाब में, वैश्विक कॉर्पोरेट क्षेत्र ज्यादा सावधानी बरत रहा है, क्योंकि संगठन इन बहुआयामी चुनौतियों के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि 61 फीसदी कंपनियों ने 2025 की शुरुआत पिछले साल की इस अवधि की तुलना में बेहतर स्थिति में की है।

एआई की मदद से दो साल में अमेरिकी कंपनी की वैल्यूएशन 18 अरब डॉलर हुई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से सर्च इंजन बना रही अमेरिकी स्टार्टअप कंपनी ने एक नया निवेश राउंड पूरा कर लिया है, जिससे अब कंपनी की वैल्यूएशन 18 अरब डॉलर यानी करीब 1.5 लाख करोड़ हो गई है। इस निवेश से कंपनी ने 100 मिलियन डॉलर यानी करीब 830 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इस डील को कंपनी ने कुछ महीनों पहले हुए राउंड का एक्सटेंशन बताया है, तब कंपनी की वैल्यूएशन 14 अरब डॉलर थी। रिपोर्ट के मुताबिक अब नए फंडिंग राउंड के साथ अमेरिकी स्टार्टअप कंपनी परप्लेक्सटी ने एक बार फिर से निवेशकों का भरोसा जीतकर एआई की दुनिया में मजबूत दर्ज कराई है। परप्लेक्सटी की तरफ से इस डील पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है, लेकिन फाइनेंशियल टाइम ने पहले ही इस डील की कुछ जानकारी रिपोर्ट की थी। बता दें परप्लेक्सटी की शुरुआत 2022 में हुई थी और महज दो सालों में यह कंपनी एआई से जुड़े इंटरनेट सर्च जैसे बुनियादी सेवाओं को बदलने की दिशा में एक बड़ा नाम बन चुकी है। पिछले साल इस स्टार्टअप की वैल्यूएशन पहले 1 अरब डॉलर से 3 अरब डॉलर और फिर कुछ ही महीनों में 9 अरब डॉलर तक पहुंच गई। मार्च 2025 में एक रिपोर्ट में बताया गया था कि कंपनी 18 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर करीब 1 अरब डॉलर जुटाने की कोशिश कर रही है, लेकिन उस समय निवेशकों ने कंपनी को 14 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर ही फंडिंग दी थी, जिससे उसका टारगेट अधूरा रह गया था। अब नई फंडिंग के साथ कंपनी फिर से वैल्यूएशन टारगेट 18 अरब डॉलर पर पहुंच चुकी है।

ईपीएफओ की बैठक में कर्मचारियों का प्रमोशन व खाली पदों पर हो सकता है निर्णय

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भविष्य में कर्मचारियों की जरूरत का अनुमान लगाने, कर्मचारियों की करियर संबंधी आकांक्षाओं के साथ तालमेल करने के लिए कैडर के पुनर्गठन और अपनी सेवाओं की डिलिवरी बेहतर करने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की कैडर पुनर्गठन (सीआर) समिति शुक्रवार को अपने सभी एसोसिएशनों, फेडरेशनों और कर्मचारी यूनियनों के साथ बैठक कर रही है। दो दिन तक चलने वाली बैठक के बाद सेवानिवृत्ति कोष संगठन में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और इसमें काम कर रहे कर्मचारियों को प्रमोशन देने का फैसला लिया जा सकता है। इस समय ईपीएफओ के 21 जोनल कार्यालय, 138 रीजनल कार्यालय, 114 जिला कार्यालय और पांच विशेष राज्य कार्यालय हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ईपीएफओ में इस समय ग्रुप-ए, बी और सी में 24 हजार के करीब पद हैं, जिनमें से 9 हजार पद खाली हैं।
मीडिया रिपोर्ट में कर्मचारी संगठन के एक सदस्य ने बताया कि ईपीएफओ में कैडर की समीक्षा नियमित रूप से नहीं होती, जिससे सभी श्रेणी के कर्मचारियों में स्थिरता की स्थिति बनी है। दरअसल डीओपीटी और कैबिनेट सचिवालय के निर्देश के मुताबिक हर पांच साल पर कैडर की समीक्षा की जानी चाहिए, जिससे विसंगतियां दूर हो सकें। इसके अलावा पिछले एक दशक में काम का बोझ कई गुना बढ़ गया है, जिसके लिए कर्मचारियों की संख्या बढ़ाए जाने की जरूरत है। कैडर पुनर्गठन की पिछली कवायद को सीबीटी ने जुलाई 2016 में मंजूरी दी थी, जिसमें ग्रुप-ए के पदों की संख्या 859 से बढ़ाकर 1,039 की गई थी। पिछले साल नवंबर में सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी की बैठक में श्रम मंत्री ने अधिकारियों की समिति बनाने के निर्देश दिए थे, जिसे ईपीएफओ में कैडर पुनर्गठन के मकसद की जांच करनी है। सीबीटी के सदस्य हरभजन सिंह का कहना है कि पद रिक्त पड़े हैं, लेकिन मौजूदा रिक्तियों को भरने के बजाय ईपीएफओ ने प्रौद्योगिकी का सहारा लिया है या कार्यभार निजी ठेकेदारों को सौंप दिया है।

वीआईपी सूटकेस बनाने वाली कंपनी की 32% हिस्सेदारी बिकी:चैयरमेन बोले- अगली पीढ़ी चलाना नहीं चाहती

मुंबईः भारत की सबसे बड़ी लगेज कंपनी वीआईपी इंडस्ट्रीज के चेयरमैन दिलीप पिरामल ने कंपनी में अपनी 32% हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है। 1,763 करोड़ रुपए में यह हिस्सा प्राइवेट इक्विटी फर्म मल्टीपल्स और अन्य निवेशकों को बेचा जाएगा। पिरामल ने बताया कि उनकी अगली पीढ़ी बिजनेस चलाने में रुचि नहीं रखती, जिसके चलते यह कदम उठाना पड़ा। वीआईपी इंडस्ट्रीज 53 साल से सूटकेस और बैग्स बनाने के बिजनेस में है। बीते कई साल तक वीआईपी इंडस्ट्रीज मार्केट लीडर रही है, लेकिन पिछले 5 साल से कंपनी की मार्केट हिस्सेदारी लगातार कम हो रही है। कंपनी की मार्केट वैल्यू घटकर 6,830 करोड़ रुपए रह गई है।

पिरामल बोले- अगली पीढ़ी बिजनेस चलाना नहीं चाहती

दिलीप पिरामल ने 53 साल तक वीआईपी इंडस्ट्रीज को लीड किया, जो भारत में सूटकेस और बैग्स का सबसे बड़ा ब्रांड है। लेकिन अब उनकी तीन बेटियां—राधिका, अपर्णा और प्रियदर्शनी बिजनेस में दिलचस्पी नहीं दिखा रही हैं। पिरामल ने एनडीटीवी प्रॉफिट से कहा, हमारा पारिवारिक बिजनेस है, लेकिन अगली पीढ़ी इसे चलाना नहीं चाहती। इसके अलावा, कंपनी पिछले पांच सालों से मार्केट शेयर खो रही है और पिछले साल की चारों तिमाहियों में कंपनी को नुकसान हुआ है।

51.73% से घटकर 19.73% हुई हिस्सेदारी

वीआईपी इंडस्ट्रीज की 32% हिस्सेदारी मल्टीपल्स प्राइवेट इक्विटी, आकाश भंसाली और कैरटलेन के फाउंडर मिथुन सचेटी को 1,763 करोड़ रुपए में बेची जा रही है। शेयर की कीमत 388 रुपए रखी गई, जो 11 जुलाई की क्लोजिंग प्राइस से 15% कम है। हिस्सेदारी बिकने के बाद पिरामल परिवार की हिस्सेदारी 51.73% से घटकर 19.73% रह जाएगी। साथ ही, मल्टीपल्स ने SEBI नियमों के तहत 26% और शेयर खरीदने के लिए 1,438 करोड़ रुपए का ओपन ऑफर भी लॉन्च किया है।वीआईपी इंडस्ट्रीज, जो एरिस्टोक्रेट, कार्लटन, स्काईबैग्स और कैप्रेस जैसे ब्रांड्स की मालिक है, कभी भारत में 50% मार्केट शेयर रखती थी। लेकिन अब सैमसोनाइट और सफारी इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों से मुकाबले में उसका हिस्सा 38% तक सिमट गया। 2025 में कंपनी का रेवेन्यू 2,169.66 करोड़ रुपए रहा, लेकिन नुकसान बढ़ा। पिरामल ने कहा, कंपनी में मैनेजमेंट की समस्याएं हैं, लेकिन इसका बेस मजबूत है।

टीआरएफ को अब आर्थिक मदद या संसाधन नहीं मिल सकेगी, आतंकी संगठन घोषित

वाशिंगटनः,(ईएमएस)। अमेरिका ने पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया है। टीआरएफ ने पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। बाद में भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर उसने इससे इनकार कर दिया था। भारत ने अपने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पूरी दुनिया में भेजे थे, जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की भूमिका को बताया। अब इसे एफटीओ में डालना भारत की बड़ी कामयाबी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इस फैसले की घोषणा की। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यह कदम आतंकवाद के खिलाफ ट्रंप प्रशासन की कड़ी प्रतिबद्धता को दिखाता है। पहलगाम हमला 2008 के मुंबई हमलों के बाद भारत में सबसे घातक हमला था। टीआरएफ को एफटीओ घोषित करना ट्रम्प की उस मांग को पूरा करता है, जिसमें उन्होंने इस हमले के लिए न्याय की बात कही थी। टीआरएफ को अब अमेरिका में कोई आर्थिक मदद या संसाधन नहीं मिलेंगे। इनके ऊपर आर्थिक प्रतिबंध लगेंगे। उनसे जुड़ी संपत्ति को अमेरिका में फ्रीज किया जाएगा। इससे उनके हथियार, ट्रेनिंग और भर्ती जैसे कामों को झटका लगेगा। टीआरएफ के सदस्यों और समर्थकों का अमेरिका जाना बैन हो जाएगा।

रिलायंस-रिटेल ने 1963 के मशहूर फ्रिज ब्रांड को खरीदाः ईशा अंबानी ने कहा- केल्विनेटर को फिर से पॉपुलर बनाएंगे

मुंबईः रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की रिलायंस रिटेल ने शुक्रवार (18 जुलाई) को आइकॉनिक होम अप्लायंसेज ब्रांड केल्विनेटर को खरीदने की घोषणा की है। कंपनी का यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते कंज्यूमर ड्यूरेबल्स मार्केट में अपनी स्थिति को मजबूत करने की स्ट्रेटजी का हिस्सा है। हालांकि, रिलायंस रिटेल और केल्विनेटर के बीच यह डील कितने में हुई है, इस बात की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। केल्विनेटर को भारत में अपने भरोसेमंद रेफ्रिजरेटर और 'द कूलेस्ट वन' जैसी यादगार टैगलाइन के लिए जाना जाता है। अब यह रिलायंस के बढ़ते पोर्टफोलियो का हिस्सा होगा। कंपनी का कहना है कि इस कंपनी को खरीदने का मकसद भारतीय घरों तक ग्लोबल लेवल के हाई क्वालिटी वाले डिवाइसेज पहुंचाना है।

केल्विनेटर को फिर से पॉपुलर बनाएंगेः ईशा अंबानी

रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा अंबानी ने कहा, 'यह खरीद भारतीय कंज्यूमर्स तक भरोसेमंद ग्लोबल इनोवेशन लाने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है।' उन्होंने कहा कि रिलायंस की बड़ी रीच और रिटेल नेटवर्क केल्विनेटर को फिर से पॉपुलर बनाने में मदद करेगा।

केल्विनेटर ने 1963 में इंडियन मार्केट में कदम रखा था

केल्विनेटर ने 1963 में इंडियन मार्केट में कदम रखा था और 1970-80 के दशक में गोदरेज और अल्विन के साथ मिलकर बाजार पर राज किया। अपने टिकाऊपन, किफायती कीमत और पूरे भारत में फैले डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के कारण यह ब्रांड घर-घर में मशहूर था। हालांकि, 1990 के दशक में लिबरलाइजेशन के बाद LG और सैमसंग जैसे ग्लोबल ब्रांड्स के कॉम्पिटिशन के कारण इसकी चमक फीकी पड़ गई। इलेक्ट्रोलक्स से व्हर्लपूल तक मालिकाना हक बदलने और निवेश की कमी ने ब्रांड की मौजूदगी को और कम कर दिया। फिर भी केल्विनेटर का पुराना रुतबा और कंज्यूमर्स की यादों में इसकी जगह आज भी बरकरार है।

मार्केट में अपनी स्थिति को मजबूत करेगी रिलायंस रिटेल

रिलायंस का यह अधिग्रहण केल्विनेटर को फिर से जीवंत करने और भारत के मास-प्रिमियम अप्लायंसेज सेगमेंट में स्थापित करने की दिशा में एक और प्रयास है। कंपनी इस ब्रांड को भरोसे और मॉडर्न टेक्नोलॉजी के कॉम्बिनेशन के साथ पेश करने का प्लान बना रही है। यह कदम रिलायंस रिटेल के लिए इंडियन कंज्यूमर मार्केट में अपनी स्थिति को और मजबूत करने का एक बड़ा अवसर है। खासकर तब जब हाउसहोल्ड अप्लायंसेज की डिमांड तेजी से बढ़ रही है।

दैनिक पंचांग

19 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

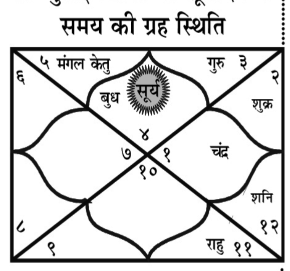

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.14 बजे से
चंद्र	मेष में	सिंह	07.34 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.46 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	11.57 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.11 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.27 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.33 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.19 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.52 बजे से
		मेष	23.22 बजे से
		वृष	01.02 बजे से
		मिथुन	03.01 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2025 वर्ष का 200 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 14.43 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 00.38 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शूल 00.55 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 14.43 बजे तदनन्तर वणिज 01.29 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20^{0} 50' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872410 **जूलियन दिन** 2460875.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 23

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7351

बाएँ से दाएँ
1. शमशीर, कृपाण-4
4. उपद्रवी, आतंकी-4
6. अनुबंध, संधि-3
8. धोखा, छल, मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी, जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे
1. झगड़ा, कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा, विशाल-3
4. अपनत्व, अपनापा-5
5. अनबन, झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात, सहसा-4
14. दृष्टि, निगाह-3
17. बेमिसाल, अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद, आशा-2

शब्द पहेली -7350 का हल

आ	म	रा	य		सा	व	धा	न
रा		ह	म	स	फ	र		फ
ध	न			ली			का	र
ना	क		ना	का	रा		न	त
	ब	हा	र		श	र	भ	
खो	ज		द	ह	न		र	म
फ	न			र			ना	न
ना		स	र	फ	रो	श		च
क	र	त	ब		ना	मा	व	ली

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6892

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	15	15	38	36			27	16	
20		3		7		8		5	21
22	4		2				8		20
		3		2		3		2	34
			6		9		7		34
34		7		5		8			
43	9		3		5		7		
15		4				5		6	24
18	4		8		7		5		21
	24	19			40	41	20	15	

अंकजाल 6891 का हल

	22	19	22		23	22	17	16	
14	7	2	5		7	8	9	2	26
16	3	8	5		6	7	3	6	22
18	5	4	9		2	7	5	8	22
25	7	5	3	8	2				
				2	6	7	9	3	27
18	7	2	5	4		5	2	5	12
20	6	3	4	7		8	8	5	21
24	8	6	4	6		8	7	3	18
	21	11	13	27		28	26	16	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 5836

			6		7	
4	33	4	40	7	31	2
	2		3	5		
1	29	3	37	6	35	5
		7	4		5	
6	30	2	24	1	30	3
	6		4			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5835 का हल

3	5	7	4	2	1	6
1	30	2	37	6	31	3
5	1	6	3	7	2	4
6	37	3	34	1	25	5
4	7	5	6	3	2	1
7	33	4	32	4	30	2
2	3	1	4	5	6	7

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5196

20		50		90		4	=	40
28		7		60		33	=	31
30		10		2		8	=	5
20		2		25		5	=	20
=		=		=		=		=
38		45		40		24	=	25 / 19

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5195

53	-	12	-	25	+	5	=	21
-		+		-		÷		+
48	+	17	-	20	x	1	=	45
+		-		x		+		-
30	x	2	-	10	÷	1	=	50
-		÷		-		+		+
13	÷	1	+	30	-	10	=	33
=		=		=		=		=
22	+	27	-	20	+	16	=	49 / 45

शब्दजाल - 6883

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सावन भादो, राम बलराम, नियत, सुहाग, खूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान

शब्दजाल - 6882 का हल

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दो	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	वी	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1943 मित्र राष्ट्रों की वायुसेना ने द्वितीय विश्व युद्ध में रोम पर पहली बार हमला किया.

1967 पीडमान्ट बोइंग 727 और 310 हवा में टकराकर हैंडरसॉनविले, नार्थ कैरोलिना, अमेरीका में नष्ट होने से 82 लोगों की मृत्यु.

1969 सरकार ने चौदह बड़े बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया.

1975 अमरीका और सोवियत संघ के अंतरिक्षयात्रियों के जुड़े हुए अंतरिक्ष यानों को अलग किया.

1990 कुवैत ने इराकी खतरे के देखते हुए अपने पड़ोसियों से मदद की अपील की.

1993 अमरीका और उत्तर कोरिया में परमाणु विवाद पर अंतरिम समझौता हुआ.

2002 गुजरात मंत्रीमंडल ने इस्तीफा दिया, विधान सभा भंग करने की सिफारिश की.

2004 भोपाल गैस पीड़ितों को 1503 करोड़ रुपये बांटने का सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश.

संक्षिप्त खबरें

रांची सहित कई जिलों में मौसम हुआ साफ

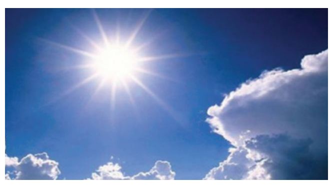

रांचीः राजधानी रांची सहित कई जिलों में मौसम साफ हो गया है। मौसम साफ होते धूप खिलने से लोगों ने राहत की सांस ली। रात-दिन बारिश होने से कई इलाकों में जल जमाव हो गया था और लोगों के घरों में बारिश का पानी घुस गया था। इससे प्रशासन और आम लोगों को राहत कार्य करने में परेशानी हो रही थी। लेकिन मौसम साफ होने के बाद राहत कार्यो में तेजी आएगी। साथ ही बारिश नहीं होने से राज्य भर में कृषि कार्य मे तेजी आएगी। वहीं किसान सब्जी की खेती भी लगाएंगे। बारिश बंद होते ही किसान खेतों के काम मे जूट गए हैं और बिछड़े उखाड़कर धनरोपनी करने लगे हैं। इस बार अच्छी बारिश होने से राज्य भर में खरीफ की अच्छी फसल होने की संभावना है। वहीं, मौसम विभाग ने बताया कि आनेवाले कुछ दिनों तक राज्य भर में बारिश नहीं होगी। पिछले 24 घण्टों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश चतरा जिले के हंटरगंज में 132 मिमी रिकॉर्ड की गई। वहीं शुक्रवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और धूप रही। रांची में अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री, जमशेदपुर में 35.1, डालटेनगंज में 31, बोकारो में 30.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

लोहरदगाःबलदेव साहु महाविद्यालय क्रिकेट मैदान स्टेडियम का बीसीसीआई की टीम ने किया निरीक्षण

लोहरदगाः बीसीसीआई की टीम लोहरदगा के बलदेव साहु महाविद्यालय क्रिकेट मैदान का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ड्रेसिंग रूम दोनों पवेलियन सेंटर विकेट और प्रेक्टिस विकेट का निरीक्षण किया। साथ ही साथ साइट स्क्रीन जहां पर लगा है उसको भी उन्होंने देखा और लोहरदगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी को चार सेंटर विकेट बढाने तथा और चार प्रैक्टिस बनाने के लिए कहा। इसके अलावा उन्होंने कुछ और दिशा निर्देश देकर कहा कि से जल्द से जल्द इन्हें पूरा कर ले और उम्मीद है इस साल आपको बीसीसीआई का बोर्ड मैच मिल जाएगा. उन्होंने स्टेडियम के इंफ्रास्ट्रक्चर की काफी सराहना की। इस अवसर पर लोहरदगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उनको गुलदस्ता और टी शर्ट भेंट किया। मैदान के निरीक्षण के बाद उन्होंने शहर के विभिन्न होटलों का मुआयना किया और सारी जानकारियां ली खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था उनके खाने पीने की व्यवस्था तथा जिम वगैरह को उन्होंने गौर पूर्वक देखा और उससे संतुष्ट हुए। बीसीसीआई की टीम की ओर से अमित कुमार साथ में झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसियेशन के पूर्व रणजी खिलाड़ी और पूर्व सचिव राजेश वर्मा उर्फ बॉबी दा तथा राजीव रंजन साथ में आए हुए थे। इस अवसर पर आलोक राय ,भास्कर दास गुप्ता, नेयाज मल्लिक, सतीश वर्मा, प्रवीण प्रसाद, मुकेश दुबे, आशीष कुमार ,अमित कुमार, जय जीत चौबे सहित अन्य उपस्थित थे।

मेहुल प्रसाद के नेतृत्व में युवा कांग्रेस प्रत्याशियों की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका से शिष्टाचार भेंट

रांचीः रांची महानगर कांग्रेस कमिटी के मीडिया चेयरमैन डॉ. मेहुल प्रसाद के नेतृत्व में आगामी झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस चुनाव में भाग लेने वाले विभिन्न क्षेत्रों के प्रत्याशियों की टीम ने झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह के आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दीपिका पांडे सिंह ने सभी प्रत्याशियों का परिचय प्राप्त किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "युवा कांग्रेस पार्टी की रीढ़ है। संगठन में युवाओं की भूमिका न केवल ऊर्जा और जोश भरती है, बल्कि नए विचारों और सकारात्मक बदलावों की भी शुरुआत करती है। मैं सभी प्रत्याशियों को सफलता की शुभकामनाएं देती हूं और आशा करती हूं कि यह चुनाव पूरी पारदर्शिता और आपसी सहयोग के साथ संपन्न होगा। बैठक में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद की प्रत्याशी अंशु तिवारी, जिला महासचिव पद से अंकित सिंह, रांची से टिंकू कुमार पासवान, कांके से राजीव भल्ला, अंशुलक कुमार, अंकित कुमार, संतोष सिंह समेत कई अन्य प्रत्याशी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. मेहुल प्रसाद ने कहा, युवा कांग्रेस का यह चुनाव संगठन को नई दिशा देने वाला है। हम सभी मिलकर पार्टी की नीतियों को मजबूत करेंगे और युवाओं को सक्रिय रूप से राजनीति में लाने का काम करेंगे।

बाबा बैद्यनाथ धाम में लगी श्रद्धालुओं की भीड़

देवघरः सावन के शुरू होते ही देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। देश- विदेश से बाबा भोलेनाथ को जलार्पण करने लोग यहां पहुंच रहे हैं। शुक्रवार तड़के 04:22 से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया। शिवभक्तों की गूंज से पूरा रूट लाईन गुंजायमान है और सभी कांवरिया कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण कर रहे है। उल्लेखनीय है कि गत 10 जुलाई से अबतक 9 लाख 42 हजार 614 कांवरियों ने जलार्पण किया है।

आतंकवाद, नक्सलवाद और साइबर क्राइम पर कसा शिकंजा

छह माह में झारखंड पुलिस ने पांच आतंकी, 197 नक्सली और 767 साइबर अपराधी किए गिरफ्तार

रांची, 18 जुलाई (हि.स.)। झारखंड पुलिस लगातार कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर लगाम लगाने का प्रयास कर रही है। आतंकवाद, नक्सलवाद और साइबर क्राइम पर शिकंजा कस रही है। इसमें झारखंड पुलिस को महत्वपूर्ण सफलताएं भी मिली हैं।

आईजी अभियान/पुलिस प्रवक्ता माइकल राज एस ने वर्ष 2025 जनवरी से जून (छह माह) की उपलब्धि की जानकारी देते हुए शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि अपराध के खिलाफ चलाए गए अभियान में राज्य के विभिन्न जिलों से पांच आतंकी, 197 नक्सली, 767 साइबर अपराधी और संगठित गिरोह के 12 अपराधी गिरफ्तार किए गए। इसके अलावा पुलिस के साथ मुठभेड़ में 17 नक्सली और उग्रवादी मारे गए। वहीं आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर 10 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण भी किया।

उन्होंने बताया कि इस अवधि में कुल 113 हथियार बरामद किए गए, जिनमें 31 लूटे गए पुलिस हथियार, 20 रेगुलर हथियार और 62 देसी हथियार शामिल हैं। पुलिस ने 8591 गोलियां, 176.5 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ, 3811 जिलेटिन और 4.51 लाख रुपये की लेवी राशि भी जब्त की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने नक्सलियों द्वारा बिछाए गए 179 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) को भी नष्ट किया है। वहीं झारखंड और ओडिशा पुलिस के संयुक्त अभियान में ओडिशा के के. ब्लांग थाना क्षेत्र से 3811 किलोग्राम जिलेटिन बरामद किये गये।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 के माह जनवरी से जून तक राज्य के सभी जिलों से 119 सीसीए का प्रस्ताव अपराधियों के विरूद्ध समर्पित किया गया। पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए भी कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। झारखंड पुलिस सहाय्य एवं कल्याण कोष से 622 लाभार्थियों को 1.67 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। अनुकंपा समिति की बैठकों में कुल 108 आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति दी गई। इसके अलावा 64 पुलिस निरीक्षकों को पुलिस उपाधीक्षक के पद पर और 9 सहायक अवर निरीक्षकों को पुलिस अवर निरीक्षक के पद पर पदोन्नति दी गई।

खेल के क्षेत्र में भी झारखंड पुलिस ने हासिल कीं उपलब्धियांः झारखंड पुलिस ने खेल के क्षेत्र में भी उपलब्धियां हासिल की है। रांची में आयोजित प्रतियोगिता में झारखंड पुलिस ने एक स्वर्ण और चार रजत सहित कुल पांच पदक प्राप्त किए। कोच्चि, केरल में आयोजित प्रतियोगिता में झारखंड पुलिस ने टेबल टेनिस में 5 कांस्य पदक जीते। इसके अलावा 38वें नेशनल गेम्स, जो उत्तराखंड में आयोजित किया गया था, में झारखंड पुलिस ने दो स्वर्ण, एक रजत और 1 कांस्य पदक हासिल किए।

सराहनीय सेवा और जन शिकायत निवारणः गणतंत्र दिवस-2025 के अवसर पर, केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा झारखंड पुलिस के 12 पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को सराहनीय सेवा के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश और डीजीपी अनुराग गुप्ता के मार्गदर्शन में राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में कुल 4158 शिकायत पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 3464 शिकायतों का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया। यह कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ों में मारे गए 17 नक्सली

01 करोड़ का इनामी विवेक उर्फ प्रयाग मांझी, अरविंद यादव उर्फ अशोक

10 लाख का इनामी साहेब राम मांझी और पप्पू लोहरा

05 लाख का इनामी मनीष यादव, सुदेश गंझू, हेमंती मझियान, शांति देवी, राहुल तुरी उर्फ आलोक जी के अलावा सात अन्य नक्सली शामिल हैं।

संगठित अपराध और आतंकी संगठनों पर एटीएस की कार्रवाई

आईजी अभियान ने बताया कि झारखंड पुलिस ने संगठित अपराध पर अंकुश लगाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जनवरी से जून 2025 तक संगठित अपराध से संबंधित 4 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 12 संगठित गिरोहों के अपराधियों की गिरफ्तार हुई। इनके पास से 4 हथियार, 21 गोलियां, 23 मोबाइल फोन और एक चारपहिया वाहन बरामद हुए। इसके अलावा 26 अप्रैल को एटीएस ने धनबाद में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हुत (हिज्ब उत-तहरीर) के पांच सक्रिय कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। उनके पास से दो हथियार, 12 गोलियां, पांच लैपटॉप, तीन पेन ड्राइव, आठ मोबाइल फोन और प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के साहित्य बरामद किए गए।

साइबर अपराध पर कसी नकेल

आईजी अभियान ने बताया कि जनवरी से जून 2025 तक साइबर अपराध के कुल 620 मामले दर्ज किए गए और 767 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 5.43 लाख रुपये नकद, 1664 सिम कार्ड, 1283 मोबाइल फोन, 135 एटीएम कार्ड, 20 दोपहिया वाहन, आठ चारपहिया वाहन, 19 लैपटॉप, 37 बैंक पासबुक, 24 बैंक चेकबुक, 3 स्वाइप मशीन और 01 राउटर बरामद किए गए।

नशा कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई

आईजी अभियान ने बताया कि जनवरी से मई 2025 तक नशा कारोबार के खिलाफ 389 मामले दर्ज किए गए और 393 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 553.856 किलोग्राम गांजा (अनुमानित कीमत 2.76 करोड़ रुपये), 66.566 कि.ग्रा. अफीम (अनुमानित कीमत 3.32 करोड़ रुपये), 2.49 कि.ग्रा. ब्राउन शुगर (अनुमानित कीमत 24.90 लाख रुपये), 9950.94 कि.ग्रा. डोडा (अनुमानित कीमत 14.92 करोड़ रुपये) और 7925 टैबलेट नशे की गोलियां (अनुमानित कीमत 31.70 लाख रुपये) बरामद किए गए। इसके अलावा 2301 बोतल सिरप और 1100 पीस इंजेक्शन बरामद किया गया है।

नाबार्ड का 44वां स्थापना दिवस

बैंक द्वारा किसानों को लोन नहीं देना भी अपराधः कृषि मंत्री

रांचीः झारखंड की राजधानी रांची में नाबार्ड का 44वां स्थापना दिवस मनाया. इस स्थापना दिवस कार्यक्रम में राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं. राज्य के वित्त सचिव और बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के कुलपति के साथ साथ नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक गौतम कुमार सिंह भी शामिल हुए.

किसानों को केंद्र बिंदु में रखकर योजनाएं बनानी होंगीः कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि इंदिरा गांधी ने नाबार्ड की स्थापना जिस लक्ष्य के साथ नाबार्ड का गठन किया था उसका पूरा लक्ष्य प्राप्त होना बाकी है. आने वाले दिनों में नाबार्ड की ओर से E-KCC योजना जल्द शुरू हो गयी. किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार कर्ज नहीं मिला तो वह लोन एनपीए हो जाना तय है. कृषि मंत्री ने कहा कि अनुदान के तहत पम्प या किसी और कार्य के लिए चेक की अनिवार्यता समाप्त होना चाहिए. इसके लिए वह एसएलपीसी और वित्त मंत्री से बात भी करेंगी. वहीं बैंक के मैनेजर और अधिकारी के कार्यशैली पर मंत्री ने कहा कि सभी मैनेजर और अधिकारी एक तरह से काम नहीं करते हैं. बैंक के अधिकारी अगर किसानों को लोन नहीं दे रहे हैं तो ये भी एक क्राइम है. बैंकिंग सिस्टम को भी सुधारने की जरूरत है ताकि किसानों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके.

राज्य के 09 प्रोडक्ट को जीआई टैग की दिलाने की तैयारी

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक गौतम कुमार सिंह ने राज्य में नाबार्ड की कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि झारखंड के देवघर के अट्ठे सहित अलग अलग तरह के 09 प्रोडक्ट को जीआई टैग दिलाने की तैयारी हो रही है. उन्होंने कहा कि उम्मीद है जल्द से जल्द पांच प्रोडक्ट को जीआई टैग मिल जाएगा. जिनमें "भगैया सिल्क" से लेकर देवघर का अट्ठे मटन और मीठी इमली के साथ-साथ आदिवासी परिधान शामिल है।

राज्य में अत्यधिक वर्षा की वजह से कई फसलों को नुकसान हुआ है. जिसकी पूरी रिपोर्ट के लिए सभी जिलों के डीसी को विभाग की ओर से पत्र लिखा जा रहा है.

राज्य के वित्त सचिव प्रशांत कुमार ने कहा कि नाबार्ड के सहयोग से राज्य में विकास के कार्य हुए हैं. 24.5 हजार करोड़ लोन कराए गए हैं जिसमें से साढ़े 19 हजार करोड़ की राशि भी प्राप्त हुई है. जिसका इस्तेमाल राज्य के कृषि और ग्रामीण विकास की कई योजनाएं चलाई गयी है. वित्त सचिव ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में LTIF स्कीम में 250 सौ करोड़ नाबार्ड के माध्यम से प्राप्त हुए है. नाबार्ड और झारखंड सरकार समन्वय बनाकर आगे बढ़ रहे हैं. फिशरीज में अच्छा का काम हुआ है और अन्य क्षेत्र में काम होना बाकी है. इस कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री ने अलग अलग क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया.

झारखंड में नए आपराधिक कानूनों के लिए गठित छह समितियों के कार्यों की डीजीपी ने की समीक्षा

रांचीः झारखंड में नए आपराधिक कानूनों के लिए गठित छह समितियों के कार्यों की डीजीपी अनुराग गुप्ता ने समीक्षा की. समीक्षा बैठक झारखंड पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित हुई. नए अपराधिक कानून के सफल कार्यान्वयन के संबंध में गठित विभिन्न समितियों के अब तक के कार्यों की समीक्षा की गयी. जिनमें लीगल कमेटी, पब्लिक अवेयरनेस कमेटी, टेक्निकल अपग्रेडेशन कमेटी, फाइनेंशियल कमेटी, ट्रेनिंग कमेटी और डिजिटल इन्वेस्टिगेशन कमेटी के अध्यक्षों और सदस्यों ने भाग लिया. डीजीपी ने इन समितियों के उद्देश्यों पर व्यापक चर्चा की. इन उद्देश्यों में डिजिटल एसओपी तैयार करना, डिजिटल अनुसंधान में संक्रमण का पर्यवेक्षण और निगरानी करना, वित्तीय आवश्यकताओं का आकलन और खरीद प्रस्ताव तैयार करना, जमीनी स्तर पर तकनीकी ढांचे की तैनाती और रखरखाव सुनिश्चित करना, नए आपराधिक कानूनों के बारे में आम जनता को जागरूक करने के लिए निरंतर अभियान चलाना, सर्कुलर और मैनुअल की रूपरेखा तैयार करना, तथा पुलिस और सभी हितधारकों के सभी पदों के लिए बहुस्तरीय प्रशिक्षण विकसित करना और उसकी व्यवस्था करना शामिल था.

जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद बनाए गए हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट के वरीय न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद को हाईकोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है. केंद्र सरकार के विधि मंत्रालय ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है. दरअसल मौजूदा चीफ जस्टिस एमएस राव का त्रिपुरा हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया है. नए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस तरलोक सिंह चौहान के पदभार ग्रहण करने तक हाईकोर्ट के वरीय न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नरायण प्रसाद को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है.

सांसद ढुल्लू के खिलाफ दायर पीआईएल को झारखंड हाई कोर्ट ने किया खारिज

रांचीः झारखंड के धनबाद सांसद ढुल्लू महतो की आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर शुक्रवार को झारखंड हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने धनबाद सांसद को बड़ी राहत देते हुए उनकी संपत्ति की जांच की मांग वाली पीआईएल को खारिज कर दिया है। हाई कोर्ट ने इस जनहित याचिका को सुनाई योग्य नहीं माना है। पूर्व में सभी पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया।

हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में फैसला सुनाया है। मामले में राज्य प्रार्थी सोमनाथ चटर्जी ने ढुल्लू महतो की आय से अधिक संपत्ति की जांच सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग और राज्य पुलिस की एसआईटी से कराने का आग्रह किया था।

आईसीएआई के मासिक न्यूजलेटर का मंत्री ने किया लोकार्पण

रांचीः दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई), रांची शाखा के मासिक न्यूज़लेटर (जुलाई संस्करण) का शुक्रवार को लोकार्पण नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने किया। इस अवसर पर रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया, उपाध्यक्ष सीए अनीश जैन, सचिव सीए भुवनेश कुमार ठाकुर, कार्यकारिणी सदस्य सीए हरेन्द्र भारती, सदस्य सीए उमेश कुमार, सीए अंशु गुप्ता और सीए हर्ष अग्रवाल उपस्थित थे।

शाखा अध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया ने मंत्री को न्यूज़लेटर की विषयवस्तु, उद्देश्य और इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईसीएआई रांची शाखा निरंतर इस प्रकार के ज्ञानवर्धक और संवादात्मक प्रयासों के माध्यम से समाज और पेशे से जुड़े लोगों को एक मजबूत मंच प्रदान करती रही है और आगे भी करती रहेगी।

मौके पर मंत्री ने शाखा की ओर से द्वारा किए गए इस रचनात्मक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रकाशन गतिविधियां सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी होती हैं एवं यह संस्थान की सक्रियता और जागरूकता का प्रतीक हैं।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी पर खून के अवैध धंधे का आरोप

धनबाद में पांच सदस्यीय टीम ने शुरू की जांच

धनबादः जिला का भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी सवालों के घेरे में है. वो इसलिए क्योंकि ब्लड डोनेशन कैंप के प्रभारी बेनजीर परवीन पर गंभीर आरोप लगे हैं. संस्थान के ही सदस्य ने बेनजीर परवीन पर ब्लड डोनेशन कैंप के माध्यम से निजी अस्पतालों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया है. शिकायत में दो मामले दिए गए हैं. जिसमें 200 से अधिक यूनिट ब्लड निजी अस्पताल को दिए जाने की बात कही गई है.

शिकायत मिलने के बाद भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी ने मामला संज्ञान में लेते हुए जांच की कार्रवाई तेज कर दी है. इस मामले में पांच सदस्यी टीम गठित की गई है. जो मामले की जांच पड़ताल कर रही है. जांच टीम में शामिल सह भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त सचिव दिलीप सिंह ने कहा कि शिकायत के आलोक में मामले की जांच पड़ताल की जा रही है. उन्होंने सिंदरी के मामले का जिक्र करते हुए कहा कि ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया था. शिकायत में बताया गया है जिसमें 240 यूनिट ब्लड संग्रहित किए गए थे.

उन्होंने बताया कि सिंदरी ब्लड डोनेशन कैंप के लिए एसएनएमएमसीएच(SNMMCH) अस्पताल से किट की मांग की गई थी. लेकिन एसएनएमएमसीएच अस्पताल के पास 5 ही किट थी. जिसके बाद निजी अस्पताल अशर्फी हॉस्पिटल को ब्लड डोनेट में मदद करने की अपील की गई थी. इसी के मद्देनजर अशर्फी हॉस्पिटल के द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप में रक्त संग्रहित किया गया था. जिसमें 235 यूनिट ब्लड अशर्फी हॉस्पिटल को मिली थी और महज 5 यूनिट ब्लड एसएनएमएमसीएच ले जाया गया था. हालांकि उन्होंने कहा कि मामले की जांच पड़ताल चल रही है जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है.

इस मामले को लेकर धनबाद सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक विश्वकर्मा ने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है. मुझे भी एक पत्र प्राप्त हुआ है. इस मामले की जांच पड़ताल के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

दरअसल, धनबाद सिविल सर्जन द्वारा हाल ही में ब्लड डोनेशन कैंप को लेकर सवाल खड़े किए गए थे. जिसमें उन्होंने कहा था कि जिले में लगाए जाने वाले ब्लड डोनेशन कैंप निजी अस्पतालों के फायदे के लिए की जा रही है. भोले भाले गरीब और मजदूर से ब्लड डोनेशन करवाया जा रहा है और उसे डोनेट ब्लड को प्राइवेट ब्लड बैंक या फिर निजी अस्पताल में पैसे कमाने के उद्देश्य से भेजा जा रहा है.

सिविल सर्जन ने वैसे ब्लड डोनेशन कैंप को अवैध करार दिया था. ऐसे तमाम ब्लड डोनेशन कैंप लगाए जाने वाले पर कार्रवाई करने की भी बात कही थी. जिसमें सिविल सर्जन ने सिविल सर्जन कार्यालय से ब्लड डोनेशन के लिए स्वीकृति लेने का आदेश भी जारी किया था.

विधायक जयराम महतो धनबाद कोर्ट में हुए पेश, झड़प मामले में हैं आरोपी

धनबादः डुमरी विधायक और जेएलकेएम के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो शुक्रवार को डिस्ट्रिक्ट कोर्ट धनबाद में हाजिर हुए. मामला 27 नवंबर 2023 का है. सियालजोरी थाना क्षेत्र के वेदांता प्लांट में 27 नवंबर 2023 को मजदूर आंदोलन चल रहा था. आंदोलन स्थल पर झड़प हुई थी. इसमें जयराम महतो का नाम शामिल किया गया था. पहले यह केस बोकारो सिविल कोर्ट में एडीजे दो के पास लंबित था. केस की सुनवाई के बाद आगे के ट्रायल के लिए स्पेशल कोर्ट धनबाद भेज दिया गया. विधायक जयराम महतो ने कहा कि इस मामले में मेरी कोई भूमिका नहीं है. ग्रामीणों के प्रदर्शन में शामिल नहीं था. इस केस के विवरण में यह बताया गया है कि प्रदर्शन के दौरान बैनर में उनकी तस्वीर थी और इसलिए केस में उनका भी नाम दर्ज कर दिया गया.

जयराम महतो ने इसे हास्यास्पद बताया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी के हर एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लगी रहती है. इसका यह मतलब कभी नहीं निकलता कि पीएम मोदी पर ही प्राथमिकी दर्ज कर दी जाए. निसंदेह या ग्रामीणों का आंदोलन था और उस वक्त झारखंड की आवाज को हम बुलंद करते आ रहे थे. जिसके कारण ग्रामीणों ने हमारी तस्वीर को बैनर में दिया था.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।